आज़ादी का अमृत महोत्सव

पीएनबी प्रतिभा pnb pratibha
अंक: 63-03 अक्टूबर-दिसंबर, 2022
पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विशेषांक

पीएनबी स्टाफ जर्नल
PNB Staff Journal

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट एस्टेट में पीएनबी की पुनर्निर्मित शाखा का उद्घाटन किया

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के करकमलों द्वारा प्रेसिडेंट एस्टेट में पीएनबी की पुनर्निर्मित शाखा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ में हैं डीएफएस सचिव, श्री विवेक जोशी और पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल।

पीएनबी को आईबीए (IBA) बैंकिंग टेक्नॉलोजी अवार्ड्स 2022 में दो पुरस्कार प्राप्त हुए

18वें वार्षिक (**IBA**) बैंकिंग टेक्नॉलोजी सम्मेलन, एक्सपो और अवार्ड्स 2022 में पीएनबी को सर्वश्रेष्ठ फिनटेक सहयोग के लिए उपविजेता पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ एआई और एमएल बैंक (**Best AI and ML Bank**) के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ और श्री हेमंत वर्मा, सीजीएम, पीएनबी ने मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार चौधरी, कार्यपालक निदेशक, (आरबीआई), श्री सुनील मेहता (चीफ एक्जीक्यूटिव, आईबीए) और श्री गोपाल मुरली भगत (उप मुख्य कार्यकारी, आईबीए) की उपस्थिति में प्राप्त किया।

मुख्य संरक्षक:

अतुल कुमार गोयल
(प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी)

संरक्षक:

विजय दुबे
(कार्यपालक निदेशक)

कल्याण कुमार
(कार्यपालक निदेशक)

बिनोद कुमार
(कार्यपालक निदेशक)

एम. परमशिवम
(कार्यपालक निदेशक)

विशेष सहयोग:

विभा एरन
(महाप्रबंधक- अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग)

एम. स्वराज लक्ष्मी
(महाप्रबंधक- अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग)

प्रबंधकीय संपादक:

देवार्चन साहू
(महाप्रबंधक – राजभाषा)

संपादक:

मनीषा शर्मा
(सहायक महाप्रबंधक- राजभाषा)

सह संपादक:

बलदेव कुमार मल्होत्रा
(मुख्य प्रबंधक – राजभाषा)

नरेश खुराना
(मुख्य प्रबंधक – राजभाषा)

राजीव शर्मा
(वरिष्ठ प्रबंधक – राजभाषा)

हृदय कुमार
(राजभाषा अधिकारी)

देवार्चन साहू, महाप्रबंधक – राजभाषा द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक – राजभाषा द्वारा संपादित।

पंजाब नैशनल बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली।

मुद्रण:

रॉयल प्रेस, बी-81, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, नई दिल्ली-110020

पीएनबी प्रतिभा में लेखकों/रचियताओं द्वारा व्यक्त राय एवं विचार लेखकों के व्यक्तिगत हैं। बैंक प्रबंधन का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश	02
कार्यपालक निदेशक का संदेश	04
महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश	06
संपादकीय	07
महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा नवीकृत प्रेसिडेंट एस्टेट शाखा का उद्घाटन	08
बैंक के नवनियुक्त गैर-कार्यपालक अध्यक्ष (Non-Executive Chairman) श्री के.जी. अनंतकृष्णन का हार्दिक स्वागत	09
नवनियुक्त कार्यपालक निदेशक का हार्दिक स्वागत	11
बैंक की चार डिजिटल बैंकिंग इकाईयों का शुभारंभ	12
नियो बैंकिंग	13-16
संसदीय समिति के दौरे	17
कॉरपोरेट गतिविधियाँ	18-19
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग गतिविधियाँ	20
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में फॉरफेटिंग	21-23
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग-लेख	24-25
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दौरे	26
कार्यपालक निदेशकों के दौरे	27-28
बैंक को पुरस्कार / मुख्य सतर्कता अधिकारी के दौरे	29
फिनटेक की बढ़ती भूमिका	30-34
एनआरआई ग्राहकों हेतु उपलब्ध बैंकिंग सेवाएं	35-36
प्रधान कार्यालय में 74वें गणतंत्र दिवस का आयोजन	37
बैंक ने मनाया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस	38
प्रधान कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन	39-40
सतर्कता जागरूकता सप्ताह	41
उद्घाटन	42-43
अग्निवीरों के लिए बैंक की नई पहल	44
गिफ्ट (GIFT) सिटी में पीएनबी की उपस्थिति	45-46
महानायक अमिताभ बच्चन के जन्मदिवस पर विशेष	47
बैंक के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग उत्पाद	48-49
हमें गर्व है	50
सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली (बैंक) नराकास में पुरस्कार वितरण	51-52
बैंक को गृह मंत्रालय से 11 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए	53-54
राजभाषा गतिविधियाँ	55
स्त्री-जीवन चक्र - (कविता)	56
मुर्दा साँस (व्यंग्य-कथा)	57-58
पुस्तक समीक्षा – पगडंडी में पहाड़	59-60
हर तस्वीर कुछ कहती है – उत्कृष्ट प्रविष्टियाँ	61-62
सीएसआर गतिविधियाँ	63-64
क्षेत्रीय भाषा की रचना	65
आखिर वो मान गए	66-68
विपरीत का सौन्दर्य : जीवन दर्शन	69
पीएनबी ने किया “नए पीएनबी वन” का शुभारंभ	70
मेरी पहली मुन्नार यात्रा	71-72
आयातक-निर्यातक मीट / विविध	73
बैंक-एक नजर में	74
आपके पत्र	75
भावभीनी विदाई	76

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

प्रिय पीएनबीएंस,

मुझे इस बात की अपार खुशी है कि 'पीएनबी प्रतिभा' का वर्तमान अंक 'अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र' पर केंद्रित है, जो बैंक के कारोबार और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख विकास उत्प्रेरकों में से एक है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान, अंतरराष्ट्रीय यात्रा, शिक्षा, कारोबार, चिकित्सा सुविधाओं आदि में सुगमता आने के कारण, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र के अंतर्गत सेवाओं के लिए ग्राहकों की माँग बढ़ी है। उसी के परिणामस्वरूप, हमारे द्वारा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश की गई है, जो निवासी व अनिवासी भारतीयों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करती है।

हमारा बैंक 230 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है, जो विदेशी मुद्रा परिचालन लेन-देन में विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों से सुसज्जित हैं। इसके अलावा, नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई एवं कोलकाता में स्थित व्यापार वित्त केंद्रों (टीएफसी) के माध्यम से आयात-निर्यात, बाहरी विप्रेषण, विदेशी निवेश, आईईडीपीएमएस, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, विदेशी साख पत्र आदि से संबंधित लेन-देन की प्रक्रिया में अनुपालन स्तर बढ़ा है। साथ ही प्राप्त दस्तावेजों की प्रक्रिया के लिए टर्नअराउंड समय (टीएटी) को भी कम किया है। इसके अलावा स्विफ्ट, मनी ट्रांसफर सर्विस स्कीम (एमटीएसएस), रुपया आहरण व्यवस्था (आरडीए) आदि के माध्यम से आवक विप्रेषण को अंतरराष्ट्रीय सेवा शाखा (आईएसबी), नई दिल्ली में प्रोसेस किया जा रहा है। हमारा बैंक 400 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से विदेश जाने वाले व्यक्तियों को वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड (डब्ल्यूटीसी) भी ऑफर कर रहा है।

इसके अलावा, हमारे बैंक की 7 देशों और जी.आई.एफ.टी. (GIFT) सिटी (SEZ) गाँधीनगर, गुजरात, भारत में भी उपस्थिति है। हमारी डीआईएफसी दुबई में भी शाखा है। इसके अतिरिक्त, हमारी सहायक संस्था/संयुक्त उद्यम जैसे कि पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड यूके, (7 शाखाएँ), ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड, भूटान, (9 शाखाएँ) एवरेस्ट बैंक लिमिटेड, नेपाल (118 शाखाएँ) और ढाका

Dear PNBians,

It gives me immense please that the current edition of 'PNB Pratibha' is focused on 'International Banking Segment', which is one of the key growth drivers for the Bank`s Business and Indian Economy.

During the past few years, due to ease in international travel, education, business, medical facilities, etc., customers demand for services under International Banking Segment has risen. As a result of the same, a wide range of services have been offered by us, which cater the growing need of customers including Residents as well as Non-residents.

Our bank is extending International banking services through 230 Authorized Branches, which are well equipped with specially trained officers dealing in Forex operations. Further, the centralized set up for processing of Forex transaction related to Export, Import, Outward Remittance, Overseas Investments, IEDPMS, Foreign Direct Investment, Foreign Letter of Credit, etc. through Trade Finance Centres (TFCs) at New Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata has increased the compliance level and reduced the Turnaround time (TAT) for processing of the documents received. Further, Inward remittances received through SWIFT, Money Transfer Service Scheme (MTSS), Rupee Drawing Arrangements (RDA), etc. are being processed at International Service Branch (ISB), New Delhi. Our bank is also offering World Travel Card (WTC) to the person going abroad through 400 authorised branches.

In addition to the above, our Bank is having overseas presence in 7 countries and G.I.F.T. City (SEZ) Gandhinagar, Gujrat, India. We are having overseas branches at DIFC Dubai and 1 IFSC Banking Unit (IBU) GIFT City, Gandhinagar. Besides, we are having Subsidiaries / Joint Venture namely Punjab National Bank (International) Ltd (7 branches), UK, Druk PNB Bank Ltd (9 branches) Bhutan, Everest Bank Ltd,

(बांग्लादेश) में और यांगून (म्यांमार) में दो कार्यालय भी हैं।

हमारी विदेशी शाखाएँ हमारी घरेलू शाखाओं के ग्राहकों को व्यापार वित्त सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। ये शाखाएँ अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) आदि के लिए धन विप्रेषण की सुविधा भी प्रदान करती हैं। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जी.आई.एफ.टी. (GIFT) सिटी में 8 अप्रैल, 2022 को खोली गई शाखा ने 9 महीने से भी कम समय में 1 बिलियन अमरीकी डॉलर के आंकड़े को छू लिया है।

बैंक के ग्राहकों तक पहुँचने और नए विदेशी मुद्रा ग्राहक आधार को बढ़ाने के लिए, हम भारत में विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से निर्यातकों/ग्राहकों की बैठकें आयोजित कर रहे हैं। मैं विशेष रूप से यह उल्लेख करना चाहूँगा कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, भौतिक और वर्चुअल माध्यम से 62 ग्राहक बैठकें आयोजित की गईं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी बैंक अभी तक ऐसी 81 बैठकें आयोजित कर चुका है और आगे भी करता रहेगा। इसके अलावा, अधिकतम स्टाफ को कुशल बनाने के लिए, बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष से विदेशी मुद्रा परिचालन के लिए 450 से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है।

मैं बैंक द्वारा डिजिटल लेन-देन बढ़ाने और ग्राहकों की सुविधा के लिए की गई अन्य पहलों का भी उल्लेख करना चाहूँगा:

ग्राहक "ट्रेड फाइनेंस रिडिफाइंड पोर्टल" के माध्यम से निर्यात, आयात, विदेशी साख पत्र, विदेशी गारंटी पत्र आदि से संबंधित अपने दस्तावेज सीधे प्रेषित कर सकते हैं।

पीएनबी इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत जावक विप्रेषण सुविधा की अनुमति प्रदान की गई है।

लेन-देन के पूरा होने पर ग्राहक को पंजीकृत ई-मेल आईडी पर विदेशी बिलों के भुगतान और धन प्रेषण की सूचना स्वत: प्राप्त होती है।

मैं आपका ध्यान बैंकों के विशाल एनआरआई ग्राहक आधार की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जो जमाओं पर उच्च ब्याज दर के कारण भारत में निवेश करना चाहते हैं। मुझे यह बताते हुए अपार हर्ष है कि वर्तमान में, हम एनआरआई जमाओं (एनआरई/एफसीएनआर(बी)) पर सर्वश्रेष्ठ ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं।

मेरा मानना है कि फील्ड में बढ़ते कुशल कर्मचारियों, टीएफसी/आईएसबी में अनुपालन जाँच के केंद्रीकरण और विदेशी मुद्रा परिचालन के डिजिटलाइजेशन के साथ, हम आपके निरंतर प्रयासों और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

अतुल कुमार गोयल

(प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी)

Nepal (118 branches) and two Representative Offices at Dhaka (Bangladesh) and at Yangon (Myanmar).

Our overseas branches are providing trade finance facilities to customers of our domestic branches. These branches also facilitate remittances for Non Resident Indians (NRIs) etc. I am glad to inform that the branch in G.I.F.T. City, opened on 8th April, 2022, has touched the figure of USD 1 Billion in less than 9 months.

In order to reach out to Bank`s customers and to add new Forex customer base, we are regularly conducting Exporters/customers Meet at different location in India. I would especially like to mention that during the last Financial Year, 62 customer meets were organized through physical and virtual modes. In current Financial Year, bank has already conducted 81 such meets and will continue the same. Furthermore, in order to create more skilled staff, bank has trained more than 450 staff for Forex operation since last FY.

I would like to add some other initiates taken to increase digital transactions and ease of customers by the bank:

- Customers can directly send their documents related to Exports, Imports, Foreign Letter of Credits, Foreign Letter of Guarantees, etc. for processing through "Trade Finance Redefined Portal".
- Outward Remittance Facility under Liberalized Remittance Scheme (LRS) has been allowed through PNB Internet Banking.
- Customer receives the payment advice of Foreign Bills and Remittances on the registered E-Mail Id automatically on completion of transaction.

I would like to draw your attention towards the large number of NRIs customer base of the banks who tend to invest in India due to high rate of interest on deposits. I am glad to inform that at present, we are offering the best ROI on NRI deposits (NRE/FCNR(B)) in the industry.

I believe that with the increasing skilled staff in the field, centralization of compliance checking at TFCs/ISB and digitalization of Forex operations, we will achieve great heights in International Banking segment by your continuous efforts and positive approach.

With Best Wishes,

Atul Kumar Goel

(Managing Director and Chief Executive Officer)

कार्यपालक निदेशक का संदेश

प्रिय पीएनबीइंस

सर्वप्रथम, मैं सभी स्टाफ सदस्यों और उनके परिजनों के लिए वर्ष 2023 के सुखी और समृद्ध होने की कामना करता हूँ। **"पीएनबी प्रतिभा"** का यह अंक 'अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग' पर आधारित है, और विदेश व्यापार बढ़ाने के लिए सरकार इस पर विशेष ध्यान दे रही है। इस संदर्भ में, 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए सरकार ने प्रमुख व्यापार भागीदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने जैसे कदम भी उठाए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय रुपये की अधिक स्वीकार्यता, या भारतीय रुपए (INR) के "अंतरराष्ट्रीयकरण" के पथ पर भी अग्रसर है।

घरेलू बैंकिंग प्रणाली के समेकन और विदेशी मुद्रा के उपयोग के लिए उदारीकरण के बाद विदेशी व्यापार और मुद्रा की बढ़ती माँग के साथ, बैंक ग्राहकों को व्यापार और निजी उपयोग के लिए विभिन्न योजनाओं और उत्पादों की पेशकश कर रहा है। विभिन्न प्रकार के विदेशी मुद्रा परिचालनों के लिए 230 अधिकृत डीलर शाखाएँ हैं। इसके अलावा, नई दिल्ली, चेन्नई, मुंबई और कोलकाता में ट्रेड फाइनेंस सेंटर (TFC) और अंतरराष्ट्रीय सेवा शाखा (ISB), नई दिल्ली जैसे केंद्रीकृत कार्यालयों के माध्यम से विदेशी मुद्रा लेन-देन किया जाता है।

हम कॉरपोरेट, एनआरआई, विदेशी कंपनियों/व्यक्तियों आदि जैसे ग्राहकों के सभी वर्गों के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग खंड के तहत बैंक द्वारा दी जाने वाली प्रमुख सेवाओं में निर्यात बिल, आयात बिल, विदेशी साख पत्र (एफएलसी) और विदेशी गारंटी पत्र (FLG), प्रेषण व्यवसाय, आदि शामिल हैं। बैंक विदेशी निवेश (OI), प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI), बाहरी वाणिज्यिक उधार (ECB), व्यापार ऋण, आदि के लिए सुविधा प्रदाता के रूप में भी कार्य करता है।

हमारा बैंक विदेश जाने वाले भारतीय निवासियों के लिए विश्व यात्रा कार्ड (वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड) जारी कर रहा है जो वर्तमान

Dear PNBians

At the outset, I wish all staff members and their families a very happy and prosperous year 2023. The theme of **"PNB Pratibha"** is 'International Banking' which has gained focus of Government, particularly to improve foreign trade. In the context, for achieving USD 5 trillion economy, Government has also taken steps such as entering into Free Trade Agreements (FTA) with major trade partners. India is also on the path of greater acceptance of Indian Rupee in international markets, or "Internationalization" of INR.

With the consolidation of the domestic banking system, and the growing demand of the foreign trade and currency post liberalization for utilization of foreign exchange, Bank is offering various schemes and products to the customers for trade and personal use. There are 230 Authorized Dealer branches for dealing in different type of forex operations. Further, forex transactions are processed through centralized offices viz. Trade Finance Centers (TFC) at New Delhi, Chennai, Mumbai and Kolkata and International Service Branch (ISB), New Delhi.

We are extending a bouquet of services to all segments of customers such as Corporates, NRIs, Foreign Companies/Individuals, etc. Major services offered by the bank under International Banking Segment are handling of Export Bills, Import Bills, Foreign Letter of Credit (FLC), and Foreign Letter of Guarantee (FLG), Remittances Business, etc. The bank also acts as facilitator for Overseas Investments (OI), Foreign Direct Investments (FDI), External Commercial Borrowings (ECB), Trade Credit, etc.

Our Bank is offering World Travel Card for Indian

में 3 करेंसी अर्थात् यूएस डॉलर, यूरो, जीबीपी में उपलब्ध है। पीएनबी वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड एटीएम और पीओएस टर्मिनलों के माध्यम से नकद निकासी, शेष राशि की पूछताछ और अन्य अनुमत लेन-देन प्रदान करता है। अधिक सुलभता के लिए, हम मास्टरकार्ड प्लेटफॉर्म पर मल्टी करेंसी वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड पेश करने जा रहे हैं, जो ग्राहक को एक ही कार्ड में बहुमुद्रा (मल्टीकरेंसी) सुविधा का लचीलापन प्रदान करता है।

हम ग्राहकों को एनआरई, एनआरओ, एफसीएनआर (बी), आरएफसी, आरएफसी (डी), ईईएफसी आदि जैसे विशेष उत्पादों की सुविधा भी प्रदान करते हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2022 में प्रवासी श्रमिकों से निजी प्रेषण के रूप में 100 बिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त किए, जो यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश है। इससे हमें बैंक का कासा बढ़ाने का अवसर मिला है। बैंक द्वारा एनआरआई जमा व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 15.11.2022 से 15.01.2023 तक विशेष अभियान चलाया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इस समय उद्योग में इस क्षेत्र में सर्वोत्तम ब्याज दर दे रहे हैं। इसके अलावा सहायता प्रदान करने, सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने और एनआरआई ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए, हमने कॉरपोरेट कार्यालय में एनआरआई कक्ष की स्थापना की है।

इसके अतिरिक्त, हमारे बैंक की उपस्थिति 7 देशों में है, लंदन में सहायक कंपनियाँ / संयुक्त उद्यम हैं, अर्थात् पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड; ड्रक पीएनबी बैंक लिमिटेड, भूटान; एवरेस्ट बैंक लिमिटेड, नेपाल; डीआईएफसी दुबई में एक शाखा कार्यालय और दो प्रतिनिधि कार्यालय ढाका (बांग्लादेश) और यांगून (म्यांमार) में हैं। हमने जी.आई.एफ.टी. (GIFT) सिटी, गाँधीनगर में आईएफएससी बैंकिंग यूनिट (IBU) में एक शाखा भी खोली है।

बैंक की डिजिटल पहल के अनुरूप, लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (LRS) के तहत जावक प्रेषण (आउटवर्ड रेमिटेंस) अब पीएनबी नेट बैंकिंग में उपलब्ध है। इसके अलावा, कारोबारी ग्राहकों को डिजिटल रूप से व्यापार दस्तावेज जमा करने की सुविधा के लिए व्यापार वित्त पोर्टल भी शुरू किया गया है।

मुझे आशा है कि पीएनबी प्रतिभा का यह विशेष संस्करण अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और विदेशी मुद्रा व्यापार के लिए जागरूकता पैदा करने में मदद करेगा, जिससे विभिन्न पोर्टफोलियो में बैंक के समग्र कारोबार में वृद्धि होगी।

शुभकामनाओं सहित

विजय दुबे
(कार्यपालक निदेशक)

residents going abroad presently available in 3 currencies viz. USD, EURO, GBP. PNB World Travel Card offers Cash withdrawal, Balance enquiry and other permitted transactions through ATMs and at POS terminals. For more accessibility, we are in the process of introducing Multi Currency World Travel Card on Mastercard platform which delivers the flexibility of multicurrency facility in a single card to the customer.

We also facilitate the customers with exclusive products like NRE, NRO, FCNR(B), RFC, RFC (D), EEFC, etc. India received USD 100 billion as personal remittance from migrant workers in 2022, the first country to achieve the milestone, according to a report by the World Bank. This gives us opportunity to increase CASA of the bank. To boost the NRI deposit business of the bank, a campaign from 15.11.2022 to 15.01.2023 has been made live. I am glad to inform that we are offering best interest rate in this segment, in the industry at present. Further to assist, improve service quality and redress the grievances of NRI customers, we have established a setup called NRI Cell at the corporate office.

Furthermore, our bank has presence in 7 countries, having Subsidiaries / Joint Ventures in London namely Punjab National Bank (International) Ltd, Druk PNB Bank Ltd, Bhutan, Everest Bank Ltd, Nepal, one branch office in DIFC Dubai and two Representative Offices at Dhaka (Bangladesh) and at Yangon (Myanmar). We have also opened a branch in IFSC Banking Unit in (IBU) G.I.F.T. City, Gandhinagar.

In line with digital initiative of the Bank, the outward remittances under Liberalized Remittance Scheme (LRS) is now available in PNB Net banking. Further, Trade Finance Portal has also been launched to facilitate trade clients to submit trade documents digitally.

I hope that this special edition of PNB Pratibha will help in creating awareness for International Banking and forex business, leading to increase in overall business of bank in different portfolio.

With Best Wishes

Vijay Dubey
(Executive Director)

महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश

प्रिय साथियो,

पीएनबी प्रतिभा का नवीन अंक 'अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विशेषांक' के रूप में आप सबके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में निर्यात-आयात और निवेश किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। निर्यात के मुकाबले अधिक आयात व्यापार घाटे को दर्शाता है। निर्यात – आयात में संतुलन बनाना किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी रहता है। सरकार का ध्यान प्रमुखता से विदेशी व्यापार को बढ़ाने की ओर है जिसके लिए उसने कई व्यापार भागीदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। कुछ देशों के साथ व्यापार डॉलर के स्थान पर रुपये में किए जाने की सहमति से ₹ के अंतरराष्ट्रीयकरण की भी राह प्रशस्त हुई है। इस सबके साथ-साथ विदेशी मुद्रा और व्यापार की बढ़ती माँग ने भी बैंक के लिए अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग का दायरा विस्तृत करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

वैश्विक लेन-देन, आवागमन, निवेश व व्यापार में बढ़ोतरी से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं की माँग बढ़ी है। भारतीय बैंकिंग प्रणाली भी इस बढ़ती माँग के अनुरूप निरंतर सुदृढ़ और विकसित हो रही है और हमारे बैंक ने भी अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यापार में वृद्धि के लिए निरंतर सुगम, त्वरित व कम खर्चीली बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाते हुए इस क्षेत्र में अपनी सुदृढ़ पैठ बनाई है। एनआरआई विश्व के किसी भी हिस्से में हों, देश के साथ उनका लगाव हमेशा से रहा है और यही कारण है व्यापार, निवेश अथवा जमाओं में उनकी आवश्यकताएं सदैव बनी रहती हैं। हमारा बैंक व्यापार और निजी उपयोग हेतु विभिन्न योजनाओं और उत्पादों की सेवाएं इन्हें प्रदान कर रहा है। बैंक अपनी 230 अधिकृत डीलर शाखाओं, ट्रेड फाइनेंस सेंटर, DIFC शाखा दुबई व दिल्ली में IBD शाखा के माध्यम से ग्राहकों की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। इसके अतिरिक्त नेपाल, भूटान, इंग्लैंड, ढाका एवं यांगून देशों में बैंक और इसकी सहायक संस्थाओं के कार्यालय कार्यरत हैं।

जी.आई.एफ.टी. (GIFT) सिटी, गाँधीनगर, गुजरात में फिनटेक हब स्थापित करने की दिशा में केंद्र सरकार की प्रेरणा को ध्यान में रखते हुए खोली गई आईएफएससी बैंकिंग यूनिट शाखा के माध्यम से हमारा बैंक देश की अर्थव्यवस्था और विदेशी कारोबार बढ़ाने में अपना योगदान देने के लिए तत्परता से अग्रसर है। जी.आई.एफ.टी. (GIFT) सिटी शाखा बैंक की विदेशी शाखा की तरह नियामक, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के तहत सेवाएं दे रहे हैं। इस शाखा के माध्यम से हमारे ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय कारोबार विशेषकर वित्त ट्रेड और वैश्विक बाजार के लेन-देन अबाध रूप से करने की सुविधा प्रदान की जा रही है।

डिजिटल बैंकिंग प्रणाली को आत्मसात करते हुए हमारा बैंक अपने ग्राहकों को नवीनतम बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं बहुत कम खर्च पर, त्वरित व सुगम प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध करवा रहा है। बैंक के "ट्रेड फाइनेंस रिडिफाइंड पोर्टल' के माध्यम से आयात, निर्यात, विदेशी साख पत्र, विदेशी गारंटी पत्र आदि से संबंधित दस्तावेज सीधे भेजे जा सकते हैं। पीएनबी इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उदारीकृत रेमिटेंस योजना के अन्तर्गत जावक विप्रेषण सुविधा उपलब्ध करवाई गयी है। लेन-देन के पूरा हो जाने पर ग्राहक को उसके पंजीकृत ई-मेल पर विदेशी बिलों के भुगतान और धन भेजने की सूचना स्वत: प्राप्त हो जाती है। इसके अतिरिक्त प्रवासी भारतीयों को भारत में रखी जाने वाली जमाओं पर बेहतर ब्याज दर उपलब्ध है। इतना ही नहीं, विदेश जाने वाले भारतीयों को बैंक की 400 अधिकृत शाखाओं से वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड भी उपलब्ध है।

बैंक केवल उत्पादों अथवा डिजिटल सेवाओं पर ही ध्यान केन्द्रित नहीं कर रहा है अपितु अनुपालन स्तर को बढ़ाते हुए प्रतिक्रिया समय को कम करके, प्रक्रिया को सुगम भी बना रहा है। बैंक अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यापार बढ़ाने के लिए आयातक-निर्यातक मीट का भी नियमित आयोजन कर रहा है तथा स्टाफ को और अधिक व्यवहार कुशल बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण भी दे रहा है। ग्राहकोन्मुख सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एनआरआई ग्राहकों की शिकायतों के निवारण व सहायता के लिए एनआरआई हेल्पलाइन कार्यरत है।

मुझे विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और विदेशी मुद्रा व्यापार की समग्र जानकारी से भरपूर पीएनबी प्रतिभा का यह "अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विशेषांक" आपको रुचिकर लगेगा। आपके बहुमूल्य विचारों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं सहित

देवार्चन साहू

(महाप्रबंधक –राजभाषा)

संपादकीय

प्रिय साथियो,

पीएनबी प्रतिभा के नवीन अंक **"अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विशेषांक"** के माध्यम से आपसे एक बार पुन: संवाद करते हुए मुझे आत्मीयता की अनुभूति हो रही है। वैश्वीकरण और विश्व की विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं ने अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सुविधाओं के विकास के द्वार खोले हैं। भौगोलिक सीमाओं से परे विश्व एक बाजार के रूप में बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं व्यापारियों को पंख पसारने के असीमित अवसर प्रदान कर रहा है। उन्नत टेक्नॉलोजी की सहायता से अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग द्वारा आयात और निर्यात तथा विदेशी कारोबार के लिए सुगम, बाधा रहित एवं उन्नत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। इस बात का महत्व समझते हुए कि अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग न केवल हमारे बैंक बल्कि देश की उन्नति के संपूर्ण मार्ग को भी प्रशस्त करती है, हमने पीएनबी प्रतिभा के इस नवीन अंक को "अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग" विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने का निर्णय लिया है।

आज हमारा बैंक 24x7 आधार पर अपने ग्राहकों को उन्नत और नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी बेहतर बैंकिंग सेवाएँ प्रदान कर रहा है। हमारा बैंक अपने घरेलू और विदेशी ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक सुविधाएं जैसे ट्रेड फाइनेंस रिडिफाइंड पोर्टल, फोरेक्स (एफएक्स)-रिटेल पोर्टल, ऑनलाइन ऋण आवेदन पोर्टल के माध्यम से प्रदान कर रहा है। इसके अलावा बैंक ग्राहकों को ऑनलाइन माध्यम से विदेशी मुद्रा लेन-देन एडवाइस, आवक प्रेषण की सूचना प्रदान कर रहा है। नेट बैंकिंग के माध्यम से विदेशी जावक विप्रेषण (एलआरएस के अंतर्गत) की सूचना अब ग्राहकों के लिए एक क्लिक की दूरी पर है।

बैंक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं जैसे वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड (विश्व यात्रा कार्ड), एनआरई, एफसीएनआर और एनआरओ जमाओं के माध्यम से अनिवासी/ प्रवासी भारतीयों के लिए भारतीय तथा विदेशी मुद्रा में लेन-देन करना सुलभ हो गया है। समय के साथ बैंकिंग कारोबार और उसके तरीकों में बड़ा बदलाव आया है जोकि समय की माँग है। ग्राहकों की संतुष्टि को सर्वोपरि मानते हुए बैंक ग्राहकों को नवीनतम सुविधाओं से लैस बैंकिंग उत्पाद प्रदान कर रहा है ताकि हमारे बहुमूल्य ग्राहकों के समय और पैसे का सदुपयोग हो सके और उनका भरोसा हम पर सदैव बना रहे।

इस **"अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग विशेषांक"** में आपको अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं और उससे संबंधित उत्पादों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया है। बैंक द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के आयोजन तथा बैंक को प्राप्त पुरस्कारों का सचित्र विवरण इस अंक में दिया गया है। पत्रिका के इस अंक में कॉरपोरेट गतिविधियाँ, उच्चाधिकारियों के दौरे, राजभाषा गतिविधियाँ आदि को भी शामिल किया गया है। साथ ही पत्रिका में प्रसिद्ध स्थलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियों सहित बैंकिंग लेख, पुस्तक समीक्षा, कविता, कहानी, व्यंग्य के माध्यम से पत्रिका को रुचिकर, ज्ञानप्रद एवं उपयोगी बनाने का प्रयास भी किया गया है ताकि यह सभी पाठकों को आत्मीय आनंद प्रदान कर सके।

आशा है कि पत्रिका का यह अंक आप सभी को अवश्य पसंद आएगा। पत्रिका के पिछले अंक "राजभाषा विशेषांक" हेतु आपसे प्राप्त हुई बहुमूल्य प्रतिक्रियाओं तथा सुझावों के लिए मैं आप सभी की हृदय से आभारी हूँ और मुझे विश्वास है कि सुधी पाठकों का मार्गदर्शन, स्नेह और प्रोत्साहन हमारी पत्रिका को आगे भी इसी प्रकार मिलता रहेगा। आपकी प्रतिक्रिया और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं सहित

मनीषा शर्मा
(सहायक महाप्रबंधक – राजभाषा)

महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा नवीकृत प्रेसिडेंट एस्टेट शाखा का उद्घाटन

राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित प्रेसिडेंट एस्टेट की पीएनबी नवीकृत शाखा का उद्घाटन भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड, डीएफएस सचिव, श्री विवेक जोशी, संयुक्त सचिव डीएफएस व पीएनबी के नामित निदेशक श्री पंकज शर्मा और पीएनबी के एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल उपस्थित थे।

राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित प्रेसिडेंट एस्टेट शाखा के उद्घाटन के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री, डॉ. भागवत किशनराव कराड, डीएफएस सचिव, श्री विवेक जोशी, संयुक्त सचिव, डीएफएस व पीएनबी के नामित निदेशक, श्री पंकज शर्मा भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित प्रेसिडेंट एस्टेट शाखा के उद्घाटन के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री, डॉ. भागवत किशनराव कराड, डीएफएस सचिव, श्री विवेक जोशी, संयुक्त सचिव, डीएफएस व पीएनबी के नामित निदेशक, श्री पंकज शर्मा तथा बैंक के एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल।

इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि, "मुझे पंजाब नैशनल बैंक की प्रेसिडेंट एस्टेट शाखा जिसका एक समृद्ध इतिहास रहा है, के पुनर्निर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मुझे आशा है कि यह शाखा लोगों की बैंकिंग आवश्यकताओं को भली-भांति पूरा करेगी। मैं इस शाखा के सफल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूँ।"

बैंक के नवनियुक्त गैर-कार्यपालक अध्यक्ष (Non-Executive Chairman) श्री के. जी. अनंतकृष्णन का हार्दिक स्वागत

बैंक के नवनियुक्त गैर-कार्यपालक अध्यक्ष, श्री के. जी. अनंतकृष्णन का अभिनंदन करते हुए एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल एवं कार्यपालक निदेशकगण:- श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार।

श्री के. जी. अनंतकृष्णन को दिनांक 07.11.2022 से पंजाब नैशनल बैंक के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के साथ-साथ गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री अनंतकृष्णन को फार्मास्युटिकल उद्योग में 40 से अधिक वर्षों का प्रगामी नेतृत्व का अनुभव है। आपको इस उद्योग के वैचारिक नेता, रणनीतिक विचारक और समस्या का लीक से हटकर समाधान करने वाले के रूप में देखा जाता है। आपको अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजारों में सफलता प्राप्त करने, राजस्व और लाभ में वृद्धि करने तथा उसे कायम रखने, उच्च प्रदर्शन करने वाली संस्था बनाने के लिए पहचाना जाता है।

आपके पास रणनीतिक योजना, साझेदारी निर्माण, राजस्व एवं लाभ अनुकूलन, कायापलट प्रबंधन, बिक्री तथा मार्केटिंग नेतृत्व, नीति विकास, ब्रांड निर्माण, वित्त, बजट और लागत प्रबंधन के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता है।

श्री अनंतकृष्णन के पास मार्केटिंग प्रबंधन में मास्टर्स डिग्री (जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई) और विज्ञान में स्नातक की डिग्री (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद) है। आपने व्हार्टन बिजनेस स्कूल, यूएसए द्वारा संचालित एक्जीक्यूटिव

Shri K. G. Ananthakrishnan has been appointed as part-time Non-Official Director as well as Non-Executive Chairman on the Board of Punjab National Bank w.e.f. 07.11.2022.

Shri Ananthakrishnan has more than 40 years of progressive leadership experience in pharmaceuticals industry. He is regarded as an industry thought leader, strategic thinker and out-of-the-box problem solver. He is recognized for creating high performance organizations, driving success, delivering and sustaining revenue and profit growth in highly competitive markets.

He has vast experience and expertise in areas of strategic planning, partnership building, revenue and profit optimization, turnaround management, sales and marketing leadership, policy development, brand building, finance, budgeting and cost management.

Shri Ananthakrishnan holds Master's degree in Marketing Management (Jamnalal Bajaj Institute of Management Studies, Mumbai) and Bachelor's degree in Science (Osmania

विकास कार्यक्रम और इनसीड (INSEAD), फ्रांस द्वारा संचालित फाइनेंस फॉर नॉन-फाइनेंस प्रोग्राम में सहभागिता की है।

आपने वर्ष 1976 में नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड (बिक्री में) के साथ अपने करियर की शुरुआत की और पूरे भारत में विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और ब्रांड मार्केटिंग कार्यों को संभाला। तदोपरांत, आप फार्माशिया इंडिया में वाइज प्रेसिडेंट – सेल्स एवं मार्केटिंग के रूप में शामिल हुए और फिर फाइजर इंडिया लिमिटेड में सीनियर डायरेक्टर – फार्मास्युटिकल के रूप में कार्य किया। इसके बाद, आपने फुलफोर्ड (इंडिया) लिमिटेड में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में कार्य किया और एमएसडी फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ फुलफोर्ड (इंडिया) लिमिटेड और ऑर्गन (इंडिया) लिमिटेड के परिचालन के सफल एकीकरण में आपका योगदान रहा है। एमएसडी के दक्षिण एशिया क्षेत्र के वाइज प्रेसिडेंट एवं एमडी, के रूप में, आपने संयुक्त संस्था का रूपांतरण करके इसे सबसे तेजी से विकास करने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी बनाना सुनिश्चित किया और छह वर्षों में राजस्व को तीन गुना कर दिया तथा कई चिकित्सीय क्षेत्रों में ब्रांड नेतृत्व स्थापित किया।

आपने भारत के फार्मास्युटिकल उत्पादक संगठन (ओपीपीआई) के महानिदेशक और (फार्मा समिति) - भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और कई महत्वपूर्ण नीतिगत पहलों के विकास में योगदान दिया।

आप वर्तमान में हेल्थकेयर टेक्नॉलोजी स्टार्ट अप में परामर्शदाता हैं। इसके अतिरिक्त, आप इंडियन एजुकेशन सोसाइटी फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट प्रोग्राम के सलाहकार पैनल के सदस्य हैं और एसेंट मेडिटेक लिमिटेड के बोर्ड के सदस्य भी हैं। आपको भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों में प्रमुख प्रबंधन संस्थानों द्वारा अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

University, Hyderabad). He has undergone Executive Development Program conducted by Wharton Business School, USA and Finance for Non-Finance Program conducted by INSEAD, France.

He commenced his career in 1976 with Novartis India Limited (in sales) and handled diverse product portfolio and brand marketing functions PAN India. Later, he joined Pharmacia India as Vice President – Sales & Marketing and transitioned to Pfizer India Ltd. as Senior Director – Pharmaceuticals. Thereafter, he joined Fulford (India) Ltd. as Chief Operating Officer and was part of successful integration of the operations of Fulford (India) Ltd. and Organon (India) Ltd. with MSD Pharmaceuticals Pvt. Ltd. As Vice President and Managing Director, South Asia Region, MSD, he ensured transformation of the combined entity to become one of the fastest growing pharmaceutical companies, tripled revenues in six years and established brand leadership in several therapeutic segments.

He served as Director General, Organization of Pharmaceutical Producers of India (OPPI) and Co-Chair (Pharma Committee) – Confederation of Indian Industry (CII), and contributed in development of several important policy initiatives.

He is presently mentoring Healthcare Technology Start Up. Further, he is an Advisory Panel member of Indian Education Society Pharmaceutical Management Program and also a member on the Board of Ascent Meditech Limited. He is invited as guest speaker by leading management institutions both in India and USA.

जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।

- थॉमस पेन

नवनियुक्त कार्यपालक निदेशक का हार्दिक स्वागत

श्री बिनोद कुमार ने 21 नवंबर, 2022 को बैंक के कार्यपालक निदेशक (Executive Director) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

श्री बिनोद कुमार, रांची विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक हैं और उन्होंने एनआईबीएम से बैंकिंग और वित्त में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है तथा वे GARP (यूएसए) से फाइनेंसियल रिस्क मैनेजर (एफआरएम) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य (सीएआईआईबी) हैं।

श्री कुमार ने वर्ष 1994 में पंजाब नैशनल बैंक से मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में अपनी बैंकिंग यात्रा की शुरूआत की उन्हें 28 से अधिक वर्षों का समृद्ध और विविधतापूर्ण बैंकिंग का अनुभव प्राप्त है, जिसमें शाखा और प्रशासनिक कार्यालय से लेकर जोखिम प्रबंधन, क्रेडिट आदि शामिल हैं। उन्होंने शाखा कार्यालय: डीआईएफसी के सीईओ के रूप में भी कार्य किया है। इससे पूर्व वे पंजाब नैशनल बैंक के प्रधान कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कॉरपोरेट क्रेडिट प्रभाग का सफल नेतृत्व कर रहे थे।

उन्होंने पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड और ISARC (इंडिया एसएमई एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड) के बोर्ड में पीएनबी की ओर से नामित निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

उन्होंने आईआईबीएफ से ट्रेजरी निवेश और जोखिम प्रबंधन, बैंकिंग और वित्त में डिप्लोमा प्राप्त किया है और आईआईएम बेंगलुरु से नेतृत्व कौशल विकास कार्यक्रम भी किया है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में पंजाब नैशनल बैंक सफलता के नए सोपान प्राप्त करेगा और बैंकिंग इंडस्ट्री में एक नई मिसाल कायम करेगा। पीएनबी प्रतिभा का संपादक मंडल आपका हार्दिक स्वागत करता है तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री एम. परमशिवम ने 1 दिसंबर, 2022 को बैंक के कार्यपालक निदेशक (Executive Director) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

श्री एम. परमशिवम कृषि में स्नातक हैं। उन्होंने अपनी बैंकिंग यात्रा की शुरुआत 1990 में केनरा बैंक में एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ऑफिसर के रूप में की और बैंक में अपने 32 वर्षों के सेवा काल के दौरान उन्होंने अत्यंत बड़ी शाखा (VLB) के शाखा प्रमुख के रूप में, विभिन्न क्षेत्रीय और मंडल कार्यालयों के क्षेत्रीय और मंडल प्रमुख के रूप में, विभिन्न क्षमताओं में अपनी सेवाएं दी हैं तथा उन्होंने केनरा बैंक के प्रधान कार्यालय में प्राथमिकता क्रेडिट विंग का नेतृत्व भी किया।

उनका शाखा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों क्रेडिट, प्राथमिकता क्षेत्र, फॉरेक्स व ट्रेड फाइनेंस, अनुपालन और अन्य में व्यापक अनुभव एवं योगदान रहा है। केनरा बैंक के प्रधान कार्यालय में प्राथमिकता क्रेडिट विंग के विंग प्रमुख के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान नाबार्ड एवं कर्नाटक राज्य सरकार के सहयोग से (FRUITS) फ्रूट्स पोर्टल की शुरुआत की गयी। ईज-3 मानदंडों के अनुसार पाँच कृषि क्रेडिट केंद्रों की शुरुआत करने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्री परमशिवम ने बैंक बोर्ड ब्यूरो और भारतीय बैंक संघ द्वारा आयोजित नेतृत्व विकास रणनीति कार्यक्रम भी किया है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में पंजाब नैशनल बैंक सफलता के नए सोपान प्राप्त करेगा और बैंकिंग इंडस्ट्री में एक नई मिसाल कायम करेगा। पीएनबी प्रतिभा का संपादक मंडल आपका हार्दिक स्वागत करता है तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

बैंक की चार डिजिटल बैंकिंग इकाइयों का शुभारंभ

डिजिटल बैंकिंग का लाभ देश के क्षेत्र भाग में पहुँचना सुनिश्चित करने के लिए, पंजाब नैशनल बैंक ने झांसी (उत्तर प्रदेश) बोंगईगाँव (असम), गोमती (त्रिपुरा), आईजोल (मिजोरम) जिले में चार डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) का शुभारंभ किया। कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे ने बोंगईगाँव (असम) में माननीय कैबिनेट मंत्री, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग तथा आयुष श्री सर्बानंद सोनोवाल एवं बोंगईगाँव के माननीय विधायक श्री फणी भूषण चौधरी की उपस्थिति में तथा श्री कल्याण कुमार ने झांसी (उत्तर प्रदेश) में माननीय केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय और अधिकारिता डॉ. वीरेंद्र कुमार की उपस्थिति में, महाप्रबंधक श्री सुनील अग्रवाल एवं मंडल प्रमुख अगरतला, श्री आनंद कुमार ने गोमती (त्रिपुरा) में, माननीय कृषि और किसान कल्याण, परिवहन और पर्यटन मंत्री, त्रिपुरा श्री प्रणजीत सिंघा रॉय और आईजोल (मिजोरम) के माननीय सांसद श्री सी. लालरोसंगा और पीएनबी के महाप्रबंधक श्री शिव शंकर सिंह ने पीएनबी इम्फाल मंडल प्रमुख, श्री मनीष देब बर्मा के साथ आइजोल में पीएनबी डिजिटल बैंकिंग यूनिट का उद्घाटन किया।

बोंगईगाँव में कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार, श्री सर्बानंद सोनोवाल एवं कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे एवं अंचल प्रबंधक, श्री बिक्रमजित सोम।

झांसी में माननीय केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय और अधिकारिता डॉ. वीरेंद्र कुमार के साथ कार्यपालक निदेशक श्री कल्याण कुमार एवं अंचल प्रबंधक, आगरा, श्री गणपत लाल एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

गोमती (त्रिपुरा) में कृषि और किसान कल्याण, परिवहन और पर्यटन मंत्री, त्रिपुरा, श्री प्रणजीत सिंघा रॉय के साथ महाप्रबंधक, श्री सुनील अग्रवाल एवं मंडल प्रमुख, अगरतला, श्री आनंद कुमार।

आईजोल (मिजोरम) में सांसद श्री सी. लालरोसंगा के साथ महाप्रबंधक, श्री शिव शंकर सिंह एवं इम्फाल, मंडल प्रमुख, श्री मनीष देब बर्मा।

"नियो बैंकिंग"

दीपक कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक (सू प्रौ)
मंडल कार्यालय, कोटा

प्रस्तावना :

नियो बैंक का शाब्दिक अर्थ है – "नवीन बैंक"। जोकि ग्रीक शब्द "नियोस" से बना है। बैंकिंग की दुनिया में नियो बैंक की अवधारणा सबसे नई चीज है। पिछले कुछ वर्षों में, बहुत से उपयोगकर्ताओं ने बैंकिंग के इस नए तकनीक-संचालित और अभिनव मोड को चुना है जो कुछ अलग, कुछ और आसान तरीके से संभालने की पेशकश करता है। भारत में नियो बैंक अभी भी अपने शुरुआती चरण में हैं। डिजिटलीकरण के लाभों पर बढ़ते जोर के साथ, नियो बैंक निश्चित रूप से भविष्य की ओर एक बड़ी छलांग हैं, जो वित्तीय सेवाओं को वितरित करने और उपयोग करने के लिए एक दृष्टिकोण को दर्शाता है जो तेज, लागत प्रभावी और अत्यधिक सुलभ है।

कोरोना महामारी के चलते लोगों के बैंकिंग के तरीकों में बदलाव आया है। लोग लेन-देन के लिए डिजिटल बैंकिंग का सहारा ले रहे हैं। इस बदलाव ने फिनटेक स्टार्टअप्स को बड़ा मौका दे दिया है। वे ग्राहकों को लेन-देन के साथ नियो बैंकिंग की सुविधा मुहैया करा रहे हैं। नियो बैंकिंग के तहत स्टार्टअप्स व्यक्तिगत बैंकिंग समाधान उपलब्ध करा रहे हैं। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये ग्राहकों के खर्च का विश्लेषण करके रिपोर्ट तैयार करते हैं। इसके बाद वह ग्राहकों को समझदारी से खर्च और बचत करने की सलाह देते हैं। इतना ही नहीं, भविष्य में वित्तीय गलतियों को सुधारने के सुझाव भी मुहैया कराते हैं।

जिस प्रकार जोमेटो, स्विगी/स्वैगी भोजन प्राप्ति हेतु ऐप हैं जो उपयोगकर्ता और रेस्टोरेंट के मध्य इंटरफेस का कार्य करती है, ओला और उबर जैसी कंपनियाँ यात्री और वाहन चालक के बीच में इंटरफेस का कार्य करती हैं उसी प्रकार नियो बैंकिंग परंपरागत बैंक और ग्राहकों के बीच इंटरफेस का कार्य करती है ।

नियो बैंक:

नियो - बैंक केवल - ऑनलाइन वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियाँ हैं जो पूरी तरह से डिजिटल रूप से या मोबाइल ऐप के माध्यम से संचालित होती हैं। सीधे शब्दों में यदि कहें तो, नियो-बैंक बिना किसी भौतिक शाखा के डिजिटल बैंक हैं, जिसकी कोई शाखा नहीं है। किसी विशिष्ट स्थान पर भौतिक रूप से उपस्थित होने के बजाय, नियो बैंकिंग पूरी तरह से ऑनलाइन है।

नियो बैंक वित्तीय संस्थान हैं जो ग्राहकों को पारंपरिक बैंकों का एक सस्ता विकल्प देते हैं।

वे परिचालन लागत को कम करते हुए ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करने के लिये प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाते हैं।

नियो बैंक ने 'चैलेंजर बैंक' या "ओपन बैंकिंग" के टैग के साथ वित्तीय प्रणाली में प्रवेश किया क्योंकि उन्होंने पारंपरिक बैंकों के जटिल बुनियादी ढाँचे और 'क्लाइंट ऑनबोर्डिंग' प्रक्रिया को चुनौती दी थी।

भारत में इन फर्मों के पास स्वयं का कोई बैंक लाइसेंस नहीं है, ये लाइसेंस प्राप्त सेवाएँ प्रदान करने के लिये बैंक भागीदारों पर निर्भर हैं, ऐसा इसलिये है क्योंकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने अभी तक बैंकों को 100% डिजिटल करने की अनुमति नहीं दी है।

रेजरपे, जुपिटर, नियो, ओपन आदि भारत के शीर्ष नियो बैंक के उदाहरण हैं।

नियो बैंक का उद्देश्य :

इसका उद्देश्य एक ऐसा बैंकिंग वातावरण तैयार करना है जो लोगों को साधारण क्लिक के भीतर कई लेन-देन को संसाधित करने में सक्षम बनाता है, जिससे लागत की बचत होती है। नियो बैंक आपको बचत और चेकिंग खाते, ऑनलाइन भुगतान, धन हस्तांतरण सेवाएं, बजट और शैक्षिक उपकरण प्रदान करता है। क्रेडिट सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ ही बैंक क्रेडिट की पेशकश करते हैं। ये बैंक आपके पैसे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय सुरक्षा सुविधाएं प्रदान करते हैं। नियो बैंक के पास स्वच्छ, स्मार्ट और सहज मोबाइल ऐप हैं। वे एक ही केंद्रीकृत प्रणाली पर प्रदर्शित सभी भुगतान और बैंकिंग विकल्पों को पेश करते हैं। ऐप में ऐसी हर सुविधा है जो जटिल बैंकिंग गतिविधियों को सुव्यवस्थित करती है। बचत खाता खोलने से लेकर लेन-देन करने तक, यह ऐप आपको किसी भी ऑनलाइन गतिविधि को आसानी से निष्पादित करने की अनुमति देता है।

नियो बैंकिंग की भारत में शुरुआत:

भारत का पहला नियो बैंक फिनो पेमेंट्स था। यह 2006 में लॉन्च हुआ था। इसके बाद दूसरे नंबर पर पेटीएम पेमेंट बैंक लॉन्च हुआ। इन दोनों बैंकों के लॉन्च होने के बाद से ही भारत में नियो बैंक का प्रचलन बढ़ने लगा और इनकी संख्या भी बढ़ने लगी। वर्तमान में भारत में 27 नियो बैंक काम कर रहे हैं, जिनमें रेजरपे, एसबीआई योनो, कोटक 811, डिजिबैंक, हायलो, आईपीपीवी जिओ पेमेंट बैंक, ओपन एयरटेल पेमेंट बैंक, फिनिन, जुपिटर प्रमुख नियो बैंक हैं। 2021 के फाइनेंशियल ईयर में नियो बैंकों का रेवेन्यू 100 मिलियन डॉलर था। भारत में इस समय के प्रचलित नियो बैंक और उनके स्थापना वर्ष निम्नानुसार है :

रेज़रपे	2013
इन्स्टापे	2013
ओकेरनेओ	2015
नियो	2016
कोटक 811	2016
फिनिन	2019
जुपिटर	2019
नॉर्थलूप	2019
डीजी बैंक	2019
जीकजुकी	2020

इंटरनेट की सुलभता के कारण नियो बैंकिंग के प्रसार में बड़ी तेजी से विस्तार हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में लगभग 29.8 मिलियन लोग नियो बैंकिंग का उपयोग कर रहे हैं जो कि 2024 तक 47.8 मिलियन (जनसंख्या का 17.9%) होने की संभावना है।

नियो बैंक कैसे काम करता है :

नियो बैंक के पास अपना कोई बैंकिंग लाइसेंस नहीं होता, इसलिए नियो बैंक किसी कमर्शियल बैंक से जुड़कर ही काम कर पाता है और उसी बैंक के माध्यम से उसका लेन-देन होता है। यह बैंक कस्टमर को जरूरत के अनुसार सर्विस देने के लिए हाई टेक्नॉलोजी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है। नियो बैंक दरअसल एक फिनटेक फर्म है। यहाँ डिजिटलाईज मनी ट्रांसफर और लोन की सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध होती है और कमर्शियल बैंकों की तुलना में इनकी फीस बहुत कम होती है। प्रत्येक कमर्शियल बैंक नियो बैंक के साथ लेन-देन के लिए एक प्रतिशत शुल्क लेता है। एसबीआई, एचडीएफसी, पीएनबी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, आरबीएल बैंक, यस बैंक, जैसे बड़े बैंक भी नियो बैंक के साथ मिलकर ऑनलाइन बैंकिंग की सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

नियो बैंक के विभिन्न ऑपरेटिंग मॉडल:

गैर-लाइसेंस प्राप्त फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) फर्में, पारंपरिक बैंकों के साथ मिलकर एक मोबाइल/वेब प्लेटफॉर्म और अपने सहयोगी बैंकों के उत्पादों के चारों ओर एक आवरण बनाए रखती हैं।

पारंपरिक बैंक जो डिजिटल पहल कर रहे हैं।

लाइसेंस प्राप्त नियो बैंक (आमतौर पर उन देशों में डिजिटल बैंकिंग लाइसेंस के साथ जो इसे अनुमति देते हैं)।

नियो बैंकिंग के लाभ :

कम लागत: कम नियम और क्रेडिट जोखिम की अनुपस्थिति नियो बैंक को अपनी लागत कम रखने की अनुमति देते हैं। बिना मासिक रख-रखाव शुल्क के उत्पाद आमतौर पर सस्ते होते हैं।

सुविधा: ये बैंक ग्राहकों को एक ऐप के माध्यम से अधिकांश बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।

गति: नियो बैंक ग्राहकों को त्वरित खाता खोलने और अनुरोधों को तेजी से संसाधित करने की अनुमति देता है। वे ऋण की पेशकश करते हैं, ऋण के मूल्यांकन के लिये नवीन

रणनीतियों में अधिक समय लेने वाली आवेदन प्रक्रियाओं को सीमित करते हैं।

पारदर्शिता: नियो बैंक पारदर्शी हैं तथा ग्राहकों पर लगाए गए किसी शुल्क और दंड की रीयल-टाइम सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

गहरी अंतर्दृष्टि: अधिकांश नियो बैंक अत्यधिक उन्नत इंटरफेस के साथ डैशबोर्ड समाधान प्रदान करते हैं और भुगतान, भुगतान योग्य और प्राप्य, बैंक स्टेटमेंट जैसी सेवाओं को अधिक सुलभ तरीके से प्रदान करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग का समर्थन : आपको पारंपरिक बैंकों में अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के लिए अपने डेबिट/क्रेडिट कार्ड को अपग्रेड करना होगा, लेकिन नियो बैंक लोगों को कुछ भी अपडेट किए बिना बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय लेन-देन को संसाधित करने में सक्षम बनाता है।

नियो बैंक के समक्ष चुनौतियाँ:

बाजार के एक खंड की जरूरतों को पूरा करना: उनकी सफलता की कुँजी बाजार के एक खंड की जरूरतों को पूरा करने और सही तकनीक, व्यापार रणनीति और कार्य संस्कृति को अपनाने में निहित है।

नियामक बाधाएं: चूँकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने अभी तक नियो बैंक को मान्यता नहीं दी है, इसलिये आधिकारिक तौर पर ग्राहकों के पास कोई कानूनी सहायता या किसी समस्या के मामले में परिभाषित प्रक्रिया नहीं हो सकती है।

अवैयक्तिक: चूँकि नियो बैंक्स की भौतिक शाखा नहीं होती है, इसलिये ग्राहकों की व्यक्तिगत सहायता तक पहुँच नहीं होती है।

सीमित सेवाएं: नियो बैंक्स आमतौर पर पारंपरिक बैंकों की तुलना में कम सेवाएं प्रदान करते हैं।

साइबर क्राइम के कठोर नियम न होना: आज भी जब भारत जैसे विकासशील देश में इतने साइबर क्राइम होने के बावजूद किसी कठोर कानून का न होना नियो बैंकिंग के सफल होने पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।

नियो बैंक बाजार रणनीतियाँ :

नियो-बैंक लक्षित ग्राहक आधारित दृष्टिकोण पर चलते हैं जो मुख्य पारंपरिक बैंक नहीं करते हैं। एसएमई , तकनीक की समझ रखने वाले लोग और कम वेतन वाले वर्ग उनके लक्ष्य हैं। उन्होंने नि:शुल्क या शुल्क कम कर दिया है ताकि ग्राहकों को अच्छी तरह से और तेजी से बनाए रखा जा सके।

नियो - बैंक उपयोगकर्ताओं को अनुकूलित सेवाएं प्रदान करने के लिए क्लाउड, एआई और डेटा माइनिंग की तकनीकों का उपयोग करते हैं।

नियो बैंकों की ग्राहक सेवा डिजिटल चैटिंग पर आधारित हैं।

उदाहरण के लिए चैटबॉट और अन्य ऐसे समर्थन स्वचालित ऑनलाइन सहायता प्रदान करते हैं, जबकि पारंपरिक बैंक टेलीफोनिक या ईमेल सेवाओं का उपयोग करते हैं या ग्राहकों के साथ आमने-सामने संपर्क करते हैं।

नियो बैंक बनाम पारंपरिक बैंक

नियो-बैंक ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाओं की एक श्रृंखला की पेशकश करने के लिए प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का लाभ उठाकर पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली को बाधित कर रहे हैं।

दूसरी ओर, पारंपरिक बैंक एक ओमनी-चैनल दृष्टिकोण का पालन करते हैं यानि भौतिक (शाखाओं और एटीएम के माध्यम से) और डिजिटल बैंकिंग उपस्थिति दोनों, उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने के लिए।

ग्राहक अधिग्रहण से लेकर प्रेषण, धन हस्तांतरण, उपयोगिता भुगतान और व्यक्तिगत वित्त जैसी पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक, नियो-बैंक खुदरा और छोटे से मध्यम उद्यम (एसएमई) श्रेणियों में ग्राहकों को विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करते हैं ।

मूल रूप से, नियो-बैंक एक विशेष बैंकिंग क्षेत्र के लिए माँग आधारित दृष्टिकोण लागू करते हैं और अपने उत्पादों और सेवाओं को इस तरह से तैयार करते हैं जिससे अंतिम उपभोक्ताओं के लिए बैंकिंग को सरल और सुविधाजनक बनाया जा सके।

पारंपरिक बैंकों द्वारा कम सेवा: नियो बैंक खुदरा ग्राहकों, छोटे और मध्यम व्यवसायों की आवश्यकता को पूरा करता है, आमतौर पर ये कार्य पारंपरिक बैंकों द्वारा कम किये जाते हैं। वे अभिनव उत्पादों को पेश कर और बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करके खुद को अलग करने के लिये मोबाइल-फर्स्ट मॉडल का लाभ उठाते हैं।

जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन है - बैंक ट्रस्ट, मनी मैनेजमेंट, कोर बैंकिंग प्रक्रियाओं, रिटेल फ्रेंचाइजी, जोखिम/अनुपालन और डेटा सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि नियो बैंक

एक अनुभव परत, गैर-बैंकिंग उत्पाद, कार्यक्षम अंतर्दृष्टि, डिजिटल सेवाएं और मार्केटिंग जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके अलावा, नियो बैंकों में विभिन्न बैंकिंग चैनलों के साथ एक से अधिक पार्टनरशिप हो सकती है और इसके विपरीत बैंकों ने अपनी हाल ही की रिपोर्टों में नियो बैंकों के विकास को स्वीकार कर लिया है क्योंकि वे अपने प्रोडक्ट, योग्यता और समस्त कस्टमर अनुभव को समझते हैं।

डिजिटल बैंक और नियो बैंक में अंतर:

डिजिटल बैंक और नियो बैंक एक समान बिल्कुल नहीं हैं, भले ही वे प्रथम दृष्टया डिजिटल ऑपरेटिंग मॉडल पर जोर देने पर आधारित प्रतीत होते हैं। जबकि कभी-कभी इन शब्दों का परस्पर उपयोग किया जाता है, डिजिटल बैंक अक्सर बैंकिंग क्षेत्र में स्थापित और विनियमित विंडो आधारित ऑनलाइन कंपनी है, दूसरी ओर एक नियो बैंक, बिना किसी भौतिक शाखा के स्वतंत्र रूप से या पारंपरिक साझेदारी में पूरी तरह से ऑनलाइन रूप में मौजूद होता है।

दुनिया का सबसे बड़ा नियो बैंक :

अपने मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या के अनुसार एसबीआई योनो वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा नियो बैंक बन चुका है। एनालिटिकल कंपनी ऐप एनी के अनुसार, 2021 में एसबीआई के मंथली एक्टिव यूजर्स (MAUs) की संख्या में 5.4 करोड़ यानि कि 35% की बढ़त हुई थी। वहीं एसबीआई योनो के बाद ब्राजील का न्यू बैंक(Nu bank)दूसरे नंबर पर था। इसके मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 3 करोड़ 86 लाख थी। एसबीआई योनो का बाजार मूल्यांकन 40 अरब डॉलर है।

नियो बैंक का ग्राहक आधार :

नियो बैंक के ज्यादातर कस्टमर युवा वर्ग के हैं और इनका कस्टमर बेस तेजी से बढ़ रहा है। नियो बैंक के 70% ग्राहक 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारत में 27 नियो बैंक प्रतिदिन 5 करोड़ ग्राहकों को सेवाएं देते हैं। युवाओं में नियो बैंक की लोकप्रियता का मुख्य कारण इनका डिजिटल होना है। बैंक अकाउंट खोलने में किसी भी तरह के पेपर डॉक्यूमेंट्स नहीं देने होते, कोई पेपर वर्क नहीं होता। किसी भी समय और स्थान से अकाउंट खोला जा सकता है और मिनटों में ही लेन-देन की प्रक्रिया की जा सकती है।

नियो बैंक की ग्लोबल मार्केटिंग वैल्यू :

मार्केट रिसर्च के अनुसार पूरी दुनिया में नियो बैंक की कीमत 2018 में 18.6 बिलियन डॉलर थी। 2019 से 2026 तक नियो बैंक का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 47.1% तक बढ़ सकती है। इसकी वजह से 2026 तक नियो बैंक की कीमत 400 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।

सुरक्षा विशेषताएँ :

नियो बैंक्स ने बायोमेट्रिक सत्यापन सहित नवीनतम सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए हैं, दो फैक्टर प्रमाणीकरण और आरबीएसी। इस एन्क्रिप्शन तकनीक का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि उपयोगकर्ता सुरक्षित रूप से ऑनलाइन बैंकिंग संचालन का आनंद लें। बैंक नवीनतम गोपनीयता और धन-शोधन रोधी कानूनों का अनुपालन करता है।

निष्कर्ष :

नियो बैंकिंग वित्तीय समावेशन की चुनौतियों को हल करने और अन्य वित्तीय सेवाओं के साथ बैंकिंग सेवाओं को जोड़ने के लिये किये गए उपायों के विस्तार हेतु कार्य कर सकती है, उदाहरण के लिये अप्रवासियों के लिये बैंक खाते खोलने जैसी सेवाएं, पहचान के पारंपरिक दस्तावेजीकरण पर आधारित नई ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से सुविधा प्रदान करना। शुरुआत में छोटे लक्ष्यों के साथ समय पर और अधिक कार्यक्षमताओं एवं सेवाओं को जोड़कर नियो बैंक का विस्तार हो सकता है।

हालाँकि डिजिटल और नियो बैंक गति पकड़ रहे हैं, लेकिन अधिकांश ने अभी तक निरंतर लाभप्रदता की स्थिति नहीं प्रदर्शित की है। इसके बावजूद उनके द्वारा बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न करने की काफी संभावनाएं हैं पारंपरिक बैंकों को और अधिक लाभदायक संस्था में परिवर्तित होने तथा आधुनिक समय की तकनीक में निवेश कर ग्राहकों को सहज और तीव्र ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु पुन: तकनीकी प्रक्रियाओं को अपनाना होगा।

प्रसन्नता का सबसे सरल उपाय, ना किसी से अपेक्षा, ना किसी की उपेक्षा

संसदीय समिति के दौरे

कोलकाता अंचल में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधित संसदीय स्थायी समिति के कोलकाता अध्ययन दौरे के दौरान बैंक की ओर से सहभागिता करते हुए कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे, अंचल प्रबंधक, कोलकाता, श्री सुमन्त महान्ती, महाप्रबंधकगण श्री शिव शंकर सिह, श्री सुधांशु शेखर दास।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा अंचल कार्यालय, भोपाल का निरीक्षण दिनांक 18 जनवरी 2023 को किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, संयोजक - डॉ. मनोज राजोरिया समेत माननीय संसद सदस्यगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रधान कार्यालय से श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक- राजभाषा, विभागीय प्रमुख श्रीमती मनीषा शर्मा की उपस्थिति रही। अंचल कार्यालय, भोपाल की ओर से अंचल प्रबंधक, श्री शैलेन्द्र सिंह बोरा, श्री अजय कुमार, सहायक महाप्रबंधक, श्री नीरज शर्मा, राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भोपाल, अंचल कार्यालय की पत्रिका 'पीएनबी अवंतिका' का विमोचन किया गया।

कॉरपोरेट गतिविधियाँ

अंचल प्रबंधक सम्मेलन

प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अंचल प्रबंधक सम्मेलन में संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल। मंच पर दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार।

पंजाब केसरी, लाला लाजपत राय जी की पुण्यतिथि

बैंक के संस्थापक पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनको माल्यार्पण के पश्चात प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुनील सोनी।

कॉरपोरेट गतिविधियाँ

संविधान दिवस

संविधान दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय में भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, मुख्य सर्तकता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी एवं उच्चाधिकारीगण।

सीएसी तथा जीबीवी प्रमुखों का सम्मेलन

प्रधान कार्यालय, द्वारका में सीएसी तथा जीबीवी प्रमुखों को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे। मंचासीन हैं प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार एवं श्री कल्याण कुमार।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग गतिविधियाँ

एम्स्टर्डम में आयोजित स्विफ्ट अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग परिचालन (SIBOS) सेमीनार के दौरान प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, मुख्य महाप्रबंधक, श्री राजेन्द्र कुमार साबू, महाप्रबंधक, आईबीडी, श्रीमती विभा एरन, महाप्रबंधक, मिशन परिवर्तन प्रभाग, श्री मनीष अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार गुप्ता एवं मुख्य प्रबंधक, स्विफ्ट सेंटर, श्री रजनीश कांवत।

पीएनबी ने किया एफईडीएआई (FEDAI) के दिल्ली/एनसीआर खंड की वार्षिक आम बैठक का आयोजन

पंजाब नैशनल बैंक (PNB) ने फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FEDAI) की वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया। दिल्ली/एनसीआर खंड की यह बैठक पीएनबी के प्रधान कार्यालय, द्वारका में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनीता पटनायक, महाप्रबंधक, विदेशी मुद्रा विभाग, आरबीआई ने अपने विचार व्यक्त किए। श्री अश्विनी सिंधवानी, चीफ एक्जीक्यूटिव, एफईडीएआई, मुंबई, श्रीमती विभा एरन, महाप्रबंधक, आईबीडी सहित श्रीमती एम. स्वराज्य लक्ष्मी, महाप्रबंधक, आईबीडी, पीएनबी एवं एफईडीएआई के अन्य सदस्यगण भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य वर्तमान में विदेशी विनिमय बाजार में हो रहे कुछ घटनाक्रमों के मुख्य बिंदुओं से सदस्यगणों को अवगत कराना और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के निर्देशों पर मार्गदर्शन देना था।

"अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में फॉरफेटिंग"

विद्याभूषण मल्होत्रा
अधिकारी (सेवानिवृत्त)
मंडल कार्यालय, जयपुर

आज के उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण के इस दौर में जहाँ भारतीय अर्थव्यवस्था ने पंख फैलाकर तेजी से उड़ान भरी है, उसमें अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग का विशेष महत्व है। अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के अंतर्गत व्यापारिक विनिमय में कई घटक हैं, जिनमें एक महत्वपूर्ण घटक है – फॉरफेटिंग। वास्तव में फॉरफेटिंग निर्यात वित्त पोषण का एक रूप है जिसमें निर्यातक, व्यापार प्राप्तियों का दावा फॉरफेटर को बेचकर, तत्काल नकद भुगतान प्राप्त करता है। फॉरफेटिंग में उन खातों में प्राप्तियों का सौदा होता है जिनकी परिपक्वता अवधि मध्यम से लम्बी अवधि तक होती है। वर्तमान में यह कम या छोटी अवधि की भी हो सकती है।

फॉरफेटिंग क्या है?

फॉरफेटिंग व्यापार वित्त पोषण की वह प्रक्रिया है जिसमें निर्यातक अपनी विदेशी प्राप्तियों को मध्यम या लंबी अवधि के लिए छूट पर एक कॉरपोरेट को बेचते हैं। बाद में फॉरफेटर को एक अनुबंधित भुगतान तिथि पर आयातक से देय राशि मिलती है। फॉरफेटिंग लेन-देन गैर-सहारा (नॉन-रिकॉर्स) आधार पर होती है। जिसका अर्थ है आयातक द्वारा चूक के मामले में फॉरफेटिंग करने वाले को निर्यातक से भुगतान वसूलने का कोई अधिकार नहीं रहता है।

फॉरफेटर क्या है?

फॉरफेटर एक ऐसी पार्टी है जो फॉरफेटिंग करने वाले लेन-देन की सुविधा प्रदान करती है फॉरफेटिंग पार्टी/पक्षकार एक व्यक्ति हो सकता है या कोई कंपनी। वह निर्यातक से जुड़ता है और आयातक के भुगतान दायित्वों को बेचता है, रखता है या गारंटी देता है। यह भी कहा जा सकता है कि फॉरफेटिंग पार्टी आयात-निर्यात लेन-देन के लिए तीसरे पक्ष के रूप में कार्य करती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के जोखिमों को कम करने के लिए फॉरफेटिंग करने वाले को मार्जिन के साथ मुआवजा भी दिया जाता है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार लेन-देन की सुविधा के लिए फॉरफेटर के रूप में कार्य करते हैं।

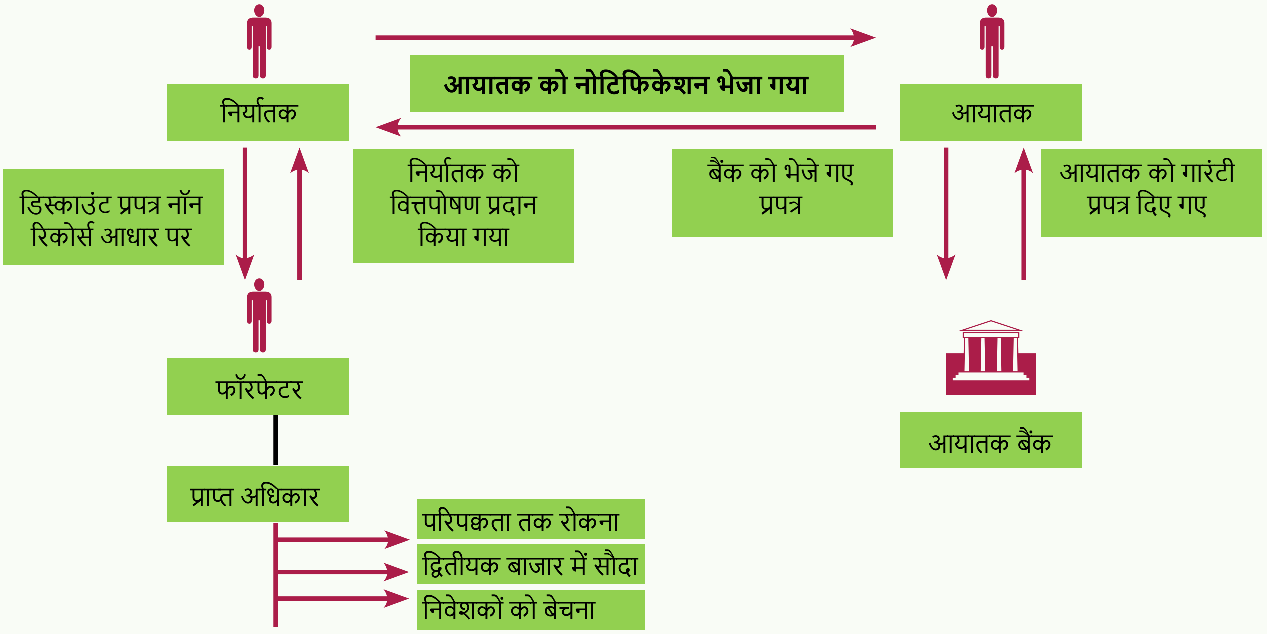

फॉरफेटिंग प्रक्रिया को उक्त रेखाचित्र द्वारा भी सरल रूप में समझाया जा सकता है-

फॉरफेटिंग के लक्षण:

फॉरफेटिंग के लिए निम्न लक्षण आवश्यक हैं-

- वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति के लिए एक समझौता।
- सामान्यत: एक फॉरफेटिंग लेन-देन के लिए यूएस $ 2,50,000 देय राशि की आवश्यकता रहती है।
- आयातक के लिए क्रेडिट शर्तें 6 माह से लेकर 7 साल तक हो सकती हैं।
- इसे किसी भी प्रमुख परिवर्तनीय मुद्रा जैसे यूएसडी, सीएडी या यूरो आदि में प्राप्त किया जा सकता है।
- लेन-देन की सुविधा के लिए बैंक आयातकों को एलसी या गारंटी जारी करते हैं।

फॉरफेटिंग के लिए आवश्यक दस्तावेज:

फॉरफेटिंग के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता रहती है-

- गारंटी पत्र।
- बिक्री समझौते या भुगतान अनुसूची की एक प्रति।
- हस्ताक्षर की हुई वाणिज्यिक चालान की एक प्रति।
- गारंटर को असाइनमेंट व अधिसूचना का एक पत्र।
- शिपिंग दस्तावेजों की एक प्रति जैसे – रसीदें, रेलवे बिल, एयरवे बिल व बिल ऑफ लैडिंग आदि।

फॉरफेटिंग की विशेषताएं :

फॉरफेटिंग लेन-देन में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:-

- फॉरफेटिंग लेन-देन हमेशा छूट पर आधारित होता है और नॉन-रिकोर्स (NON-RECOURSE) आधार पर होता है।
- इसमें वित्तपोषण या तो निश्चित ब्याज दर पर होता है या परिवर्तनीय(फ्लोटिंग) ब्याज दर पर।
- इसमें स्थानीय बैंक की गारंटी हमेशा आयातक के भुगतान दायित्व का समर्थन करती है। भुगतान की प्राप्ति प्राय: एक्सचेंज बिल, वचन पत्र या एलसी (LC) द्वारा प्रमाणित होती है।
- फॉरफेटिंग प्राय: उच्च मूल्य वाले निर्यात को बढ़ावा देने के लिए होती है। जिसमें विनिर्माण के लिए पूंजीगत सामान, उपभोक्ताओं के लिए उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, परिवहन के लिए वाहन तथा निर्यात के लिए निर्माण अनुबंध भी शामिल होता है।
- निर्यातक माल बेचने के तुरंत बाद और आवश्यक दस्तावेज जमा करने पर ही नकद प्राप्त करता है।

फॉरफेटिंग प्रक्रिया संपन्न होने के विभिन्न आयाम:

फॉरफेटिंग प्रक्रिया नीचे दिए गए विभिन्न आयामों में संपन्न होती है, जिसे आसानी से समझा जा सकता है।

1. एक बार निर्यात का चयन हो जाने के पश्चात फॉरफेटिंग समझौता किया जाता है।
2. इसमें दो पक्षों अर्थात् आयातक और निर्यातक के बीच समझौता होता है।
3. आयातक व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए अपने स्थानीय बैंक से गारंटी लेता है।
4. निर्यातक माल की शिपमेंट करता है।
5. निर्यातक आवश्यक दस्तावेजों को फॉरफेटर को जमा करता है।
6. फॉरफेटर निर्यातक को समझौते में तय की गई राशि का भुगतान करता है। इससे वह शिपमेंट दस्तावेजों पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।
7. परिपक्वता पर फॉरफेटर आयातक के बैंक को दस्तावेज प्रस्तुत करता है।
8. आयातक का बैंक आयातक से भुगतान एकत्र करता है।
9. आयातक के बैंक द्वारा प्राप्त भुगतानों को फॉरफेटर को भेज दिया जाता है।

फॉरफेटिंग के लाभ:

फॉरफेटिंग के निम्न लाभ हैं:-

- फॉरफेटिंग निर्यातक को गैर-भुगतान जोखिम से बचाता है। वहीं दूसरी ओर निर्यातक को तत्काल नकदी प्रदान करते हुए संग्रह की लागत को समाप्त करता है।
- इसमें निर्यातक और आयातक दोनों बैंकों की भागीदारी के कारण जोखिम न्यूनतम रहता है।
- फॉरफेटिंग प्रक्रिया क्रेडिट बिक्री को नकद बिक्री में परिवर्तित करती है व लेन-देन को सरल बनाती है।
- फॉरफेटिंग पार्टी के पास कैपिटल गुड्स के विक्रेताओं की जरूरत के अनुसार उनके ऑफर को उनके अनुसार मानने का लचीलापन भी रहता है। इसका उपयोग विभिन्न अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में भी किया जा सकता है।

अंत में:

यह सर्वविदित है कि कुछ वर्ष पूर्व भारतीय उत्पादों की विदेशों में माँग बहुत कम थी। भारत को आत्मनिर्भर बनाने

तथा अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए तथा पिछले 7-8 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के लिए कई आवश्यक कदम उठाये गए जिसमें सबसे महत्वपूर्ण था 'मेक इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया'। जिस कारण भारत में बने उत्पादों की विदेशों में धूम है। जून 2022 में भारत का व्यापारिक निर्यात 16.80% बढ़कर 37.90 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। जिससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग को भी बढ़ावा मिला है। भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी, जिसमें बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

शहरों में शहर मुंबई शहर

विनय कुमार गुप्ता
सहायक महाप्रबंधक
सतर्कता प्रभाग, प्रधान कार्यालय

हर हाल में जीना सीखता है मुंबई शहर।
कुछ दिनों में ही अपनाता है मुंबई शहर।।
सुबह से रात तक जगाता है मुंबई शहर।
रिश्तों का अर्थ समझाता है मुंबई शहर।।
गैरों को अपना बनाता है मुंबई शहर।
सिर आँखों पर बैठाता है मुंबई शहर।।
भेदभाव की दीवारें गिराता है मुंबई शहर।
संघर्षों से मजबूत बनाता है मुंबई शहर।।
कभी भूखा नहीं सुलाता है मुंबई शहर।
हर त्यौहार मिलकर मनाता है मुंबई शहर।।
कलाकारों को पलकों पर बैठाता है मुंबई शहर।
मेहनत का फल जरूर दिलाता है मुंबई शहर।।
लोकल ट्रेन से हवाई सफर कराता है मुंबई शहर।
हर आँख में हजारों ख्वाब सजाता है मुंबई शहर।।
चॉल से बंगले तक पहुँचाता है मुंबई शहर।
भाईचारे का संदेश दिए जाता है मुंबई शहर।।
हुनर की कद्र करना सिखलाता है मुंबई शहर।
अमीर गरीब का फर्क मिटाता है मुंबई शहर।।
इंसानियत का पाठ पढ़ाता है मुंबई शहर।
निस्वार्थ कर्तव्य निभाना सिखाता है मुंबई शहर।।
अनुशासन में रहना बतलाता है मुंबई शहर।
सब्र की हर इंतिहाँ दिखलाता है मुंबई शहर।।
वक्त के साथ-साथ दौड़ लगाता है मुंबई शहर।
हमारी सोच को बड़ा बनाता है मुंबई शहर।।
गमों के बादल में भी उम्मीद जगाता है मुंबई शहर।
सुख-दुःख की बारिश से नहलाता है मुंबई शहर।।
औरों के गम में शामिल होना सिखाता है मुंबई शहर।
रोतों को हँसाना सिखलाता है मुंबई शहर।।
ख्वाबों से भरा मायानगरी कहलाता है मुंबई शहर।
रोज जीने के नये अंदाज सिखलाता है मुंबई शहर।।
भीड़ में तन्हाई का एहसास करवाता है मुंबई शहर।
बरसते सावन से अपनी प्यास बुझाता है मुंबई शहर।।

पीएनबी प्रतिभा का वेब संस्करण

सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रिय पाठकों की सुविधा हेतु पीएनबी प्रतिभा का ऑन-लाइन संस्करण नॉलेज सेंटर पर उपलब्ध है। पीएनबी प्रतिभा तक निम्न नेविगेशन से पहुँच सकते हैं-

पीएनबी नॉलेज सेंटर → ई-सर्कुलर → मैगजीन → पीएनबी प्रतिभा

इस पत्रिका को और अधिक बेहतर तथा उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है ।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग-लेख

नवीन दुबे
प्रबंधक, जेडआरएमसी
अंचल कार्यालय, भोपाल

बैंक एक वित्तीय संस्थान है जिसे जमा प्राप्त करने और ऋण देने के लिए लाइसेंस प्राप्त है । खुदरा, वाणिज्यिक और निवेश बैंकों सहित कई प्रकार के बैंक हैं और जब किसी बैंक की सेवाओं का विस्तार देश की सीमाओं को पार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँच जाता है, उसे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग कहते है।

जब हम अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के बारे में सोचते हैं, तो हमें तीन तथ्यों को ध्यान में रखना होता है। वे हैं सीमा पार से उधार, विदेशी दावे, भौगोलिक रूप से संपत्ति का टूटना सीमा पार ऋण देने का संबंध विदेशों में गैर-संबद्ध संस्थाओं के ऋण देने से है।

वैश्वीकरण बढ़ने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यवस्था का भी विस्तार हुआ है और इस विस्तार में भारतीय बैंकों का भी पूरा-पूरा योगदान है कई भारतीय बैंकों ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई है ।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के प्रकार (Types of International Banking):

1) संवाददाता बैंक

संवाददाता बैंकों में अलग-अलग देशों में अलग-अलग बैंकों के बीच संबंध शामिल हैं। इस प्रकार का बैंक आम तौर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उनके अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के लिए उपयोग किया जाता है। इस प्रकार के बैंक छोटे आकार में हैं और उन ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हैं जो अपने देश से बाहर हैं।

2) ऑफ शोर बैंकिंग सेंटर

यह एक प्रकार का बैंकिंग क्षेत्र है जो विदेशी खातों की अनुमति देता है। ऑफशोर बैंकिंग उस विशेष देश के बैंकिंग विनियमन से मुक्त है। यह सभी प्रकार के उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करता है।

3) सहायक बैंक

सहायक बैंक वे बैंक हैं जो एक ऐसे देश में शामिल होते हैं जो किसी अन्य देश में आंशिक रूप से या पूरी तरह से मूल बैंक द्वारा स्वामित्व में है। सहयोगी सहायक कंपनियों से कुछ अलग हैं जैसे कि यह एक मूल बैंक के स्वामित्व में नहीं है और यह स्वतंत्र रूप से काम करता है।

4) विदेशी शाखा बैंक

विदेशी बैंक वे बैंक हैं जो कानूनी रूप से मूल बैंक के साथ बंधे होते हैं लेकिन एक विदेशी देश में काम करते हैं। एक विदेशी बैंक दोनों देशों के घर और एक मेजबान देश के नियमों और विनियमों का पालन करता है।

सामान्य बैंकिंग की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में भी जोखिम होता है, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में निहित जोखिम के प्रकार निम्नलिखित हैं :

1) मुद्रा जोखिम

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय करते समय एक अंतरराष्ट्रीय बैंक को मुद्रा विनिमय दर से परिचित होना पड़ता है। वे कंपनियाँ जो एक विदेशी देश में काम करना चुनती हैं और उस समय उन्हें मुद्रा जोखिम से निपटना पड़ता है।

2) राजनीतिक जोखिम

राजनीतिक जोखिम व्यापार को भी प्रभावित करता है क्योंकि व्यवसाय को मेजबान देश के नियमों और विनियमन का पालन करना पड़ता है और प्रत्येक देश के व्यापार पर उनका राजनीतिक प्रभाव पड़ता है। यदि राजनीतिक निर्णय प्रतिकूल हैं तो यह व्यवसाय को प्रभावित करता है।

(3) प्रतिष्ठा जोखिम

प्रतिष्ठा जोखिम का मतलब प्रतिष्ठित पूँजी में वास्तविक या अनुमानित/समझे गए नुकसान के आधार पर प्रतिष्ठित पूँजी में संभावित हानि है। बैंक को बैंक डेटा मैनिपुलेशन, खराब ग्राहक सेवा और अनुभव के बारे में अफवाहों जैसे प्रतिष्ठित जोखिम का सामना करना पड़ता है। ग्राहकों, निवेशकों, नेताओं और आलोचकों द्वारा बैंक की प्रतिष्ठा का निर्धारण किया जाता है।

4) व्यवस्था जोखिम

व्यवस्था जोखिम विशेष बैंक से संबंधित नहीं है लेकिन यह पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। एक व्यवस्था जोखिम बड़ी इकाई की असफलताओं से जुड़ा हुआ है और यह पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

वैश्वीकरण के इस युग में अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग व्यवस्था ने विभिन्न देशों को और पास लाने का काम किया है, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग से ना केवल विश्व में बल्कि इसके किसी भी कोने में बैंकिंग सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है, अपितु यह जरूरतमंद विकासशील देशों के लिए पूँजी की आवश्यकता को भी पूरा करता है। हम भारतीयों का सेवा भाव ही हमारी पहचान है, जिसके लिए हम जाने जाते हैं। चूँकि बैंकिंग व्यवस्था एक सेवा क्षेत्र है और भारतीय बैंकों ने अंतरराष्ट्रीय पटल पर अभी तक बेहतर कार्य किया है किन्तु अभी भी यहाँ अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं जिन्हें प्राप्त किया जा सकता है।

स्वप्न या स्मृति

अंजू सी.
उप प्रबंधक
मंडल कार्यालय, बेंगलुरु

समझ नहीं पाया, स्वप्न या स्मृति की हैं रेखाएँ,।
कुछ विस्मृत सी रेखाएँ, कुछ उभरती सी रेखाएँ।।
आप ही आप में कुछ बोलती रेखाएँ ।
कुछ उलझी, कुछ सुलझी सी रेखाएँ।।
कुछ बोलती, कुछ समझाती सी रेखाएँ।
कुछ भूलने का अनुमान कराती रेखाएँ।।
पल-पल यह बताती सी रेखाएँ।
समझ पाने की नाकाम कोशिश करती स्मृति।।
स्वप्न को जोड़ती-तोड़ती सी रेखाएँ।
स्वप्न में भी लक्ष्य भेदती रेखाएँ।।
कुछ विस्तृत बेहद अनुमान लगाती सी स्मृति।
आने-जाने के कारण को जायज बताती सी रेखाएँ।।
समझ नहीं पाया, स्वप्न या स्मृति की हैं रेखाएँ।
कुछ विस्मृत सी रेखाएँ, कुछ उभरती सी रेखाएँ।।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दौरे

त्रिपुरा में बागमा शाखा के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित श्री राम पद जमातिया, माननीय जनजातीय कार्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार का स्वागत करते हुए, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, श्री शिव शंकर सिंह, महाप्रबंधक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, त्रिपुरा, श्री बिक्रमजित सोम, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी, श्री आनंद कुमार, उपमहाप्रबंधक।

त्रिपुरा में बागमा शाखा के उद्घाटन पर उपस्थित श्री राम पद जमातिया, जनजातीय कार्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार के साथ विचार विमर्श करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी,श्री अतुल कुमार गोयल। साथ में दृष्टव्य हैं महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी, श्री बिक्रमजित सोम, श्री शिव शंकर सिंह, महाप्रबंधक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, त्रिपुरा एवं अन्य।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल के अंचल कार्यालय, कोलकाता आगमन पर पुष्पगुच्छ से अभिनंदन करते हुए अंचल प्रबंधक, कोलकाता, श्री सुमन्त महान्ती।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल के जोधपुर आगमन पर आयोजित टाउन हॉल बैठक में अभिनन्दन करते हुए अंचल प्रबंधक, जयपुर, श्री आर के बाजपेयी।

नव पदोन्नत उप महाप्रबंधकों के लिए आयोजित एमडीपी सेमिनार में दीप प्रज्वलित करते हुए माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, साथ में बायीं ओर श्रीमती रीता कौल, मुख्य अध्ययन अधिकारी एवं दायीं ओर श्रीमती कुमुद नेगी वार्ष्णेय, महाप्रबंधक, प्रधान कार्यालय।

नव पदोन्नत उप महाप्रबंधकों के लिए आयोजित एमडीपी सेमिनार में माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल के बायीं ओर श्रीमती रीता कौल, मुख्य अध्ययन अधिकारी एवं दायीं ओर श्रीमती कुमुद नेगी वार्ष्णेय, महाप्रबंधक, श्रीमती रंजना खरे, प्रधानाचार्य एवं श्री एन के बजाज, उप महाप्रबंधक, संकाय सदस्य तथा नव पदोन्नत उप महाप्रबंधकगण।

कार्यपालक निदेशकों के दौरे

डीबीयू बंगाईगांव के उद्घाटन समारोह में खेल एवं युवा मामलों के माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल, बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी, श्री बिक्रमजित सोम एवं अन्य अधिकारी व सम्मानित ग्राहकजन।

नव पदोन्नत उप महाप्रबंधकों के लिए आयोजित एमडीपी सेमिनार में माननीय कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे, का अभिनंदन करते हुए श्रीमती रीता कौल, मुख्य अध्ययन अधिकारी एवं श्रीमती रंजना खरे, प्रधानाचार्या, एसटीसी, दिल्ली।

बेंगलुरु, मंडल कार्यालय के दौरे के दौरान कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे का दक्षिण भारतीय परम्परा के अनुसार स्वागत करते हुए श्री ज्योतिष चंद्र प्रसाद, मंडल प्रमुख, बेंगलुरु।

कोलकाता अंचल में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधित संसदीय स्थायी समिति के कोलकाता अध्ययन दौरे में कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे, सांसद एवं अध्यक्ष श्री विवेक ठाकुर को शाल प्रदान कर सम्मानित करते हुए।

डिजिटल बैंकिंग यूनिट,झांसी के दौरे के अवसर पर श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री गणपत लाल, अंचल प्रबंधक, आगरा, श्री राजेश कुमार जैन, मंडल प्रमुख, झांसी तथा अन्य उच्चाधिकारीगण।

आईआईबीएफ द्वारा आयोजित बैंकिंग चाणक्य प्रतियोगिता के कार्यक्रम में श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक का अभिवादन करते हुए श्री प्रकाश महरोत्रा, निदेशक, आईआईबीएफ।

कार्यपालक निदेशकों के दौरे

अंचल कार्यालय, पटना के सभागार में माननीय कार्यपालक निदेशक, श्री कल्याण कुमार का अभिवादन करते हुए अंचल प्रबंधक, श्री पूर्ण चन्द्र बेहरा। दृष्टव्य हैं बाएं से दाएं श्री देवानंद प्रसाद (अंचल सस्त्र प्रमुख), श्री विजय कुमार (उप अंचल प्रबंधक) श्री मनोज कुमार (मंडल प्रमुख, पटना) ।

वाराणसी अंचल की व्यावसायिक समीक्षा बैठक में कार्यपालक निदेशक, श्री कल्याण कुमार का अभिनंदन करते हुए श्री अजय कुमार सिंह, अंचल प्रबंधक, वाराणसी ।

नव नियुक्त कार्यपालक निदेशक, श्री एम. परमशिवम का मुंबई अंचल में स्वागत करते हुए श्री बी.पी.महापात्र, अंचल प्रबंधक, मुंबई। साथ में हैं, श्री पुष्कर कुमार तराई, उप अंचल प्रबंधक और लेफ्टिनेंट कमांडर निलेश पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा)।

कार्यपालक निदेशक, श्री एम. परमशिवम के अंचल कार्यालय, कोलकाता के दौरे के अवसर पर उनका अभिनन्दन करते हुए अंचल प्रबंधक, कोलकाता, श्री सुमन्त महान्ती। दृष्टव्य हैं महाप्रबंधकगण, श्री शिव शंकर सिंह एवं श्री सुनील अग्रवाल।

अनुरोध

पीएनबी स्टाफ जर्नल/प्रतिभा के सुधी पाठकों से अनुरोध है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों एवं रचनाओं के बारे में यदि आप अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराएंगे तो हम इसके लिए आपके आभारी होंगे। निःसंदेह इससे पत्रिका के आगामी अंकों को और सुन्दर तथा सुरुचिपूर्ण बनाने में हमें सहायता मिलेगी। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

पत्रिका में सभी स्टाफ सदस्यों, उनके परिवारजनों तथा सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की रचनाएं भी स्वीकार्य हैं। आप सभी के सहयोग से हम इस पत्रिका को एक पारिवारिक पत्रिका बनाने की ओर अग्रसर रहेंगे।

अंचल कार्यालयों में नियुक्त पीएनबी स्टाफ जर्नल के प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित मंडल कार्यालयों में नियुक्त अधिकारियों से पत्रिका में प्रकाशन योग्य सामग्री एकत्रित करके ई-मेल pnbstaffjournal@pnb.co.in पर या सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली को भिजवाना सुनिश्चित करें। पीएनबी प्रतिभा का आगामी अंक ऋण समीक्षा एवं निगरानी विशेषांक (जनवरी-मार्च 2023) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

बैंक को पुरस्कार

नवभारत (बीएफएसआई) समिट एंड अवार्ड-2022 के अंतर्गत बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा सम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह में पंजाब नैशनल बैंक को 'नवभारत बेस्ट बैंक इन एमएसएमई बैंकिंग' का अवार्ड प्राप्त हुआ। माननीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड जी से अवार्ड प्राप्त करते हुए श्री रवि मोहन दलेला, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, मुंबई।

मुख्य सतर्कता अधिकारी के दौरे

अंचल कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा "निवारक सतर्कता (Preventive Vigilance)" विषय पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए श्री विजय कुमार त्यागी, मुख्य सतर्कता अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री अनुपम, महाप्रबंधक (प्र. का.), श्री दिपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद एवं अन्य उच्चाधिकारी।

कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली द्वारा नव पदोन्नत उप महाप्रबंधकों के लिए आयोजित एमडीपी सेमिनार में संबोधित करते हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी।

फिनटेक की बढ़ती भूमिका

मोहित गुप्ता
मुख्य प्रबंधक
अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

फाइनेंशियल टेक्नॉलोजी' (Financial Technology) का संक्षिप्त रूप है फिनटेक। वित्तीय कार्यों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को फिनटेक कहते हैं। दूसरे शब्दों में यह पारंपरिक वित्तीय सेवाओं और विभिन्न कंपनियों तथा व्यापार के वित्तीय पहलुओं के प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का कार्यान्वयन है। फिनटेक शब्द का प्रयोग उन नई तकनीकों के संदर्भ में किया जाता है, जिनके माध्यम से वित्तीय सेवाओं का प्रयोग, इसमें सुधार और स्वायत्तता लाने का प्रयास किया जाता है। फिनटेक उन वित्तीय नवोन्मेषों के बारे में बताता है जो तकनीक पर आधारित होते हैं। "नये छोटे उद्योगों" (स्टार्ट अप्स) से लेकर बड़ी टेक कंपनियों (बिग टेक) और स्थापित वित्तीय संस्थानों तक सभी वित्तीय सेवाओं के मूल्य श्रृंखला में उपभोक्ता को सस्ती, सुलभ और त्वरित ग्राहक सेवा का अनुभव देने के लिए इस तकनीकी का प्रयोग कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में, भारत में वित्तीय सेवा क्षेत्र में तेजी से प्रगति देखी गई है। प्रौद्योगिकी, नवाचार और फिनटेक मिलकर काम कर रहे हैं और इस क्षेत्र को गतिशीलता प्रदान कर रहे हैं। सतत् विकास और वित्तीय समावेशन के उच्च स्तर की ओर हमारी यात्रा में, ये ताकतें बलगुणक के रूप में रूपांतरित हो गई हैं। हमने इन ताकतों का बहुत फायदा उठाया है, लेकिन अभी हमें इनका और अधिक लाभ उठाने की जरूरत है। भारत में तकनीकी क्षमताओं की कई गुना वृद्धि हुई है। दूरसंचार, इंटरनेट सेवाओं की उपलब्धता, ऋण पहुँच को सुगम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने, अधिक कुशल भुगतान प्रणाली और वित्तीय समावेशन आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और यह निरंतर जारी है।

जुलाई 2022 के अंत तक भारत में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 80.7 करोड़ थी। 46.5 करोड़ से अधिक जन-धन खातों, 134 करोड़ आधार नामांकन और 120 करोड़ मोबाइल कनेक्शन के साथ, सेवाओं को एकीकृत और वितरित करने के नवीन तरीकों को लागू करने के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। इसका अंदाजा देश में 100 यूनिकॉर्न के उदभव से लगाया जा सकता है, जिसमें पिछले साल रिकॉर्ड 44 यूनिकॉर्न स्थापित किए गए हैं।

2018 के बाद से, भारतीय स्टार्टअप में अपना पैसा लगाने के इच्छुक निवेशकों की सबसे ज्यादा रुचि फिनटेक क्षेत्र में ही रही है। तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी-सक्षम फिनटेक उत्पादों की बढ़ती माँग इसकी प्रमुख वजह है। वर्ष 2020 में लॉक डाउन के दौरान खुदरा ग्राहकों में डिजिटल लेन-देन के प्रति आकर्षण काफी ज्यादा बढ़ा और इसी का फायदा उठाते हुए वर्ष 2021 में जब भारतीय रिटेल धीरे-धीरे कोविड -19 महामारी के हमले से उबरा तो ऋण तकनीक में तेजी से बदलाव आए। ग्राहकों में बाय-नाउ-पे-लेटर (बीएनपीएल) मॉडल के प्रति अति उत्साह देखा गया, डिजिटल-प्रेमी उपभोक्ताओं ने लघु-टिकट ऋण के लिए इसका काफी प्रयोग किया, जिससे इस क्षेत्र में एक बड़ी छलांग देखी गई। वर्ष 2025 तक बीएनपीएल का बाजार 43 अरब डॉलर तक होने का अनुमान है। यह 80% सीएजीआर (CAGR) की दर से बढ़ रहा है।

वर्ष 2025 तक भारत का समग्र फिनटेक बाजार $1.3 ट्रिलियन होने का अनुमान है, जो 2021-2025 के दौरान 31% सीएजीआर

(CAGR) की दर से बढ़ रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से 47% ($616 बिलियन) ऋण तकनीक में, 26% ($339 बिलियन) बीमा क्षेत्र में और 16% ($208 बिलियन) डिजिटल भुगतान है। इन तीनों फिनटेक क्षेत्रों में से, सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र, बीमा क्षेत्र है, जो 57% सीएजीआर (CAGR) की दर से बढ़ रहा है।

वित्तीय क्षेत्र में नवाचार

भारत में वित्तीय सेवा उद्योग में भारी परिवर्तन देखा गया है। इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर, यूपीआई, आधार ई-केवाईसी, भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस), क्यूआर स्कैन एंड पे, डिजिटल प्री-पेड इंस्ट्रूमेंट्स और इसी तरह की अन्य पहल जैसे उत्पादों ने पारंपरिक बैंकिंग परिचालन को बदल दिया है। बैंकिंग अब घड़ी के कांटों की मोहताज नहीं रही है। अब हमारे पास डिजिटल-मोबाइल-कहीं भी-कभी भी बैंकिंग है। इनमें से कुछ पहल तो उद्योग जगत की ओर से हुई पर सरकार और नियामकों ने भी फिनटेक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, इंडिया स्टैक, अकाउंट एग्रीगेटर्स, पीयर टू पीयर (पी2पी) लेंडिंग प्लेटफॉर्म और 24x7 डिजिटल पेमेंट सिस्टम जैसी पहल इस क्षेत्र में काफी सफल साबित हुई हैं।

समाज के सभी वर्गों के लिए अनुकूलित उत्पादों और ग्राहक इंटरफेस के माध्यम से तकनीक आधारित फिनटेक उत्पादों की पहुँच बड़ी ही आसानी से देश के अंतिम छोर पर रहने वाले उपभोक्ता तक सुनिश्चित की जा रही है। फिनटेक सेवा वितरण में, दक्षता बढ़ाने और लागत कम करने में योगदान देता है।

फिनटेक द्वारा निभाई जा सकने वाली सबसे परिवर्तनकारी भूमिकाओं में से एक पारंपरिक ऋणदाताओं के साथ साझेदारी ऋण वितरण के क्षेत्र में है, खासकर ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में। कृषि और संबद्ध गतिविधियों तथा एमएसएमई के लिए उचित लागत और समय पर ऋण की उपलब्धता हमारे आर्थिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। परन्तु इसमें सबसे बड़ी चुनौती उच्च टर्न अराउंड टाइम के साथ कागज आधारित प्रक्रिया है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कृषि वित्त का डिजिटलीकरण और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋणों को कागज रहित और परेशानी मुक्त तरीके से वितरित करना और टर्नअराउंड समय को कम करने में फिनटेक एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

समाज के सभी वर्गों को इस क्रांति में शामिल करने के उद्देश्य से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नए-नए उत्पाद लॉन्च किए जा रहे हैं। **"यूपीआई लाइट"** के माध्यम से छोटे मूल्य के लेन-देन की सुविधा फीचर फोन उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे डिजिटल वित्तीय समावेशन में तेजी से प्रगति होगी। क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़कर इसकी उपयोगिता और भी बढ़ाई गयी है। सीमा पार से आवक बिल भुगतान अब भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) के द्वारा भी संभव है।

सरकार की पहल

सरकार द्वारा स्वच्छ और स्मार्ट बैंकिंग को संस्थागत बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में सरकार द्वारा ईज (EASE) रिफोर्म्स लॉन्च किये गए थे। इसके तीसरे रिफोर्म के अंतर्गत प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सभी ग्राहक अनुभवों में बैंकिंग को आसान बनाने का प्रयास करने का लक्ष्य रखा गया था। जिनमें डायल-ए-लोन, फिनटेक एवं ई-व्यापार कंपनियों से साझेदारी, क्रेडिट@क्लिक, कृषि ऋण में तकनीक का प्रयोग, ईज बैंकिंग आउटलेट आदि शामिल थे। इसके बाद आए चौथे रिफोर्म के अंतर्गत राज्य संचालित बैंक, गैर बैंकिंग फर्मों के साथ सह-ऋण, डिजिटल कृषि वित्तपोषण और 24x7 बैंकिंग सुविधाओं के लिए तकनीकी लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए सरकार ने भी कई नए नवोन्मेषों की शुरुआत की है।

इस वर्ष बजट में भी सरकार द्वारा फिनटेक और डिजिटल बैंकिंग पर काफी जोर दिया गया है। आजादी के 75 साल पूरे होने पर, बैंकों द्वारा देश के अलग-अलग जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। डिजिटल भुगतान को सुलभ बनाने, भुगतान में आसानी, उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने, डिजिटल भुगतान की सुरक्षा को मजबूत करने और ग्राहक सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु आरबीआई द्वारा वर्ष 2021 में अपने पहले **वैश्विक हैकथॉन HARBINGER 2021-*परिवर्तन के लिए नवाचार*** का आयोजन किया था। इसमें देश और विदेशों से

कुल 363 प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस अभ्यास ने फिनटेक क्षेत्र में रचनात्मक प्रतिभा पूल की एक झलक दी और इस विश्वास को और मजबूत किया कि भारत फिनटेक क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के लिए अच्छी स्थिति में है। इसके सकारात्मक परिणाम को देखते हुए वर्ष 2022 के लिए भी इसी प्रकार की प्रतिस्पर्धा की घोषणा की गयी ।

आरबीआई (RBI) ने बेंगलुरु में एक सहायक के रूप में रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) की स्थापना भी की है। हब में निजी क्षेत्र और डोमेन विशेषज्ञों से लिया गया एक प्रख्यात निदेशक मंडल है, जो वर्तमान में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर रहा है। आगे जाकर, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) खुद को एक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

इस विकसित और गतिशील क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जनवरी 2022 में आरबीआई में एक नया फिनटेक विभाग भी बनाया गया है। इस विभाग का उद्देश्य न केवल नवाचार को बढ़ावा देना है, बल्कि इससे जुड़ी चुनौतियों और अवसरों की पहचान करना और उनका समय पर समाधान करना भी है। वित्तीय क्षेत्र और बाजारों के लिए व्यापक प्रभाव वाले फिनटेक क्षेत्र में रचनात्मक नवाचारों और इन्क्यूबेशन की सुविधा से संबंधित सभी मामलों को इस विभाग द्वारा अंतर-नियामक मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अलावा निपटाया जा रहा है।

भविष्य की राह :

फिनटेक एक नवीन तकनीक है जो वित्तीय संस्थानों के कार्य को सुगम कर उनका मूल्यवर्धन करती है । इस समय देश में 90 करोड़ लोगों के पास मोबाइल फोन हैं। लेकिन सिर्फ चार करोड़ लोग ही फिनटेक सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं। बड़ी संख्या में मोबाइल ग्राहक होने के कारण, वित्तीय सेवाओं के वितरण में इस तकनीक का व्यापक रूप से उपयोग किए जाने की काफी संभावनाएं हैं। निकट भविष्य में फिनटेक आधारित बैंकिंग ही अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगी और भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता निर्धारित करेगी। इस विकास के परिप्रेक्ष्य में, कुछ फिनटेक नवोन्मेष जो भविष्य में वित्त जगत को नई दिशा देंगें, निम्नानुसार हैं :

1. **ब्लॉकचेन:** ऐसा माना जा रहा है कि फिनटेक का भविष्य अब ब्लॉकचेन टेक्नॉलोजी ही है। ब्लॉकचेन की व्यापक अवसंरचना एक विश्वसनीय तृतीय पक्ष की आवश्यकता को समाप्त करने से बैंकिंग की कई मूलभूत समस्याओं जैसे ग्राहक की पहचान, धोखाधड़ी आदि से बड़ी आसानी से निजात पायी जा सकती है। ब्लॉकचेन के अनुप्रयोग बैंकिंग में लोन-सिंडिकेशन, ट्रेड-फाइनेंस, लेटर-ऑफ-क्रेडिट, बैंक-गारंटी, पीयर-टू-पीयर लेंडिंग एवं ट्रेजरी जैसे कार्य कलापों में पारदर्शिता लाएंगे।

2. **बिग डेटा एनालिटिक्स:** यह दो शब्दों से मिल कर बना है, Big अर्थात् बड़ा और Data अर्थात् सूचनाएं, आंकड़े या जानकारी। अर्थात् जानकारी का विशाल संग्रह। इसमें डेटा की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और समय के साथ यह तेजी से बढ़ती भी रहती है। इसका प्रयोग संस्थाओं द्वारा अपने उपभोक्ताओं के व्यवहार को समझने के लिये किया जाता है। ये डेटा संरचित (Structured) / अर्ध संरचित (Semi Structured) या कच्चा (Raw) डेटा हो सकता है, जो बैंक के अपने स्रोतों से या सोशल साइट इत्यादि से संग्रहीत किया जाता है। अब सांख्यिकी, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और ऑपरेशंस रिसर्च के अनुप्रयोग पर आधारित विशेष रूप से बनाए गए सॉफ्टवेयरों द्वारा बिग डेटा की पूरी छानबीन करके व्यापक आंकड़ों में से अर्थपूर्ण चीजों या पैटर्न की खोज कर उसकी विवेचना की जाती है और उससे अपने काम की जरुरी सूचनाओं को निकाला जाता है।

   बैंक की ग्राहक के वित्तीय डेटा तक सीधे तौर पर पहुँच रहती है, ऐसे में बिग डेटा प्रोसेसिंग की मदद से ग्राहक के स्वभाव को समझा जा सकता है और फिर उसी के अनुसार लोन/क्रेडिट के लिए ग्राहक को ऑफर किया जाता है इस प्रकार व्यापार वृद्धि के साथ-साथ धोखाधड़ी नियंत्रण में भी बिग डेटा एनालिसिस का लाभ लिया जा सकता है।

3. **केन्द्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा:** डिजिटल मुद्रा एक ऐसी वर्चुअल मुद्रा होती है, जिसमें कूटलेखन तकनीक (इंक्रिप्शन) का प्रयोग किया जाता है। वर्ष 2022-23

के बजट में आरबीआई द्वारा थोक और खुदरा दोनों क्षेत्रों में इस अधिक कुशल और सस्ती मुद्रा प्रबंधन प्रणाली अर्थात् केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के चरणबद्ध कार्यान्वयन का प्रस्ताव रखा गया है। इसमें ब्लॉकचेन तकनीक के उपयोग का प्रस्ताव रखा गया है जो कि विस्तारित लेजर तकनीक पर आधारित है। यह तकनीक बारंबार दोहराए गए, साझा और सिंक्रोनाइज़ किए गए डेटा का सर्वसम्मति से वितरित प्रयोग सुनिश्चित करती है। विश्व के विभिन्न देशों में इसी तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जो ज्यादा पारदर्शी है और इसमें वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाओं को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी और डिजिटल इकोसिस्टम को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

4. **क्लाउड कंप्यूटिंग:** यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें कंप्यूटिंग, डेटा एक्सेस से लेकर डेटा स्टोरेज तक सारा काम नेटवर्क पर ही होता है। साधारण शब्दों में क्लाउड कंप्यूटिंग का मतलब है, अपने डेटा को अपने कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव में स्टोर करने के बजाए इंटरनेट नेटवर्क पर स्टोर करना। जब हम लोकल स्टोरेज अर्थात् हार्ड ड्राइव में डेटा रखते हैं, तो उसे सिर्फ अपने कंप्यूटर से ही प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु क्लाउड कंप्यूटिंग के संदर्भ में ऐसा नहीं होता है। इंटरनेट पर स्टोर किये गए डेटा या प्रोग्राम को कहीं से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी कई विशेषताओं के चलते ही आजकल फिनटेक क्षेत्र में क्लाउड कंप्यूटिंग सबसे लोकप्रिय तकनीकों में से एक है और वित्त जगत में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

   व्यवसायों और उपभोक्ताओं को प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए फिनटेक कंपनियाँ तेजी से क्लाउड कंप्यूटिंग की ओर रुख कर रही हैं। एक शोध अध्ययन के अनुसार वर्ष 2025 तक, 87% उद्यमों की योजना अपने को क्लाउड पर ले जाने की है।

5. **आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस:** कृत्रिम तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता को आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस कहते हैं । इसके माध्यम से कंप्यूटर मानव की तरह से सोचने एवं निर्णय लेने में सक्षम होता है और उसका प्रयोग हम अपने व्यावसायिक निर्णयों को आसान, त्वरित और सटीक बनाने के लिए करते हैं। बैंकिंग सेवा में भी बेहतर ग्राहक सेवा, बेहतर कार्य दक्षता और धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने के लिए आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस के अनुप्रयोगों का प्रयोग किया जा रहा है । इस भविष्यवादी तकनीक को ग्राहक की पहचान और प्रमाणीकरण को आसान बनाने के लिए फ्रंट ऑफिस में भी उपयोग किया जा रहा है।

   भुगतान धोखाधड़ी और विसंगतियों का पता लगाने के लिए वित्तीय संस्थान अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यकलापों में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लागू कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संदिग्ध पैटर्न के लेन-देन को स्कैन करके, क्रेडिट जाँच के लिए ग्राहकों की पहचान और जोखिम विश्लेषकों को अनुमति देकर धोखाधड़ी के जोखिम को कम करती है। यह फिनटेक क्षेत्र में एक नए आयाम को स्थापित कर वित्त जगत के भविष्य को तय करेगा।

6. **बैंक अकाउंट पोर्टबिलिटी:** फिनटेक नवोन्मेष के इस दौर में अब वह दिन भी दूर नहीं है जब ग्राहक अपना बैंक खाता मोबाइल नंबर की तरह एक बैंक से दूसरे बैंक में बिना खाता नंबर बदले स्थानांतरित करवा सकता है। ऐसा होने के लिए यह आवश्यक है कि सारे बैंक सर्वर एक-दूसरे से जुड़ जाएं। ऐसा होने कि स्थिति में न सिर्फ अकाउंट नंबर पोर्टबिलिटी संभव हो पाएगी बल्कि अंतर बैंक ट्रांसफर भी बड़ी आसानी से संभव हो पाएगा । भविष्य में इसे (UPI) से जोड़कर अंतर्निहित क्षमता सृजित की जा सकती है, जिससे आगे चल कर खाता संख्या सुवाह्यता (पोर्टबिलिटी) संभव हो सकेगी।

7. **सोशल मीडिया बैंकिंग:** आज भारत में लगभग 90 करोड़ लोग स्मार्ट मोबाइल फोन प्रयोग कर सोशल मीडिया से जुड़े हैं। ऐसे में आज विभिन्न फिनटेक एजेंसियाँ सोशल मीडिया के माध्यम से बैंकिंग की सुविधा प्रदान कर रही हैं। बैंको नें विभिन्न सोशल-प्लेटफार्म जैसे ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करायी है। भविष्य में फंड ट्रांसफर में सोशल मीडिया बैंकिंग की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

8. **रोबोटिक हेल्प डेस्क एवं चैटबॉट:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस दौर में आज कई फिनटेक कंपनियाँ रोबोटिक हेल्प-डेस्क पर काम करना शुरू कर चुकी हैं। कई स्वाभाविक भाषा प्रसंस्करण तकनीक से दक्ष चैटबॉट्स भी ग्राहक सेवा प्रदान कर रहे हैं। चैटबॉट्स अनेक स्रोतों से जानकारियों को समेकित कर ग्राहकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब लगभग 0.4 सेकंड से भी कम समय में देने में सक्षम होते हैं। यह भी संभावना है कि भविष्य में कॉल-सेंटरों में मनुष्यों की जगह सिर्फ चैटबॉट्स / रोबोट्स ही नजर आयें।

फिनटेक क्षेत्र में चुनौतियाँ

फिनटेक उद्योग को आज जिन कुछ प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है उनमें डेटा गोपनीयता और अनुप्रयोग, सुरक्षा चुनौतियाँ, नियामक और अनुपालन कानून, पूँजी की आवश्यकता, केवाईसी/एएमएल एवं अन्य नियमों का कठोर अनुपालन, उपयोगकर्ताओं में जागरूकता की कमी प्रमुख हैं। आवश्यकता इन कठिनाइयों को दूर करके, उपयोगकर्ता का सुखद अनुभव और निजीकृत सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करना है।

तकनीकी विशेषज्ञता की कमी भी फिनटेक क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती है। उच्च गुणवत्ता और सुरक्षित फिनटेक समाधानों से सुसज्जित वित्तीय ऐप बनाने के लिए गहन विशेषज्ञता और ठोस पृष्ठभूमि की आवश्यकता होती है। फिनटेक की अन्य चुनौतियों में ग्राहकों में भरोसे की कमी भी काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय ग्राहक रूढ़िवादी दृष्टिकोण रखते हैं और परंपरागत रूप से नकद लेन-देन के माध्यम से व्यापार करना पसंद करते हैं। बैंकिंग तक पहुँच रखने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के बावजूद, अभी भी ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्हें बैंकिंग सेवाओं के बारे में बहुत कम जानकारी है और इसी वजह से वे इससे दूर रहने की ही कोशिश करते हैं।

वर्तमान में डिजिटल ऋण देने में तेजी आई है और इस वजह से इस क्षेत्र में डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स की बाढ़ सी आ गयी है। इसी तेजी का लाभ उठाते हुए इस क्षेत्र में कुछ फर्जी ऐप्स के माध्यम से ठगी के प्रकरण भी सामने आए हैं। इस प्रकार की ठगी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है कि विनियमकों द्वारा कठोर कदम उठाए जायें और उनके द्वारा ग्रीन लाइटिंग (श्वेतसूची) जारी की जाये और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने वाली संस्थाओं को ही लाईसेंस जारी किये जाएं जिससे आमजन की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित की जा सके।

निष्कर्ष

फिनटेक में संभावना है कि यह भारत में वित्तीय सेवाओं और वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को मौलिक रूप से नई शक्ल प्रदान कर सकता है। इससे लागत में कमी के साथ-साथ वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आ रहा है। हमें प्रणालीगत प्रभावों को कम करते हुए, फिनटेक का प्रभावशाली तरीके से उपयोग करके एक संतुलन स्थापित करना है। प्रौद्योगिकी को सामर्थ्यशाली बनाकर और जोखिमों का प्रबंधन करके, हम एक ऐसी वित्तीय प्रणाली तैयार कर सकते हैं जो अधिक समावेशी, प्रभावी और लचीली हो। हमें एक सक्षम वातावरण प्रदान करके नवाचार को और ज्यादा प्रोत्साहित करना होगा पर इसके साथ ही इसमें होने वाले जोखिमों को भी ध्यान में रखना होगा।

फिनटेक की इस प्रगति से वित्तीय परिदृश्य में बुनियादी बदलाव आने की संभावना है जहाँ उपभोक्ता प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर बेहतर विकल्पों में से अपनी पसंद का चुनाव कर सकेंगे और ऑपरेशनल लागत में कमी से वित्तीय संस्थाओं के लिए कार्यक्षमता को बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। एक देश के रूप में जो वहनीय लागत पर सभी के लिए वित्तीय समावेश प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे लिए यह निर्णय का समय है और हमें इस अवसर को अपने हाथों से जाने नहीं देना चाहिए।

भारत में हमारे पास अदभुत प्रतिभा आधार है और हाल के वर्षों में हमने डिजिटल और फिनटेक क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। आने वाले समय में फिनटेक अर्थव्यवस्था के सबसे अधिक संपन्न क्षेत्रों (व्यापार वृद्धि और रोजगार सृजन दोनों मामलों में) में से एक होगा। फिनटेक वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के साथ वित्तीय समायोजन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है। भारत में फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र वास्तव में विकसित हुआ है और एक विशाल छलांग के लिए तैयार है। ये वित्तीय नवाचार सिर्फ हमारे लिए नहीं है, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत बुनियाद का काम करेंगे। भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और जोखिम रहित वित्तीय व्यवस्था को सुनिश्चित करेगा।

एनआरआई ग्राहकों हेतु उपलब्ध बैंकिंग सेवाएं

किरण चौरसिया
प्रबंधक
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, प्रधान कार्यालय

जैसे-जैसे भारत प्रगति के पथ की ओर अग्रसर हो रहा है प्रवासी/अनिवासी भारतीयों की सहभागिता और सहयोग की जरुरत भी बढ़ती जा रही है। जहाँ एक ओर एनआरआई (NRI) के द्वारा भेजा गया रेमीटेन्स भारत के भुगतान संतुलन (Balance of Payment) की स्थिति को मजबूत करता हुआ भारत की आर्थिक प्रगति एवं अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है तो दूसरी ओर प्रवासी/अनिवासी भारतीय भारत के सांस्कृतिक, शैक्षिक एम्बेसडर बनकर भारत की विरासत को और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

एक ओर प्रवासी/अनिवासी भारतीय सबसे ऊँची और श्रेष्ठ व्यावसायिक कौशल वाली नौकरियों में कार्य करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कंप्यूटर, मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर से लेकर बैंकिंग, वित्त और सेवा क्षेत्र में कार्य करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर खाड़ी देशों (गल्फ कंट्री) में ब्लू कॉलर (Blue Collar) वर्कर के रूप में भारी संख्या में कार्य करते हुए रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत को शीर्ष स्थान पर बनाए हुए हैं।

एक वित्तीय संस्थान के रूप में पंजाब नैशनल बैंक विभिन्न वित्तीय सेवाएं अनिवासी भारतीयों (NRIs) को देने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। लेकिन कभी-कभी जमीनी स्तर पर कुछ जानकारियों के अभाव में हम मानक सेवाएं (स्टैण्डर्ड सर्विसेस) प्रदान नहीं कर पाते हैं जिसके कारण ग्राहक संतुष्टि का स्तर गिरता है और बैंक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता है। इन कमियों को दूर करने और सुधारने के लिए कुछ मूलभूत जानकारी नीचे दी गई हैं जिसके माध्यम से अपनी उपलब्ध बैंकिंग सेवाओं का स्तर ऊपर उठाया जा सकता है। वर्तमान में बैंक अनिवासी भारतीयों (NRIs) के लिए एनआरई (NRE), एनआरओ (NRO) (बचत खाता, चालू खाता, आवर्ती खाता, एफओ (FO)) तथा एफसीएनआर(FCNR), (सावधि खाता(FD)) खातों के माध्यम से प्रदान कर रही हैं जो महत्वपूर्ण सुविधाएं अनिवासी भारतीय ग्राहकों को मिलनी ही चाहिए वो निम्नलिखित हैं:-

हमें अपने ग्राहक की सुविधानुसार ओटीपी/अलर्ट मैसेज प्राप्त करने के लिए ग्राहक का इंडियन या ओवरसीज मोबाइल नंबर रजिस्टर करना चाहिए जिसका विकल्प बैंक ने अपने ग्राहकों को दिया है (उचित जानकारी के अभाव में ग्राहक को इंडियन या ओवरसीज मोबाइल नंबर रजिस्टर करवाने के लिए दबाव नहीं डालना चाहिए।)

यूपीईएमएएल मेनू (UPEMAL menu) के माध्यम से मासिक खाता विवरण(Monthly Account Statement) पंजीकृत मेल पर भेज कर हम अपने ग्राहकों (Customers) को सूचित ग्राहक(Informed Customer) बना कर उसके साथ संपर्क में बने रह सकते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ग्राहक बिना शाखा में आये जैसा कि पूर्व में विदित है कि अनिवासी भारतीय (NRIs) अपनी छोटी-मोटी बैंकिंग आवश्यकताओं/सुविधाओं के लिए भारत नहीं आ सकते हैं। निम्न सेवाओं हेतु आवदेन कर सकते हैं:-

- पैन कार्ड अपडेट करना।
- आधार अपडेट करना (जिन एनआरआई के पास आधार उपलब्ध है)।
- खाते को एक शाखा से दूसरी शाखा में स्थानांतरित करना।
- डेबिट/एटीएम कार्ड हेतु आवेदन करना।
- डेबिट कार्ड की लिमिट सेट करना।
- ई-कॉमर्स ट्रांसजेक्सन इनेबल/डिसेबल करना।
- ईमेल आईडी रजिस्टर करना।
- जीएसटिन रजिस्टर करना।
- डिमांड ड्राफ्ट के लिए अनुरोध करना।

- लॉकर सुविधा प्राप्त करने के लिए अनुरोध करना।
- नई चेक बुक के लिए अनुरोध करना।
- डिजिटल प्रमाणपत्र को एनरोल/अनरोल/इनस्टॉल/अनइनस्टॉल) करना।
- खाते को फ्रीज करना (एक बार खाता ऑनलाइन – माध्यम से फ्रीज होने के बाद ब्रांच से ही अनफ्रीज होगा।

एनआरई(NRE) एवं एनआरओ(NRO) खातों में बिना डेबिट कार्ड के इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड रिसेट करने की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके लिए ग्राहक की निम्न चार जानकारियाँ सीबीएस (CBS) में उपलब्ध/अपडेट होनी चाहिए:

(क) ग्राहक की ईमेल आईडी (Email ID of Customer)|

(ख) सही संबंध कोड के साथ नामांकन (Nomination with correct Relationship Code) ।

(ग) कोई भी अंतिम पाँच लेन-देन डेबिट/क्रेडिट (Any of the last Five Transaction (Debit/Credit)

(घ) कितनी ही बार चेकबुक (Any Number of Cheque Book (Unused Cheque Leaf)

आईबीडी फोरेक्स परिपत्र संख्या 52/2022 के अनुसार इनवर्ड रेमिटेंस (inward Remittance) की पेमेंट एडवांस (जैसे – ट्रांसजेक्शन की डेट, रेट आदि) की जानकारी भी ग्राहक को उसकी पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेजी जा सकती है जिसकी साधारण प्रकिया नीचे दी गयी है।

(क) Alert menu में ईमेल आईडी रजिस्टर करेंगे।

(ख) RADVP menu में A/c no. & email ID इंटर करें।

(ग) Alert menu रजिस्ट्रेशन के बाद, ग्राहक की ई-मेल पर वेरिफिकेशन लिंक भेजा जाएगा जो कि 72 घंटे के लिए वैध रहेगा, जो ग्राहक को वैलिडेट करना होगा। उपर्युक्त प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ग्राहक के खाते में इनवर्ड रेमिटेंस आने पर ग्राहक को पेमेंट इनवॉइस मिल जायेगी।

उपर्युक्त सेवाओं और सुविधाओं को प्रदान करके और ग्राहकों को जागरूक करके हम अपनी बैंकिंग सेवाओं का स्तर ऊँचा उठाकर ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाकर अपने बैंक की टैगलाइन "भरोसे का प्रतीक" (The name you can bank upon) को सार्थक बना सकते हैं और अपने संतुष्ट ग्राहक को ही अपने बैंक का ब्रांड एम्बेसडर बनाकर अपनी साख और कारोबार को बढ़ा सकते हैं।

माँ का उद्यम

संजय सिंहा
एसडब्ल्यूओ 'बी'
बिमलापुर शाखा, मंडल कार्यालय, जोरहाट

माँ! कैसे बताऊँ तू आती कितनी याद।
वह बचपन का प्यार और तेरा लाड-दुलार।।
बैठी चूल्हे पर पढ़ाती, दुलारती, लगाती डाँट।
घर का काज संवारती, करती मेहनत दिन-रात।।

दी तूने मुझ नादान को शक्ति समझ की।
कर सकूँ जो भेद सच-झूठ और धर्म-अधर्म की।।
आये कितने पतझड़-तूफान, तू प्रतिमा बनी चट्टान की।
कैसे भूल जाऊँ कहानी तेरे अतुल्य उद्यम की।।

सोई भूखी प्यासी, ठंड में ठिठुरती।
हर दुख को झेलती, फिर भी हमें शीतल छाया देती।।
नहीं होता जब भी अनाज आलय में, रहती आधी पेट।
फिर भी करती सारे काम, लगती सदा ठेठ।।

माँ! करती विनति सेवा में रब के।
हो न कोई त्रुटि मुझसे।।
कर सकूँ जो दुख दूर माँ के।
दे ईश्वर मुझको यह शक्ति भर के।।

प्रधान कार्यालय में 74वें गणतंत्र दिवस का आयोजन

पंजाब नैशनल बैंक, ने हर्ष व उल्लास के साथ नई दिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय में 74 वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत बैंक के एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल के द्वारा कार्यपालक निदेशकगण, सीवीओ, मुख्य महाप्रबंधकगण व वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण के साथ हुई।

इस अवसर **श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ** ने कहा "26 जनवरी 1950 को संविधान के लागू होने के साथ ही गणतंत्र दिवस हमें अपने महान योद्धाओं के बलिदान को याद करने का एक और अवसर देता है, जिनके बलिदान के बिना हम आज अपनी आजादी और लोकतंत्र का आनंद नहीं ले रहे होते। उन्होंने तिमाही के दौरान हासिल की गयी बैंक की व्यावसायिक उपलब्धियों को रेखांकित किया और कर्मचारियों के लिए नई एचआर पहल की घोषणा की।

प्रधान कार्यालय, द्वारका में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण के उपरान्त स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पीएनबी प्रेरणा की अध्यक्षा, श्रीमती पूनम गोयल सोशल डेवलपमेंट एंड वेलफेयर सोसायटी (एक स्वयंसेवी संस्थान) को विंटर जैकेट्स, स्वेटर्स, वॉटर स्टीमर्स, इलेक्ट्रिक कैटल्स और हीटिंग बैग्स प्रदान करते हुए। साथ में दृष्टव्य हैं पीएनबी प्रेरणा की अन्य महिला सदस्य।

समारोह में बैंक के सीएसआर प्रयासों के अंतर्गत पीएनबी प्रेरणा के द्वारा पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर में स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय को बुक शेल्फ्स, वॉटर डिस्पेंसर्स, वालीवाल व सीलिंग फैन्स वितरित किए। पीएनबी प्रेरणा ने सोशल डेवलपमेंट एंड वेलफेयर सोसायटी (एक स्वयंसेवी संस्थान) को विंटर जैकेट्स, स्वेटर्स, वॉटर स्टीमर्स, इलेक्ट्रिक कैटल्स और हीटिंग बैग्स भी वितरित किए।

बैंक ने मनाया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

हमारे बैंक (पीएनबी) ने दृष्टि बाधित ग्राहकों के लिए रिटेल इंटरनेट बैंकिंग मैनुअल के अपग्रेडेड संस्करण का शुभारंभ कर विशेष तरीके से अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया। यह बैंक के डिजिटल उत्पादों को अधिक समावेशी बनाता है और इसका उद्देश्य स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुलभ ग्राहक सेवा समाधान तैयार करना है। यह पहल बैंक के दिव्यांग स्टाफ सदस्यों के लिए एंड्रायड आधारित एप्लीकेशन जैसे अन्य एक्सेसबल टूल्स में इजाफा करती है जिसे बैंक द्वारा 2021 में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाए जाने के उपलक्ष्य में पीएनबी प्राइड मॉड्यूल के तौर पर शुरु किया गया था।

प्रधान कार्यालय, द्वारका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समारोह में पत्रिका का विमोचन करते हुए कार्यपालक निदेशकगण श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, महाप्रबंधक, श्रीमती कुमुद नेगी वार्ष्णेय एवं स्कोर फाउंडेशन के सीईओ, विशिष्ट सामाजिक उद्यमी और प्रमुख दिव्यांग कार्यकर्त्ता, श्री जार्ज अब्राहम।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे ने कहा कि, "दिव्यांगजनों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। सभी के विकास व प्रगति के लिए एक्सेसबिलिटी आवश्यक है। बैंक ने दिव्यांग स्टाफ सदस्यों व ग्राहकों के समावेशन व सशक्तिकरण के लिए अनेक सार्थक कदम उठाए हैं। इसके साथ बैंक ने सभी के समान विकास के लिए एक अनुकूल सामाजिक वातावरण बनाने के लिए कई कार्य किए हैं।"

इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर बैंक ने नैशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड को दान देकर इस दिन को विशेष बनाया जिसने 80,000 से ज्यादा दृष्टि बाधित लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

समारोह में स्कोर फाउंडेशन के सीईओ, श्री जार्ज अब्राहम को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कार्यपालक निदेशकगण श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार।

प्रिंट व ब्रेल लिपि दोनों में उपलब्ध इस अपग्रेडेड मैनुअल का अनावरण 3 दिसंबर, 2022 को बैंक के प्रधान कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में किया गया। इस कार्यक्रम में स्कोर फाउंडेशन के सीईओ, श्री जार्ज अब्राहम, विशिष्ट सामाजिक उद्यमी, प्रेणादायक वक्ता और प्रमुख दिव्यांग कार्यकर्त्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी, मुख्य महाप्रबंधकगण, सहायक महाप्रबंधकगण सहित पीएनबी परिवार के सदस्यों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इसके अतिरिक्त बैंक के विभिन्न अंचल व मंडल कार्यालयों के दिव्यांग स्टाफ सदस्यगण इस समारोह में वर्चुअल रूप से जुड़े रहे। इस कार्यक्रम के दौरान बैंक ने विभिन्न विभागों के दिव्यांग स्टाफ सदस्यों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर दिव्यांग स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया।

प्रधान कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

प्रधान कार्यालय, द्वारका में सतर्कता जागरूकता सप्ताह- 2022 के अवसर पर आयोजित समारोह में सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल। मंच पर उपस्थित हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रधान कार्यालय में 31 अक्टूबर 2022 को आयोजित एक समारोह में बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। यह समारोह केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशों के अनुरूप 31 अक्टूबर से 06 नवंबर, 2022 तक मनाए गए सतर्कता जागरूकता सप्ताह का एक हिस्सा था। समारोह के दौरान भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री, भारत के उपराष्ट्रपति और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के संदेश भी पढ़े गए।

बैंक ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर भ्रष्टाचार मुक्त भारत-विकसित भारत की थीम के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की। स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बैंक स्टाफ सदस्यों ने राष्ट्रीय एकता का दृढ़ संकल्प लिया।

इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए, श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, ने किसी भी कदाचार को रोकने के लिए अपनी दैनिक दिनचर्या में सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भ्रष्टाचार के जोखिमों को खत्म करने के लिए डिजिटलीकरण के महत्व पर भी जोर दिया और कहा, "बैंक ने भ्रष्टाचार से बचने के लिए कई डिजिटल पहलें की हैं और दृढ़ता से स्वीकार किया है कि सत्यनिष्ठा प्रणाली को मजबूत करने के लिए तकनीकी नवाचारों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पीएनबी वन मोबाइल ऐप, चार क्लिक में पूर्व अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण और सिंगल ओटीपी, व्हाट्सएप, ऑनलाइन केसीसी नवीकरण आदि बैंक के कुछ हालिया डिजिटल नवाचार हैं।

मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी ने कहा "सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का उद्देश्य हमारे पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सभी संभावित जोखिमों के प्रति सावधान और सतर्क रहना हैं। भ्रष्टाचार मुक्त भारत का मुख्य विषय हमें एक ऐसा माहौल या एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें पीएनबी परिवार के सदस्य संगठन के मूल्यों के प्रति पूरी तरह समर्पित हों।"

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक ने नए डिजिटल उपायों का शुभारंभ करके सतर्कता प्रबंधन को सुदृढ़ किया।

इन नई पहलों का उद्घाटन श्री सुरेश एन. पटेल (माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त) द्वारा श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव (माननीय सतर्कता आयुक्त), श्री पी. डेनियल (सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग) और श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ की गरिमामयी उपस्थिति में पीएनबी के कॉरपोरेट कार्यालय द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में किया गया। इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार एवं श्री विजय दुबे एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी के साथ मुख्य महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ कार्यपालकगण और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह में बैंक ने सतर्कता डैशबोर्ड, स्टाफ जवाबदेही पोर्टल एवं पीएनबी सतर्कता मैनुअल 2022 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ, ने कहा कि इन डिजिटल उपायों से मानवीय हस्तक्षेप कम होगा, कर्मचारियों को सशक्त बनाया जाएगा, इससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता आएगी।

माननीय सीवीसी, श्री सुरेश एन. पटेल ने पीएनबी को भ्रष्टाचार से लड़ने और अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न डिजिटल पहलें करने के लिए बधाई दी। सीवीओ, श्री विजय कुमार त्यागी ने कहा कि ये सभी पहलें पीएनबी को अपनी कार्यक्षमता को सुदृढ़ करने तथा एक और अधिक पारदर्शी व ईमानदारी का वातावरण बनाने में सहयोग करेगी।

सतर्कता डैशबोर्ड अधिकारियों को प्रभावी तरीके से निर्णय लेने और स्टाफ जवाबदेही केंद्रित विश्लेषण करने में सशक्त बनाने के लिए विकसित किया गया है।

पीएनबी सतर्कता मैनुअल 2022- सतर्कता नियमावली पुस्तिका का नवीनतम संस्करण बैंक में अच्छे सतर्कता प्रशासन/शासन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में सहायक होगा।

स्टाफ जवाबदेही जाँच की प्रक्रिया के लिए पोर्टल – यह पोर्टल टर्न-अराउंड-टाइम (टीएटी) को कम करने के साथ स्टाफ की संपूर्ण जवाबदेही प्रक्रिया के लिए है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर पीएनबी के कॉरपोरेट कार्यालय द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सतर्कता मैनुअल का विमोचन करते हुए श्री सुरेश एन. पटेल, माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, माननीय सतर्कता आयुक्त, श्री पी. डेनियल, सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग और श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी एवं सीईओ एवं कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता दिवस के अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी द्वारा उपस्थित जन-समूह को वाघा बॉर्डर (भारत-पाक सीमा), अमृतसर के परेड स्थल पर सत्यनिष्ठा और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। दृष्टव्य हैं श्री प्रवीन गोयल,अंचल प्रबंधक, अमृतसर तथा अन्य उच्चाधिकारीगण ।

अंचल कार्यालय, दुर्गापुर द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्क एवं जागरूक बने रहने के उद्देश्य से "सतर्कता सप्ताह" के दौरान आयोजित वॉकथॉन का नेतृत्व करते हुए श्री प्रबीर कुमार ताह, अंचल प्रबंधक, दुर्गापुर।

अंचल कार्यालय एवं मंडल कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में जनजागृति करने हेतु अहमदाबाद के रिवर फ्रंट पर आयोजित वॉकथॉन में उप अंचल प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार, मंडल प्रमुख, श्री शैलेश जोशी, सतर्कता अधिकारी, श्री मनोज चौधरी तथा स्टाफ सदस्य।

मंडल कार्यालय, हुगली द्वारा आयोजित "भ्रष्टाचार मुक्त भारत-विकसित भारत" पदयात्रा में सहभागिता करते हुए मंडल प्रमुख, हुगली, श्री बिराजमान केरकेट्टा, उप–मंडल प्रमुख श्री राकेश कुमार अग्रवाल, हाइब्रिड पी.एन.बी ऋण केंद्र श्रीरामपुर, प्रमुख, श्रीमती मंदाक्रांता विस्वास, मंडल सस्त्र प्रमुख, श्री उत्तम हावलादार एवं अन्य स्टाफ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में भ्रष्टाचार का अंत करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने, संगठन के विकास एवं सत्यनिष्ठा के प्रति सचेत रहने हेतु शपथ ग्रहण कराते मण्डल प्रमुख, सोलन, श्री संजीव कुमार, उप मण्डल प्रमुख श्री सुरेश कपूर एवं अन्य।

मंडल कार्यालय, ब्रह्मपुर द्वारा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वॉकथॉन में भाग लेते हुए स्टाफ सदस्य।

उद्घाटन

शाखा बागमा, त्रिपुरा का उद्घाटन करते हुए श्री राम पद जमातिया, माननीय जनजातीय कार्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, श्री बिक्रमजित सोम, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी, श्री शिव शंकर सिंह, महाप्रबंधक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, त्रिपुरा तथा उपस्थित बैंक के अन्य अधिकारीगण।

दिल्ली के प्रगति मैदान में 41वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) में बैंक के स्टॉल का उद्घाटन करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल। स्टॉल में बैंक के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक श्री समीर बाजपेयी, महाप्रबंधकगण, श्री पी. पी. सिंह, श्री मुकेश कुमार जैन, श्री मुकुल सहाय एवं अन्य पीएनबी पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

डीबीयू, बंगाईगाँव के उद्घाटन के अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल को बैंक की तकनीकी पहल से अवगत कराते हुए श्री विजय दुबे, कार्यपालक निदेशक और श्री बिक्रमजित सोम, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी ।

शाखा मालुर, बेंगलुरु के वर्चुअल उद्घाटन के अवसर पर स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री विजय दुबे, कार्यपालक निदेशक ।

शाखा सत्याभामापुर का उद्घाटन करते हुए अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री ए.उदय भास्कर रेड्डी । द्रष्टव्य हैं श्री चित्तरंजन पुष्टी, मंडल प्रमुख, भुवनेश्वर ।

सोनपुर(सारण) में विश्व प्रसिद्ध मेला 'सोनपुर मेला' में प्रदर्शनी के स्टॉल का उद्घाटन करते हुए अंचल प्रबंधक, पटना, श्री पूर्णचन्द्र बेहरा। द्रष्टव्य हैं श्रीमती सत्यभामा बेहरा, श्री संजॉय सिन्हा, मण्डल प्रमुख, मुजफ्फरपुर।

उद्घाटन

जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट, पटना परिसर में स्थापित किये गए पीएनबी एटीएम का उद्घाटन करते हुए अंचल प्रबंधक, पटना, श्री पूर्ण चन्द्र बेहरा, मंडल प्रमुख, पटना, श्री मनोज कुमार एवं अन्य स्टाफ उच्चाधिकारीगण।

कटक मंडल की शाखा, बोइंदा का उद्घाटन करते हुए अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री ए. उदय भास्कर रेड्डी।

कोलकाता अंचल में बागुईहाटी नई शाखा परिसर का उद्घाटन श्री सुमन्त महान्ती, मुख्य महाप्रबंधक व अंचल प्रबंधक, कोलकाता के कर-कमलों से किया गया। दृष्टव्य हैं श्री शिव शंकर सिंह, महाप्रबंधक, एसएलबीसी, कोलकाता, श्री सुनील अग्रवाल, महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय-कोलकाता, श्री प्रताप केशरी मल्लिक, उप महाप्रबंधक व मण्डल प्रमुख, कोलकाता उत्तर, शाखा प्रबंधक श्री गोविंद हाँसदा तथा अन्य उच्चाधिकारीगण।

बीता गुजरा जमाना

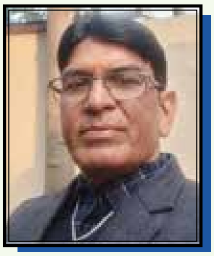

भरत लाल मीना
मुख्य प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
मंडल कार्यालय, भरतपुर

एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।
जब मैं खुली सड़कों पर बंजारों सा फिरता था ।।
तन ढंकने को ढंग का कोई वस्त्र न हुआ करता था ।
किल्लतों में भी मन मेरा हमेशा खुश रहा करता था ।।
एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।
धन-धान्य का मुझे जरुर अभाव रहा करता था ।।
फिर भी मित्रों का खजाना मेरे संग रहा करता था ।
जिनके साथ होने से हर दिन यादगार हुआ करता था ।।
एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।
जब तकलीफों का मुझ पर साया हुआ करता था ।।
तब पिताजी का मजबूत सहारा साथ हुआ करता था ।
जब भी घर में हमारे धन नहीं हुआ करता था ।।
उस समय में अपनों का बड़ा सबल हुआ करता था ।
एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।।
गुजरे जमाने का वो दौर भी क्या खूब हुआ करता था ।
जब मैं अपने खुद के जज्बातों से ही डरा करता था ।।
हर कोई उस समय प्यार की मूरत हुआ करता था ।
एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।।
बड़ों के प्रति दिलों में बड़ा सम्मान हुआ करता था ।
उनकी कही हर बात का बहुत मान हुआ करता था ।।
सबके लिए माता-पिता और गुरु भगवान हुआ करता था ।
हर कोई भोला-भाला बस इंसान हुआ करता था ।।
हृदय में सभी के सद्भाव और प्रेम हुआ करता था ।
मानवता का हर जगह साक्षात्कार हुआ करता था ।।
कठिन परिस्थितियों में मन में धैर्य हुआ करता था ।
एक जमाना जीवन का वो भी हुआ करता था ।।

अग्निवीरों के लिए बैंक की नई पहल

सीएसी लद्दाख, आर्मी बेस, लेह

जीबीवी दिल्ली, आर्मी बेस, दिल्ली

जीबीवी भुवनेश्वर, नेवी बेस, चिका

बैंक ने अग्नि रक्षक योजना के तहत भारतीय सेना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह योजना विशेष रूप से रक्षा बलों के अग्निवीरों के लिए तैयार की गई है। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान –प्रदान भारतीय सेना के दिल्ली स्थित मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल वी. श्रीहरि, एससी, एसएम, डीजी (एमपी एवं पीएस) और पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुनील सोनी के बीच हुआ। समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल सी.बी. पोन्नप्पा, एवीएसएम, वीएसएम (एडजुटैंट जनरल) ने की। इस अवसर पर पीएनबी से श्री राजीव कुमार, महाप्रबंधक, मेजर जनरल राज सिन्हा (सेवानिवृत्त) एवं सेना के अन्य सैन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस योजना को पूरे भारत वर्ष में लागू करते हुए पीएनबी के सीएसी तथा जीबीवी कार्यालय के अधिकारियों ने अग्नि रक्षक खाते खोलने के लिए देश के अनेक शहरों में शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में अग्निवीरों को पंजाब नैशनल बैंक के अधिकारियों द्वारा बैंक के अनेक उत्पादों और खाते खोलने और उससे संबंधित महत्वपूर्ण संपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। भारतीय सैनिकों ने भी इन शिविरों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की ।

सीएसी आगरा, सेना बेस, फतेहगढ़

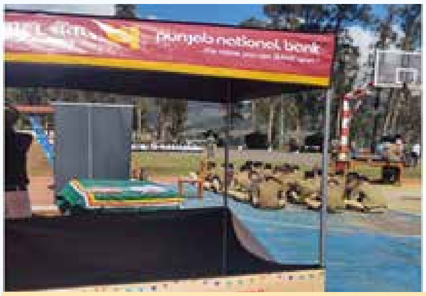
जीबीवी चेन्नई, आर्मी बेस

जीबीवी भुवनेश्वर, नेवी बेस, चिका

गिफ्ट (GIFT) सिटी में पीएनबी की उपस्थिति

शैलेश कुमार सिंह
सहायक महाप्रबंधक
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, प्रधान कार्यालय

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (International Financial Services Centers Authority) (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक) GIFT(Gujrat International Finance Tec) सिटी गाँधीनगर माननीय प्रधान मंत्री का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसकी अवधारणा सिंगापुर या DIFC दुबई के पैटर्न पर एक वैश्विक वित्तीय और आईटी सेवा केंद्र के रूप में है। यह भारत में अपनी तरह का पहला है और यह केंद्र किसी भी विश्व स्तर पर बेंचमार्क वित्तीय सेवा केंद्र के बराबर या उससे ऊपर होने की अवधारणा है। यह डीटीए (घरेलू टैरिफ क्षेत्र) और एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) में बांटा गया एक ग्रीनफील्ड विकास है। SEZ क्षेत्र IFSC (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र) है जो एक स्वतंत्र एकीकृत नियामक IFSCA (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण) द्वारा विनियमित है। IFSCA द्वारा विनियमित इकाइयों को अपतटीय इकाई का दर्जा प्राप्त है और वे विदेशी वित्तीय केंद्रों यानि सिंगापुर या DIFC आदि से बाहर स्थित किसी भी इकाई के बराबर हैं। शहर में मुख्य रूप से बैंक, पूँजी बाजार संस्थाएं, बीमा कंपनियाँ और कैप्टिव निर्माण इकाईयाँ शामिल हैं।

आज की तारीख में लगभग सभी प्रमुख विदेशी, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गिफ्ट (GIFT) सिटी में शाखाएँ हैं और प्रत्येक दिन संख्या बढ़ रही हैं। साथ ही मौजूदा बैंक भी गिफ्ट सिटी में अपने संचालन और टीम के आकार का विस्तार कर रहे हैं क्योंकि अधिक से अधिक वैश्विक व्यापार यहाँ जमा हो रहा है।

पंजाब नैशनल बैंक की गिफ्ट (GIFT) सिटी शाखा ने विभिन्न प्राधिकरणों और नियामकों से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, 08.04.2022 को अपना परिचालन शुरू किया। गिफ्ट सिटी में बैंक की शाखा का उदघाटन बैंक के एमडी एवं सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल द्वारा किया गया था। आईबीयू गिफ्ट सिटी शाखा भारत की भौगोलिक सीमाओं के भीतर स्थित बैंक की एक विदेशी शाखा की तरह नियामक, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के तहत सेवाएं दे रही है। पेश किए गए प्रमुख उत्पादों में बाहरी वाणिज्यिक उधार, भारतीय उधारकर्ताओं को क्रेता ऋण, सावधि ऋण, कार्यशील पूँजी, व्यापार वित्त और विदेशी संस्थाओं को साख और गारंटी के विदेशी पत्र शामिल हैं। शाखा विदेशी बाजारों में विदेशी मुद्राओं में व्यापार करेगी, अनिवासी स्रोतों से जमा और उधार के रूप में विदेशी मुद्राओं में धन जुटाएगी और ग्राहकों को ऋण और देयता उत्पाद प्रदान करेगी।

आईबीयू गिफ्ट (GIFT) सिटी शाखा का नेतृत्व सीईओ (एजीएम) कर रहे हैं और सीधे प्रधान कार्यालय : अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग को रिपोर्ट कर रहे हैं। आईबीयू एचएनआई (IBU HNIs)/खुदरा ग्राहकों सहित व्यक्तियों के अलावा निवासी (धन की तैनाती के लिए) और अनिवासी (संसाधन जुटाने और धन की तैनाती दोनों के लिए) संस्थाओं के साथ लेन-देन कर सकता है। आईबीयू को बचत खाता खोलने

की अनुमति नहीं है। वे अपने निवेश लेन-देन की सुविधा के लिए आईएफएससी (IFSC) और अनिवासी संस्थागत निवेशकों में संचालित इकाईयों के विदेशी मुद्रा चालू खाते खोल सकते हैं।

अंतर बैंक जमा (इंटर बैंक डिपॉजिट) को लोन बुक के जरिए या इंटर-बैंक प्लेसमेंट के जरिए डिप्लॉयमेंट के लिए जुटाया जाता है। शाखा की वित्त पोषण आवश्यकताओं को अन्य बैंकों या हमारे कोष प्रभाग (ट्रेजरी डिवीजन) से अंतर बैंक जमा (इंटर बैंक डिपॉजिट) के माध्यम से पूरा किया जाता है।

वर्तमान में, वे पीएनबी इंडिया के मौजूदा ग्राहकों को व्यापार वित्त सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और गिफ्ट (GIFT) सिटी के साथ-साथ विदेशों में भी क्रेडिट में वृद्धि के रास्ते तलाश रहे हैं। आईबीयू गिफ्ट (IBU GIFT) सिटी की स्थापना के बाद से, रूस और यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव के कारण दुनिया भर में वस्तुओं की कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति तेजी से बढ़ रही है। 2014 के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गईं, जिसके परिणामस्वरूप, हमने अमेरिका और यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति को लगभग चार दशकों के उच्च स्तर को पार करते हुए देखा है, जिससे दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को अपने दाम बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ब्याज दर अपने उच्चतर स्तर पर है और आने वाले समय में यह अनुमान है कि ब्याज दरें नीचे की तरफ आएंगीं। इससे बैंको के कारोबार में बढ़ोतरी की संभावना लगाई जा सकती है।

गाँधीनगर में गिफ्ट सिटी में फिनटेक हब स्थापित करने की दिशा में केंद्र सरकार की प्रेरणा को ध्यान में रखते हुए, हम उम्मीद करते हैं कि सुधार और विशेष रूप से गिफ्ट सिटी के लिए अनुकूल नीतियाँ बरकरार रहेंगी जिससे आईबीयू को हर मोर्चे पर कारोबार का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

किसान

संजय कुमार सिंह
उप मंडल प्रमुख
मंडल कार्यालय, मऊ

हाँ, मैं किसान हूँ
देश की मैं शान हूँ,
किताबों में महान हूँ,
पेड़ों से जो झूलता
हाँ, वही किसान हूँ।

देश की सड़कों पे मेरे
खून के धब्बे हैं गहरे,
जख्म जो कच्चे कभी थे
पैरों से किस्से रचे थे,
सूर्य भी जब जल उठा था
और एड़ियों का दम घुटा था,
हाँ तब देश को जो याद आया
मैं वही किसान हूँ,

देश की मैं शान हूँ,
बस किताबों में महान हूँ।

संविधान गूँगा पड़ा है,
देश भी तो अधमरा है
भूख से व्याकुल जमीं पर,
भूखा तिल-तिल मरा है।
देश फिर भी चुप खड़ा है,
तिरंगे में कोई बुत पड़ा है।

गोदाम में सब सड़ रहा है,
वैसे बस किसान ही तो मर रहा है,
जान जिसकी जा रही है,
हाँ, मैं वही किसान हूँ,

देश की मैं शान हूँ,
बस किताबों में महान हूँ।

अब असली इम्तिहान है,
देश का जो प्राण है,
वो माँगे अपनी जान है,
कौन कहता है
मैं किसान हूँ?
मैं ही हिंदुस्तान हूँ,
बस किताबों में महान हूँ,
बंद आँखों से ढूँढता,
अपने ख्वाबों का जहान हूँ,
हाँ, मैं किसान हूँ
देश की मैं शान हूँ।।

"महानायक अमिताभ बच्चन के जन्मदिवस पर विशेष"

डॉ. साकेत सहाय
मुख्य प्रबंधक (राजभाषा)
अंचल कार्यालय, पटना

हिंदी फिल्मों के महान अभिनेता अमिताभ बच्चन, 11 अक्टूबर, 2022 को 79 वर्ष के हो गए। कभी अमिताभ बच्चन के पिता, हिंदी के प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन ने छायावाद के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर सुमित्रानंदन पंत के सुझाव पर ही अपने पुत्र का नाम 'अमिताभ' रखा, जिसका अर्थ है कभी न मिटने वाली आभा। आज हम सभी इस आभा से परिचित हैं। अपने जीवंत अभिनय, सरल, सहज भाषा, व्यवहार के कारण सदी के महानायक के रूप में ख्यात अमिताभ बच्चन बीती आधी सदी से भी अधिक समय से भारतीय सिनेमा को सशक्तता प्रदान कर रहे हैं। जब बच्चन साहब को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, उसी समय से जुड़ा एक उद्धरण आप सभी से साझा करता हूँ। वे कहते हैं 'मैंने स्वयं से पूछा कि क्या दादा साहेब फाल्के पुरस्कार फिल्मी जीवन की सक्रियता से सेवानिवृत्ति का संकेत है तो यह गलत है मुझे अभी और बेहतर करना है।' – सच में यही जिजीविषा किसी नायक को सदैव कुछ अप्रतिम करने की प्रेरणा देती है। आप सभी याद करें दिनांक 29.12.2019 का दिन, जब उन्हें भारत के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो अपने क्षेत्र का सर्वोच्च पुरस्कार माना जाता है, पर इसकी प्राप्ति के बाद भी उनमें अजीब-सा आत्मसंतोष का भाव दिखा। साथ ही बेहतर करने का उत्साह भी दिखा। यह बेहतर करने का उत्साह ही अमिताभ को 'अमिताभ' बनाता है। उसके बाद भी वे लगातार सक्रिय हैं। कोरोना काल में भी लगातार सक्रिय रहे। संगम नगरी, प्रयागराज में जन्मे अमिताभ बच्चन के पिता, डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने आरंभ में इनका नाम इंकलाब रखा था जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रयोग किए गए प्रेरक वाक्यांश 'इंकलाब जिंदाबाद' से लिया गया था। जब पिता हरिवंश राय ने इनका नाम 'इंकलाब' रखा होगा तो पता नहीं क्या सोचा होगा ? पर एक बात तो जरूर है कि 'यथा पिता तथा पुत्र'। अमिताभ बच्चन ने अपने कार्यों से फिल्मी दुनिया के इतिहास में एक इंकलाबी पड़ाव का अध्याय तो जरूर लिख दिया है। जहाँ तक पहुँचने का ख्वाब विरले ही देख पाएंगे। यह भी सच है प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत द्वारा दिए गए नाम 'अमिताभ' के अनुरूप वे भारतीय फिल्म इतिहास के 'अमिताभ' साबित हुए। यह बहुत ही कम इंसानों के सौभाग्य में होता है जब वह अपने कार्यों से अपने नाम की सार्थकता को उजागर करें। 'अमिताभ' बनना बहुत मुश्किल होता है। सदियाँ लग जाती है, शायद यही कारण है सिने प्रेमियों ने इन्हें 'महानायक' का दर्जा दिया। अभिनय के प्रति इनकी निष्ठा, लगन, इनकी सक्रियता, रचनात्मकता, निरंतरता इन्हें अरबों में एक बनाती है। यह उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विनम्रता है कि वे अपनी हर सफलता में ईश्वर कृपा, माता-पिता का आशीर्वाद, अपने निर्माता-निर्देशकों एवं सह-कलाकारों के योगदान को जरूर गिनाते हैं और सबसे अधिक, भारत की जनता का स्नेह और निष्ठापूर्ण प्रेम। अमिताभ बच्चन का राज अपनी सहज अभिनयशीलता एवं दमदार संवाद अदायगी से करोड़ों लोगों के दिलों पर बरसों से कायम है। उनकी सर्वश्रेष्ठ फिल्में हैं – अभिमान, मिली, शोले, दीवार, मैं आजाद हूँ, जंजीर, शक्ति, आनंद, सिलसिला, ब्लैक, बागबां, पा तथा पिंक आदि। आप स्वस्थ एवं अभिनय के फलक पर निरंतर सक्रिय रहें। ईश्वर आपको दीर्घायु दें। परमपिता से यही कामना है। क्योंकि आज के दौर में आपसे बहुतों को सीख मिलती है, आपकी कार्यनिष्ठा एक संदेश है, जो बहुत बड़ी आबादी को प्रेरित करती है। आप अपनी भाषा, संस्कृति एवं लिपि के प्रति बेहद सजग हैं। 'अमिताभ' होने का यही अर्थ है।

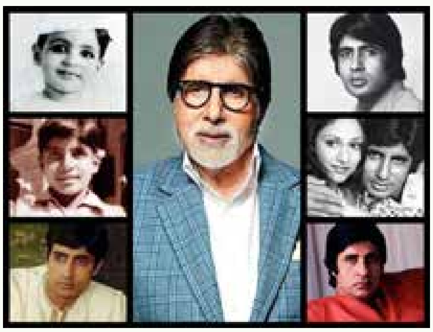

बैंक के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग उत्पाद

रोहित कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक
अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, प्रधान कार्यालय

ट्रेड फाइनेंस रिडिफाइंड पोर्टल (व्यापार वित्त पुनर्परिभाषित पोर्टल)

टेक्नॉलोजी के माध्यम से प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बैंक ने विभिन्न डिजिटल पहल की हैं। ट्रेड फाइनेंस रिडिफाइंड पोर्टल उन ऑफर्स में से एक है, जहाँ ग्राहक दस्तावेजों को स्कैन करके सीधे बैंक को भेज सकते हैं।

यह पोर्टल कई ट्रेड सेवाएं प्रदान करता है जैसे-निर्यात, आयात, विदेशी साख पत्र जारी करने, विदेशी गारंटी पत्र, बाहरी प्रेषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लेन-देन शुरू किया जा सकता है।

इस एप्लिकेशन का उपयोग करने के लिए, पोर्टल पर ग्राहक का एक यूजर प्रोफाइल बनाया जाता है और शाखा द्वारा ग्राहक को लॉगिन आईडी और पासवर्ड दिया जाता है। उक्त सुविधा ग्राहक को निःशुल्क प्रदान की जाती है। एप्लिकेशन को इंटरनेट पर एक्सेस किया जा सकता है जिसमें उपयोगकर्ता अपने क्रेडेंशियल के माध्यम से लॉगिन कर सकता है और पोर्टल का उपयोग कर सकता है।

इस एप्लिकेशन में कुछ खास विशेषताएं भी हैं जैसे सभी स्वीकृत सीमाओं के लैंडिंग पृष्ठ पर डायनेमिक डिस्प्ले, बैंक को लेन-देन की त्वरित प्रस्तुति, व्यापार लेन-देन की रीयल-टाइम स्थिति अद्यतन, महत्वपूर्ण देय तिथियों का कैलेंडर, बैंक को किये गए अनुरोध की तत्काल पावती करना।

फोरेक्स ट्रांजेक्जशन (लेन-देन) एडवाइस

यह एडवाइस एक सारांश है जिसमें विदेशी मुद्रा के तहत लेन-देन का पूरा विवरण होता है जैसे विनिमय दर, विनिमय पर जीएसटी, बैंक कमीशन, कोई अन्य विवरण।

यह सूचना ग्राहक को सीबीएस के माध्यम से पहले मैन्युअली जेनरेट करके शाखा द्वारा प्रदान की जाती है। बैंक ने इस प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया है जहाँ ग्राहक को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर सीबीएस में लेन-देन होने के बाद रीयल-टाइम पर लेन-देन की सूचना मिलती है।

आवक प्रेषण (इनवर्ड रेमिटेंस) की सूचना

बैंक ने ग्राहक पंजीकृत ईमेल आईडी पर विदेशी मुद्रा में आवक विप्रेषण की अधिसूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित किया है। यह ग्राहक को बैंक द्वारा प्राप्त आवक विप्रेषण का तत्काल विवरण प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

आई/ईडीपीएमएस (I/EDPMS)

I/EDPMS की पेंडेंसी को साझा करने की प्रक्रिया को स्वचालित करने में भी ग्राहक को विदेशी व्यापार के अंतर क्षेत्र के तहत लंबित पड़े मामलों की रीयल-टाइम स्थिति की सूचना मिलती है जोकि शिपिंग बिल, निर्यात के बदले आवक प्रेषण, बिल ऑफ एंट्री और आयात के बदले जावक प्रेषण हैं।

फोरेक्स (एफएक्स)-रिटेल पोर्टल

एक्सचेंज रेट की रीयल-टाइम पहुँच प्रदान करने के लिए, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड ने एक पोर्टल का शुभारंभ किया है जहाँ पंजीकृत उपयोगकर्ता विदेशी मुद्रा की वास्तविक समय की अस्थिरता/उतार-चढ़ाव को देख सकता है और विभिन्न परिपक्वताओं पर विदेशी मुद्रा की खरीद/बिक्री जैसे लेन-देन भी कर सकता है।

इस प्रयोजन के लिए, ग्राहक को वेबसाइट https://www.fxretail.co.in पर पंजीकरण करना होगा ।

पंजीकरण के बाद, आवेदन पत्र संबंधित शाखा में जमा किया जाता है और बाद में उपयोगकर्ता की प्रोफाइल बनाने के लिए शाखा द्वारा ट्रेज़री को अग्रेषित किया जाता है। ट्रेजरी यूजर प्रोफाइल बनाता है और ग्राहक के साथ विवरण साझा करता है।

ऑनलाइन ऋण आवेदन सुविधा

कोई भी मौजूदा ग्राहक या भावी ग्राहक जो अपनी कारोबारी आवश्यकता के लिए निर्यात ऋण सुविधा का लाभ उठाना चाहता है, वह निम्न डिजिटल माध्यम से आवेदन जमा कर सकता है

- बैंक की कॉरपोरेट वेबसाइट (www.pnbindia.in)
- इंटरनेट बैंकिंग
- मोबाइल बैंकिंग

इन चैनलों के माध्यम से प्राप्त आवेदन पत्र को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु सीधे प्रधान कार्यालय: अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग एवं अंचल कार्यालय को भेजा जाता है।

समर्पित ग्राहक सेवा डेस्क (डेडिकेटेड कस्टमर केयर डेस्क)

ग्राहकों की शिकायतों का निस्तारण करने और बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए, बैंक ने विदेशी मुद्रा संबंधी शिकायतों को प्रस्तुत करने के लिए समर्पित ईमेल आईडी eximcust@pnb.co.in बनाई है। इस ईमेल आईडी पर प्रस्तुत शिकायतों का आवश्यक समाधान विशेष रूप से प्रधान कार्यालय, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग द्वारा किया जाता है।

बैंक ने व्यापार संबंधी मुद्दों में सहायता एवं जानकारी के लिए व्यापार वित्त केंद्र में समर्पित डेस्क भी बनाया है और इस समर्पित डेस्क के अधिकारियों के संपर्क विवरण बैंक की वेबसाइट पर विदेशी मुद्रा सहायता डेस्क के तहत हैं।

ग्राहकों के लिए उपलब्ध अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं

बैंक ने हाल ही में फोरेक्स करेंसी को युक्ति संगत बनाया है और समकक्ष बैंकों की तुलना में प्रतिस्पर्धी सेवा प्रभारों पर सेवाएं प्रदान कर रहा है।

बैंक एक्सपोर्ट गोल्ड कार्ड भी ऑफर कर रहा है, जहाँ ग्राहक को आरंभ से ही अतिरिक्त 20% स्टैंडबाय लिमिट स्वीकृत की जाती है तथा बैंक ब्याज दर पर भी 25 बीपीएस की अतिरिक्त छूट दी जाती है।

नेट बैंकिंग के माध्यम से विदेशी जावक विप्रेषण (फोरेन आउटवर्ड रेमिटेंस थ्रू नेट बैंकिंग अंडर एलआरएस)

बैंक ने LRS योजना के अंतर्गत विदेशी जावक भेजने की प्रक्रिया को डिजिटलाइज कर दिया है। कोई भी व्यक्तिगत ग्राहक स्वीकार्य उद्देश्य के लिए अपने नेट बैंकिंग के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

इस चैनल के माध्यम से 10,000 अमेरिकी डॉलर या उसके समतुल्य अन्य करेंसी में सिंगल ट्रांजेकशन किया जा सकता है। एक वित्तीय वर्ष में इस चैनल के माध्यम से सभी जावक विप्रेषण का कुल मूल्य 1,00,000/- अमेरिकी डॉलर होगा। दोनों सीमाएं प्रति वित्तीय वर्ष 2,50,000 अमरीकी डॉलर की एलआरएस सीमा या इसके समतुल्य के भीतर लागू होंगी।

उद्देश्य: उपहार (S1302), दान (S1303), यात्रा (व्यापार-(S0301), तीर्थयात्रा-S0303, चिकित्सा उपचार-(S0304), शिक्षा-(S0305), देखभाल-(S1301)।

अनुमत मुद्राएं: यूएस डॉलर(USD), ग्रेट ब्रिटेन पाउंड (GBP), यूरो(EUR), कैनेडियन डॉलर (CAD), ऑस्ट्रेलियन डॉलर AUD, जापानी येन (JPY), हांगकांग डॉलर (HKD), सिंगापुर डॉलर (SGD), स्विस फ्रैंक (CHF), स्वीडिश क्रोन (SEK), अमीरात दिरहम (AED) और न्यूजीलैंड डॉलर (NZD)

वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड (विश्व यात्रा कार्ड)

बैंक उन व्यक्तियों के लिए वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड जारी कर रहा है जो यात्रा, शिक्षा, चिकित्सा उपचार, व्यवसाय की आवश्यकता आदि जैसे उद्देश्यों के लिए विदेश यात्रा करना चाहते हैं। वर्ल्ड ट्रेवल कार्ड (डब्ल्यूटीसी) तीन अलग-अलग मुद्राओं यानि यूएस डॉलर, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और यूरो में जारी किए जाते हैं।

एनआरआई (NRI), एफसीएनआर (FCNR) एंड एनआरओ (NRO) जमायें (Deposits)

हमारा बैंक एनआरआई और एफसीएनआर जमा राशियों पर समकक्ष बैंकों में सर्वोत्तम ब्याज दर ऑफर कर रहा है। बैंक के पास संबंधित पूछताछ, खाता खोलना, अनिवासी भारतीयों द्वारा सेवाओं के आवेदन हेतु एनआरआई सेल के रूप में समर्पित डेस्क भी है जोकि अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, प्रधान कार्यालय के अंतर्गत कार्य करता है।

जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है प्रसन्नता।
यह जिसने हासिल कर ली उसका जीवन सार्थक हो गया।।

जयशंकर प्रसाद

हमें गर्व है

पंजाब नैशनल बैंक के मंडल कार्यालय, नोएडा में पदस्थापित मंडल प्रमुख, श्री प्रभात रंजन प्रधान और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रियंका प्रधान ने दार्जिलिंग जिले में आयोजित हिमालय पर्वत श्रृंखला की 12000 फीट की दुर्गम ऊँचाई पर पाँच दिनों की 100 किलोमीटर दौड़ और ट्रैक में सहभागिता की। इसमें भारत के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, ऑस्ट्रिया, नॉर्वे, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, फिलीपींस से महिला और पुरुषों ने प्रतिभागिता की।

श्री प्रभात रंजन प्रधान और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रियंका प्रधान ने अदम्य साहस और जबरदस्त खेल भावना का परिचय देते हुए दुर्गम स्थान पर अपने स्वास्थ्य और शारीरिक कष्टों और तमाम बाधाओं की परवाह न करते हुए अंत तक प्रतियोगिता में डटे रहते हुए प्रतियोगिता को पूरा किया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस से ही प्रतिभागियों को अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ा जिसमें 6000 फीट की ऊँचाई की दुर्गम चढ़ाई करते हुए 22 किलोमीटर की दूरी तय करने जैसा

लक्ष्य शामिल था। 6000-12000 फीट की ऊँचाई सुनते ही लोगों के मन में भय व्याप्त हो जाता है। इतनी ज्यादा ऊँचाई जहाँ ऑक्सीजन का स्तर भी काफी कम होता है और हड्डियों तथा खून को जमा देने वाली ठंड तथा चढ़ाई के कारण शरीर थक जाता है और यदि आपके कंधों पर कुछ बोझ भी हो तो ऐसे में आपकी हिम्मत जल्दी जवाब दे जाती है। परन्तु इन सभी परेशानियों के बावजूद इस दम्पति ने प्रथम दिवस की चुनौती को हँसते-हँसते पूरा करते हुए सफलता अर्जित की। जोकि उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन का परिचायक था दुर्भाग्यवश पहले ही दिन श्री प्रभात रंजन प्रधान का स्वास्थ्य खराब हो गया ऐसे में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रियंका प्रधान ने न केवल उनका पूरा ध्यान रखा बल्कि उनका हर क्षण मनोबल बढ़ाते हुए इस दौड़ को हँसते हुए पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इन पाँच दिनों में इस दम्पत्ति ने लोगों को अनेकों पीड़ाओं और कष्टों में देखा और स्वयं भी उनसे दो-चार हुए। कहते हैं जहाँ चाह होती है वहाँ राह होती है। प्रधान दम्पति ने पूरे मनोयोग और इच्छाशक्ति के बल पर 5 दिनों में 100 किलोमीटर की दौड़ एवं ट्रैक को पूरा कर यह साबित कर दिया

कि यदि हम चाहे तो क्या नहीं कर सकते सिर्फ आवश्यकता है तो आत्म संकल्प और दृढ़ इच्छा शक्ति की। अंतिम दिन श्रीमती प्रियंका प्रधान को सभी प्रतिभागियों में सबसे हँसमुख व्यक्तित्व और सर्वश्रेष्ठ मुस्कान का पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री प्रभात रंजन प्रधान को इस प्रतियोगिता के पूर्ण करने के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रधान दम्पति की यह उपलब्धि न केवल पीएनबी परिवार के प्रत्येक सदस्य बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है और हमें कठिनाईयों में भी हँसते रहना सिखाती है। पीएनबी प्रतिभा परिवार श्री प्रभात रंजन प्रधान और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रियंका प्रधान के इस हौंसले और जज्बे को सलाम करता है और उनके सुखद भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।

सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली (बैंक) नराकास में पुरस्कार वितरण

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा आयोजित दिल्ली (बैंक) नराकास की 57वीं छमाही बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर दिल्ली (बैंक) नराकास की गृह पत्रिका "बैंक भारती" के 28वें अंक का विमोचन करते हुए सुश्री अंशुली आर्या(आईएएस), सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री समीर बाजपेयी, अध्यक्ष-दिल्ली (बैंक) नराकास तथा मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक (दिल्ली), विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र मेहरा, सहायक निदेशक(कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री नरेन्द्र बजाज, प्रधानाचार्य, कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली, पंजाब नैशनल बैंक, श्रीमती मनीषा शर्मा, सदस्य सचिव, अध्यक्ष दिल्ली (बैंक) नराकास एवं श्री बलदेव कुमार मल्होत्रा, मुख्य प्रबंधक।

दिल्ली बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 57वीं छमाही बैठक **सुश्री अंशुली आर्या (आईएएस), सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।** कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री समीर बाजपेयी, अध्यक्ष-दिल्ली (बैंक) नराकास तथा मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक (दिल्ली), पंजाब नैशनल बैंक ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र मेहरा, सहायक निदेशक(कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री नरेन्द्र बजाज, प्रधानाचार्य, कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली, पंजाब नैशनल बैंक, श्रीमती मनीषा शर्मा, सदस्य-सचिव, दिल्ली बैंक नराकास एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), पंजाब नैशनल बैंक, दिल्ली (बैंक) नराकास के सभी सदस्य बैंकों/बीमा कंपनियों/वित्तीय संस्थानों के स्थानीय कार्यालय प्रमुख व राजभाषा प्रभारी भी उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता सदस्य बैंकों के अधिकारियों को पुरस्कृत करते हुए सुश्री अंशुली आर्या(आईएएस), सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री समीर बाजपेयी, अध्यक्ष-दिल्ली (बैंक) नराकास तथा मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक (दिल्ली)।

बैठक में श्रीमती मनीषा शर्मा, सदस्य-सचिव, दिल्ली (बैंक) नराकास एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), पंजाब नैशनल बैंक ने दिल्ली (बैंक) नराकास की गतिविधियों एवं नवोन्मेषी कार्यों से सभी को अवगत करवाया एवं इसे देश कि सर्वश्रेष्ठ नराकास बनाये रखने के लिए सभी से निरंतर प्रयास करने हेतु अनुरोध किया। बैठक के दौरान दिल्ली (बैंक) नराकास की गृह पत्रिका "बैंक भारती" के 28वें अंक तथा पीएनबी अंचल कार्यालय, नई दिल्ली की पत्रिका "दीपस्तंभ" एवं यूनियन बैंक, दिल्ली की पत्रिका "यूनियन महक" का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर दिल्ली (बैंक) नराकास राजभाषा शील्ड एवं अन्य

प्रतियोगिताओं के विजेता कार्यालयों एवं प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। द्वितीय सत्र में, दिल्ली (बैंक) नराकास के स्टाफ सदस्यों ने काव्य पाठ द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध किया। प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत भी किया गया।

इस अवसर पर **सुश्री अंशुली आर्या, सचिव(आईएएस), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने दिल्ली बैंक नराकास को "राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार" प्राप्त होने के लिए बधाई दी तथा भविष्य में इस उपलब्धि को बनाए रखने की आशा की।** उन्होंने दिल्ली (बैंक) नराकास के द्वारा राजभाषा हिंदी के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में बैंकों, बीमा कंपनियों एवं वित्तीय संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हमें नवोन्मेष युक्तियों को अपनाना होगा। उन्होंने स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षित करने हेतु पारंगत पाठ्यक्रम एवं कंठस्थ ई-टूल्स को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने के निदेश दिए। श्री नरेन्द्र मेहरा, सहायक निदेशक(कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, ने कहा कि हमें मूल रूप से हिंदी में कार्य को बढ़ावा देना चाहिए।

श्री समीर बाजपेयी, अध्यक्ष-दिल्ली (बैंक) नराकास एवं अंचल प्रबंधक (दिल्ली) ने दिल्ली (बैंक) नराकास को "राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार" प्राप्त होने पर सभी सदस्य कार्यालयों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आप सभी के संयुक्त प्रयासों से ही संभव हो पाया है। उन्होंने सचिव महोदया को आश्वस्त किया कि दिल्ली (बैंक) नराकास भविष्य में भी राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए हर संभव प्रयास करेगा। सभी सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक विकास के लिए हरसंभव प्रयास करें ताकि दिल्ली (बैंक) नराकास, सर्वश्रेष्ठ नराकासों में अपने सर्वोच्च स्थान को कायम रख सके।

इस कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन श्री बलदेव कुमार मल्होत्रा, मुख्य प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक द्वारा किया गया। अंत में श्री नरेन्द्र बजाज, प्रधानाचार्य, कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली, पंजाब नैशनल बैंक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही बैठक सम्पन्न हुई।

पॉवर सेविंग स्कीम

- पात्रता – केवल महिलाओं के लिए
- प्रथम वर्ष हेतु छोटे लॉकर के किराए पर 25% छूट
- आवास ऋण, वाहन ऋण तथा वैयक्तिक ऋण लेने हेतु डॉक्यूमेंटशन प्रभारों में 100% छूट
- *पांच लाख तक का मुफ्त वैयक्तिक दुर्घटना बीमा (*डेबिट कार्ड पर 2 लाख रुपये के बीमे सहित)

*नियम व शर्तें लागू

बैंक को गृह मंत्रालय से 11 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ. मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं आयकर आयुक्त, अमृतसर की उपस्थिति में उत्तर क्षेत्र – I तथा उत्तर क्षेत्र-2 के 'संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह' का आयोजन दिनांक 03 नवंबर 2022 को अमृतसर पंजाब में किया गया। सम्मेलन में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर क्षेत्र – I तथा उत्तर क्षेत्र-2 के अंतर्गत पंजाब नैशनल बैंक के विभिन्न कार्यालयों को कुल 11 पुरस्कार प्राप्त हुए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,दिल्ली (बैंक) को वर्ष 2020-21 के लिए प्राप्त पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री संजय कांडपाल, महाप्रबंधक एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक- राजभाषा)।

मंडल कार्यालय, श्रीनगर को वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के लिए प्राप्त पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री नीरज कुमार आनंद, मंडल प्रमुख, श्रीनगर तथा मंडल कार्यालय जम्मू को वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के लिए प्राप्त पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री रुपिंदर कुमार, उप मंडल प्रमुख, जम्मू।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लुधियाना (बैंक) को वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के लिए द्वितीय पुरस्कार एवं अंचल कार्यालय, लुधियाना को प्राप्त पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री संजीव सिंगला (ए.जी.एम) अंचल कार्यालय, लुधियाना एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्री राजबीर डांडे (मुख्य प्रबंधक- राजभाषा)।

राजभाषा-क्षेत्रीय पुरस्कार

नराकास, चंडीगढ़ को वर्ष 2020-21 के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्रीमती स्नेह सिंगला, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्री संजीव जैन, मुख्य प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, जोधपुर को वर्ष 2021-22 के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री दिलीप पटनायक, उप महाप्रबंधक, मंडल कार्यालय, जोधपुर एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्री राम मीणा, प्रबंधक।

मंडल कार्यालय, कानपुर को वर्ष 2021-22 के लिए तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री एस. यू. खान, मुख्य प्रबंधक एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्री मान सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा।

हारना सबसे बुरी विफलता नहीं है, कोशिश ना करना ही सबसे बड़ी विफलता है।

- जार्ज ऐडवर्ड वुडबेरी

राजभाषा गतिविधियाँ

संयुक्त हिंदी माह के समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करते हुए मुख्य अतिथि अंचल प्रबंधक, चंडीगढ़ अंचल, श्री संदिप कुमार पाणिग्रही, मंडल प्रमुख, चंडीगढ मंडल, श्री सुधीर कुमार एवं मुख्य अतिथि श्री प्रवीण गुगनानी, प्राचार्य राजकीय आदर्श विद्यालय, चंडीगढ़ सैक्टर-47।

राजभाषा मुख्य समारोह के दौरान गीत गायन प्रतियोगिता में उप अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री जन्मेजय दीक्षित को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार प्रदान करते हुए अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री ए.उदय भास्कर रेड्डी एवं उप अंचल प्रबंधक, श्री उमाकान्त दास।

बैंक नराकास, अहमदाबाद राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता वर्ष 2021-22 हेतु पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान करती हुए डॉ. सुश्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक तथा श्री पी. के. बाफना, अध्यक्ष, नराकास, बैंक ऑफ़ बडौदा, पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रमुख,अहमदाबाद एवं श्रीमती वसुधा गोखले, मुख्य प्रबंधक।

पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, मेरठ द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), मेरठ के तत्वावधान में आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. विवेक सिंह,सहायक प्रोफेसर,आईआईएमटी, मेरठ का स्वागत करते हुए श्री संजीव श्रीवास्तव, उप अंचल प्रबंधक तथा श्री दिनेश मित्तल, उप महाप्रबंधक, आंचलिक लेखा परीक्षा कार्यालय, मेरठ।

दिनांक 03.12.2022 को मंडल कार्यालय-कोलकाता उत्तर के सभागार में आयोजित, हिन्दी कार्यशाला सह संगोष्ठी एवं त्वरित अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री प्रताप केशरी मल्लिक, उप महाप्रबंधक व मंडल प्रमुख विशिष्ट अतिथि वक्ता श्री नवीन प्रजापति, वरिष्ठ सलाहकार, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम, कोलकाता का पुष्प-गुच्छ से स्वागत व अभिनंदन करते हुए।

मुंबई (बैंक) नराकास द्वारा अंचल कार्यालय, मुंबई को मुंबई (बैंक) नराकास, की ओर से वर्ष 2021-22 के लिए उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार पराशर, उप निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई से राजभाषा शील्ड प्राप्त करते हुए श्री पुष्कर कुमार तराई, महाप्रबंधक।

स्त्री-जीवन चक्र

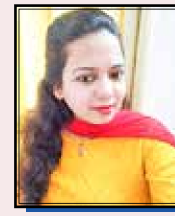

गीतांजलि
वरिष्ठ प्रबंधक
सतर्कता विभाग, प्रधान कार्यालय

है मासूम वो,
चंचल मन और कोमल तन,
है अंजान दुनिया की भीड़ से,
है सवालों से भरा उसका मन ,
है अभी वो एक कली ,
है अभी कच्ची वो,
हाँ है एक मासूम **बच्ची** वो!

वक्त गुजरा,,,
हुए सवाल अब कुछ कम,
फिर भी है परेशान सा मन,
मन मगर है तितली-सम,
उड़ना चाहे बिन पंख,
इधर से उधर – उधर से इधर,
उड़ना चाहे हर दम,
है वो कली अभी थोड़ी सी खिली,
है अभी अधखिले फूल सी वो,
हाँ है एक अल्हड़ **किशोरी** वो!

कुछ और वक्त गुजरा,,,
हुए सवाल लगभग खत्म,
अब लगी है जवाब,
ढूँढने वो,
खिल गई है पूरी कली वो,
आ गई है नजरों में भंवरों के वो,
माली को उसके अब,
लगा सताने है डर ,
हर पल हर डगर पर अब,
उसपे रखी जाने लगी है नज़र,
है तमन्ना उस कली की ,
आसमाँ को छूने की,
मगर है हसरत उसके माली की,
बस जाए गृहस्थी उस प्यारी कली की,
है बुने कई सपने उसने,
मगर है कुदृष्टि सपनों पे,
उसके ही अपनों की,
मगर है एक प्रफुल्लित **नवयुवती** वो!

वक्त कुछ और अधिक गुजरा,,,
था उसका माली भी गया गुजर,
थोड़ी टूट गई वो,
हो गई थोड़ी अंदर से वो जर्जर,
हैं बहते अश्कों के निर्झर,
अब सवाल हैं खत्म से,
जो होती भी है कुछ शिकायतें मन में,
नहीं करती है वो ज़ाहिर वो जग में,
सपने रह गए उसके अधूरे,
ख्वाहिशों ने भी ली चादर मौन की ओढ़,
मन है एकदम शांत,
है नहीं किसी बात की अब होड़,
हुई है अंतरात्मा झील-सम,
साथ लाई सहनशक्ति सह सके जो हर विषम,
नहीं आती माथे पर कोई शिकन,
जिम्मेदारियों की नदी लगी बहने हरदम,
बना लिया है जीवन अपना माली-सम,
हाँ है एक जिम्मेदार **स्त्री** वो!

फिर और अधिक वक्त गुजरा,,,
खिला दिया उसने अपने अंशपुष्प को,
और किया शुरू फिर एक नए सफर को,
भुलाने लगी है बीते गमगीन पल,
पर नहीं बदले हैं उसके कई जीवन-प्रश्न,
हैं कईं अधूरे उसके स्वप्न,
अब है, एक मातृत्वपूर्ण **स्त्री** वो!

नहीं बदले हैं वो पारंपरिक धरती ओ गगन,
जिसमें जीना चाहती है वो, होके निडर होके मगन,
मगर कब जिएगी स्त्री उस तरह,
चाहती है वो जिस तरह,
जब नहीं जरूरी होगा उसके लिए,
कहलाये वो नूर-हूर या कोई अप्सरा,
है दरकार उस तेजस्विनी सृष्टि की,
जो दे आयाम उसकी हर अभिव्यक्ति को,
हाँ है **कल्पना एक ओजस्विनी स्त्री की** वो!
जो करे प्रहार हर विकट परिस्थिति पर!

मुर्दा साँस (व्यंग्य-कथा)

अभीक सिंह
मुख्य प्रबंधक
सुरक्षा प्रभाग, प्रधान कार्यालय

"मैं पूछता हूँ ज़नाब, अपनी ही साँस पी-पी कर अपनी ही सिम्त बढ़ने रहने में भला जिंदगी है क्या, ये तो खुद को क़तरा-क़तरा कम करने की बेवकूफ क़वायद से अधिक कुछ नही। जो ज़हर क़ुदरत बाहर निकालने को कहती है, उसे आप कहते हो कि पीते रहो, हर वक़्त-हर लम्हा, वरना मारे जाओगे, अलबत्ता ज़हर पीने में जैसे कौन-सी ज़िन्दगी की बू है, मरना तो वैसे भी है एक दिन, मुँह नाक पे पर्दा बांधे, ज़ीने चढ़ने में साँस ऐसी बिगड़ी एक दिन, जैसे अब कभी वापस नही मिलेगी, आँखे मुँह के रास्ते बाहर निकलने को आमादा हो गई। मुँह से नोच कर फेंक डाला पर्दा और कर डाला साँसों को दुरुस्त।"

बहार फ़जां में हवा नहीं थी लेकिन चलते वक़्त चेहरे पर अजीब-सी, मगर नर्म-सी नमी थी और चेहरे पर थी खिली-सी मुस्कराहट जो लोगों को बरबस ही दिख पड़ रही थी क्योंकि सब लोग नाक तक परदेदारी में थे और अकेला मैं, सबको मुँह चिढ़ाता जैसे – बेलौस। बाज़दफ़ा, ज़रूरत से ज़्यादा समझदार लोग टोक भी देते – "भाईसाब, मास्क कहाँ है आपका" उन्हें कैसे समझाता कि अभी-अभी मरते-मरते बचा हूँ, यह कह कर बचता चला- "मास्क ही खरीदने जा रहा हूँ ज़नाब"

"मास्क कल्चर के इस दौर में आजकल लोग सीधे घूरते हैं आँखों में, आँखों के सिवा कुछ और दिखता भी तो नही"

"हाँ, जिसे देखा...मेरा मतलब है घूरा जाता है उसकी प्रतिक्रिया भी तो नही दिखती"

"आँखों का महत्व बढ़ गया है"

"इनका महत्व तो पहले भी था"

"हाँ, लेकिन इन्हें अब अधिक मेहनत करनी पड़ती है, क्यूँकि अब चेहरे की दूसरी त्वचा इनकी कोई मदद नही कर पाती"

"हम्म...आँखों के सूरमे की बिक्री में भी इज़ाफ़ा हुआ होगा हज़रत"

"भले चाहे सुर्खी-लाली धरी की धरी रह जावे"

अपने घरों में लोग यूँ दुबके पड़े हैं जैसे

बाहर फ़जां में उनका अपना जहाँ नही है....

ऐसी ही बातों का तसव्वुर करता मैं अपने घर की तरफ निकला और जब तक घर पहुँचता उससे पहले ख़बर तसदीक हो गई कि मेरी बीबी और मेरे बच्चे सभी कोरोना की ज़द में आकर गिरफ़्तार हो कर सरकारी अस्पताल भेजे जा चुके हैं, लिहाज़ा मेरे लिए मुनासिब हुआ कि अब सीधे अस्पताल ही जाया जाए। अस्पताल पहुँचते ही मुझे पकड़ लिया गया और बा-ज़बर कोरोना जाँच करने लगे। मेरे ऊपर गुनहगारी चस्पा करने की उनकी नियत ऐसी यक़ीनी थी कि मान ही बैठे थे – मैं बीमार हूँ और नेक समाज का दुश्मन भी। खैर अगले ही दिन कोरोना का परिणाम भी आ गया और मैं बा-इज्ज़त बरी भी हो गया। वही यक़ीनी लोग जिन्होंने मुझे कल ख़ुदा का खौफ़ याद दिलाया था अब मुझे हैरत और जलन से देख रहे थे और मैं अपना मास्क नाक से नीचे ढीला करता उनकी तरफ ठंडी मुस्कान फेंकता चलता बना। अलबत्ता मेरी बीबी और मेरे बच्चे कोरोना की ज़द में अब भी बीमार थे लेकिन मैं उन्हें देख भी न सका।

अस्पताल से निकल कर सीधा सड़क पर आया और चलने लगा, मास्क ढीली कर ली, फिर चला, ठोढी पर कुछ कसाव लगा तो फिर मास्क को सीधा नीचे कर गर्दन पर झूलने दिया और मदमस्त चलने लगा। चलते- चलते एकबारगी लगा कि किसी बाज़ार के बीचों-बीच गुज़र रहा हूँ। लोगबाग़ नज़दीकियों में गाफ़िल थे लेकिन मास्क सबने लगाया हुआ था और सबने पेशानियों पर यह गुमान भी चस्पा कर रखा था कि मास्क है तो कोरोना से बचे रहेंगे।

"हम तो उस दौरे-सुखन की पैदाईश ठहरे जब पुरवाई हवा पी-पी कर दिन-दिन भर घमियाते घूमते थे, चना चबेना खाते, भैसों को हाँक लगाते..."

"लेकिन अब तो क़यामत के दिन करीब ठहरे हज़रत"

"किस मुगालते में हो मियाँ, बदरी कहाँ बदलेगी, बरस के रहेगी "आपकी बातें आप ही समझो हज़रत, मगर हुकूमत अपनी ज़वाबदारी का कुछ तो ख़याल करेगी, कि लोगबाग़ मास्क लगा रहे हैं कि नही, सोशल डिस्टेंसिंग हो रहा है कि नहीं..."

"अगरचे इस खां-म-खां की ख्यालदारी से एक ढेला न खिसकने का, जाने तो जा ही रही हैं, चाहे ऐसे या वैसे, हाँ... नाम मगर कमबख्त कोरोना का ही खराब हो रहा है...। तो ज़नाब मैं कह रहा था कि जब पके हुए फ़सलात की सौंधी महक, पानी से पटे ज़मीनों की बू और अगली फसल के लिए खेतों को फिर से तैयार करते रैयतों के पसीने की चमक फिज़ां में घुला करतीं थी, महामारियाँ तो तब भी आती थी, अगरचे यूँ मुँह छुपाने की नौबत हमारे ज़माने में कभी न आई और अब भी न आती, अगर लोगबाग इतने आरामपरस्त न हुए होते... चुनांचे मैं कहता हूँ ज़नाब – गाँवों में देखा जाए जहाँ जवान लड़के वॉलीबॉल और फुटबॉल खेल रहे हैं, कहीं-कहीं तो क्रिकेट भी, पसीना-पसीना, तर-ब-तर हो रहे हैं। वे कहकहे और ठहाके लगाते हैं इस कमबख्त कोरोना पर, उससे ग़मगीन नही होते, साँस-दर-साँस भरपूर ज़िंदगी, सरपट दौड़ती है बेलौस"

"कुछ भी हो मियां हज़रत, अभी के सूरते-हाल में मैं तो यही दरियाफ़्त करूँगा कि मास्क पहना करें, सोशल डिस्टेनसिंग रखें और हाँ, बाज़दफ़ा दोनो हाँथों को बराबर सैनीटाईज्ड भी करते रहा करें"

"ज़नाब, अब इस उमर में हमसे न कराएं ये सब, मैं मास्क अपने कुर्ते की ज़ेब में रखता हूँ, किसी ने टोका तो पहन लिया, नही तो मास्क बेचारा कुर्ते की जेब में रुमाल बना बैठा है, खुल कर घूमता हूँ बाजार-दर-बाज़ार, चौक-चौबारे, तमाम डरे हुए, मुँह ढांपे लोगों पर अपनी हँसी फेंकता हूँ और बदले में ज़ाहिलों का जमाती कहला दिया जाता हूँ, लेकिन इससे कुछ अधिक फ़र्क नही पड़ता, मैं हर दफ़ा अपनी ताज़ा साँसों के साथ जी रहा हूँ, मुर्दा साँसे उन्हें मुबारक़"।

रिश्ते

रिश्ते कुछ अपने कुछ बेगाने से
लगते कभी किस्से कभी फ़साने से
खींचते हैं अपनी ओर कई बहाने से
कभी लगता ये हैं बरसों ज़माने से
निभाए नहीं जाते ये बस निभाने से
और भुलाए नहीं जाते सिर्फ भुलाने से
बनता नहीं कोई साथी सिर्फ साथ आने से
आती हैं यादें किसी अपने के चले जाने से
खिल उठता है दिल अपनों के मुस्कुराने से
और बनता है रिश्ता गैरों को गले लगाने से
होती है कद्र रिश्तों में दूरी मिट जाने से
रिश्तों से भर जाते हैं जख्म नए पुराने से
रिश्ते कुछ अपने कुछ बेगाने से
लगते कभी किस्से कभी फसाने से

निशांत कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक
पीएफ एवं पेंशन विभाग,
प्रधान कार्यालय

पुस्तक समीक्षा – पगडंडी में पहाड़

हृदय कुमार
राजभाषा अधिकारी
राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय

लेखक: जय प्रकाश पाण्डेय (आई.आर.पी.एस., निदेशक, स्कूली शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, प्रकाशक: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, मूल्य:- 575 रुपए।

उत्तराखंड में फैली हुई प्राकृतिक सुंदरता का दर्शन कर उसके प्रति अपने मनोभावों को सुंदर ढंग से उकेरते हुए लेखक एवं कवि श्री जय प्रकाश पाण्डेय ने अपनी पुस्तक 'पगडंडी में पहाड़ (यात्रा वृत्तांत) के माध्यम से प्रकृति और उसमें छुपी हुई सुंदरता का साक्षात्कार कराने का सफलतम प्रयास किया है। उत्तराखंड के विभिन्न स्थलों में की गई अपनी यात्राओं के दौरान उन्होंने प्रकृति और उसकी सुंदरता का जिस प्रकार वर्णन किया है उससे पाठक वर्ग अपने आपको इनसे जुड़ने से नही रोक पाता और उसके मन में भी उन्हें देखने की लालसा जागृत होने लगती है। लेखक ने उत्तराखंड की प्रकृति और इसके स्थानीय निवासियों के बीच बिताये गए यादगार पलों को बहुत ही रोचक और मनमोहक ढंग से कलमबद्ध किया है जिसके कारण कहीं न कहीं हमारे भी मन में उत्तराखंड को नजदीक से जानने की जिज्ञासा हिलोरे मारने लगती है। लेखक ने हिमालय और उसके आसपास के क्षेत्र के वातावरण को बहुत ही रुचिकर ढंग से वर्णित किया है जोकि उनकी भाषा पर पकड़ को दर्शाता है जैसे "हिमालय की वादियों का एक-एक पत्थर, चट्टान बोलता है। चीड़ देवदार के पेड़ों की प्रत्येक पत्ती शरारत करती है और इसकी हरियाली आप में प्राण डाल देती है। झरने गीत गाते हैं, हवाएं संगीत देती हैं, पुष्प मुस्कराते हैं और विस्तृत फैली वादियाँ बाहें फैलाये सदियों से न जाने किसका इंतजार कर रही हैं। "पंक्तियों के माध्यम से उनके प्रकृति प्रेम और उनके सूक्ष्म एवं गहन अध्ययन का दर्शन होता है और कहीं न कहीं पाठकवर्ग भी अपने आपको प्रकृति से खुद को जुड़ा हुआ अनुभव करता है और यह सोचने के लिए विवश हो जाता है कि शहरों में हम जो जीवन जी रहे हैं वो सही है या जो प्रकृति के बीच रहकर जिया जा सकता है वो सही है।

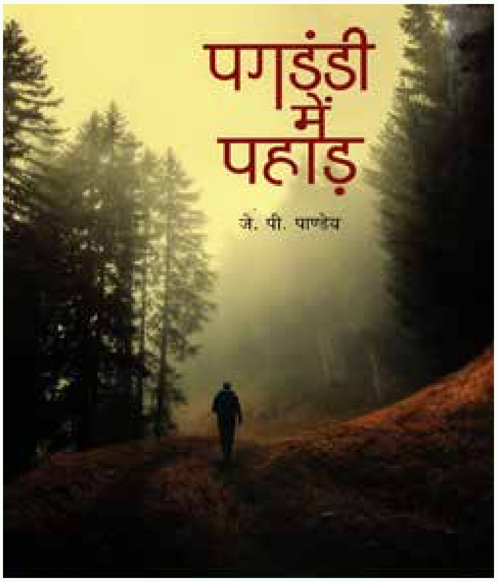

पुस्तक के माध्यम से आप उत्तराखंड की वर्षो पुरानी लोक संस्कृति, उसके इतिहास और वहाँ के लोगों के रहन-सहन से भी परिचित हो पाएंगे।

पगडंडियों की यात्राओं के दौरान उन्होंने अनेक नदियों, झरनों, प्रपातों और ग्लेशियरों के दिव्य स्वरूप का दर्शन किया जिसे उन्होंने लेखनी के माध्यम से कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया है कि "गंगोत्री का नजारा अविस्मरणीय था। गंगोत्री ग्लेशियर से उतरती पतित पावनी माँ गंगा, जिनके दर्शन मात्र से समस्त पाप धुल जाते हैं। मैं उनके उदगम स्थल पर खड़ा अत्यंत रोमांचित था। माँ गंगा की उफनती लहरें, उछलती जलधारा की मचलती बूँदे, दूसरी तरफ ऊँचे-ऊँचे चीड़ से लदी पर्वत श्रृंखला, दूर शांत स्निग्ध सूर्य की किरणों से चमकती बर्फ से ढकी मेखला, सेब के पेड़, दिव्य मंदिर और फैले हुये घाट इस पवित्रतम स्थल की रमणीयता में चार चाँद लगा रहे थे। लगभग ढाई हजार किलोमीटर की यात्रा करती माँ गंगा लाखों किलोमीटर के क्षेत्र को उर्वरा शक्ति प्रदान करती है। करोड़ों लोंगों की जीवनधारा माँ गंगे को नमन कर मैं घंटों, घाट के किनारे पड़ी एक बेंच पर एकांत में बैठकर प्राकृतिक

दृश्य के रूप में परमपिता से एकाकार होता रहा।"

लेखक ने अपनी पुस्तक में प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पन्त की जन्मस्थली के दर्शन और उससे जुड़े पलों को बहुत ही मनोहारी ढंग से प्रस्तुत करते हुए अपनी लेखन कुशलता का अदभुत प्रदर्शन किया है।

इस प्रकार जय प्रकाश पाण्डेय द्वारा रचित यात्रा वृतांत "पगडंडी में पहाड़" पुस्तक मानव की सहज कोमल भावनाओं को जागृत करती है । हिमालय के सुरमई स्थलों से लेकर देवभूमि के इतिहास, धर्म, सभ्यता, संस्कृति, प्रकृति की खूबसूरती के साथ-साथ पर्वतीय अंचल के गाँवों और यहाँ के भोले-भाले लोगों से परिचय कराती हैं। पुस्तक पढ़ने के क्रम में यदि आप अपना बैग तैयार कर इन पगडंडियों में भ्रमण करने को निकल पड़े तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी।

आओ चलो किसी का दर्द बाँट आएं

श्रीकांत तिवारी
विपणन अधिकारी
अंचल कार्यालय, वाराणसी

हरे भरे मौसम में, बारिश में रिमझिम में
बादल की हेकड़ी में, बूँदों की छन-छन में
मिलें नए मीत से, हृदय की प्रीत से
आगे बढ़ें और सब को बढ़ाएं
आओ चलो, किसी का दर्द बाँट आएं।

रहने को छत ना हो
अंबर ही जिसका घर हो
उनको छत की छाया दिलाएं
उनको इस बारिश से बचाएं
आओ चलो, किसी का दर्द बाँट आएं।

खाने को जो तरसे, दरबदर जो भटके
उन्हें एक जून का निवाला बाँट आएं
उनको खिलाएं और उनके साथ खाएं
आओ चलो, किसी का दर्द बाँट आएं।

राह में जो सोया हो, जी भर के रोया हो
उनके साथ बैठें, थोड़ा समय बितायें
कुछ उनकी सुनें, कुछ अपनी सुनाएं
आओ चलो, किसी का दर्द बाँट आएं।

हर तस्वीर कुछ कहती है - उत्कृष्ट प्रविष्टियाँ

माटी कहे कुम्हार से

प्रेम कुमार अग्रवाल
महाप्रबंधक
स्मिड (SMEAD) प्रभाग, प्रधान कार्यालय

चित्र को देखकर सहसा ही कबीर दास जी का दोहा याद हो आता है कि:-

माटी कहे कुम्हार से तू क्या रौंदे मोय।
एक दिन ऐसा आएगा मैं रौंदूँगी तोय।।

अर्थात् माटी को रौंदने वाला कुम्हार भी स्वयं इस मिट्टी का ही पुतला है जो एक दिन स्वयं इस मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए मिट्टी उससे यह कह रही है कि आज तुम मुझे जिस तरह रौंद रहे हो वैसे ही एक दिन मैं भी तुझे इसी प्रकार रौंदूँगी। इसलिए हम सभी को यह नहीं भूलना चाहिए कि चाहे वह राजा हो या रंक सभी का अंत एक समान होता है। इसलिए हमें जीवन में कभी भी इस बात का अभिमान नहीं करना चाहिए कि दुनिया में मैं हमेशा अमर और अजर रहूँगा बल्कि यह सोचना चाहिए कि हम सभी माटी के पुतले हैं और हम सभी को एक दिन इस माटी में ही मिल जाना है। इसलिए हमें अपने जीवन में अच्छे कर्म करते हुए अपने और दूसरों के जीवन को सुखी बनाने का प्रयास करना चाहिए ताकि जब हमारा अंत समय आये तो लोग हमारे अच्छे कर्मों को याद कर हमें जीवन भर याद रखें। इसलिए कहा भी गया है कि

प्रभु जी जब हम पैदा हुए जग हँसे हम रोए।
ऐसी करनी कर चलो, तुम हँसो जग रोए।।

जीवन और कर्तव्य

बृज गोपाल दास
उप प्रबंधक
विशेश्वरगंज, मंडल कार्यालय, वाराणसी

यह वृद्ध कुम्हार या कुम्भकार जो अपने चाक पर मृत माटी में जैसे जीवन फूँककर अति सावधानी व धैर्य से नाना प्रकार के, नाना आकार से खूबसूरत मिट्टी के बर्तन बनाने में तल्लीन है, कोई आसान काम नहीं कर रहा है। खेत से लाई मिट्टी में से कंकड़-पत्थर, घास-फूँस आदि निकालकर साफ करना, जल छिड़ककर अपने कठोर खुरदरे हाथों से रुंधकर, गूँथकर, मथकर मुलायम करना, फिर अति सावधानी से चाक पर घुमाना होता है। अपने सृजन को धूप में सुखाने और आँवा में पकाने के लिए स्वयं भी धूप में जलना होता है ताकि इन बर्तनों में मजबूती आ सके। इसी प्रकार हमें भी इस सांसारिक झंझावाटों को झेलने के लिए स्वयं को समय की धूप में तपाना चाहिए।

इस विपन्नता में, इस लाचारी में, इस अभाव में, उम्र के इस आखिरी पड़ाव में जहाँ तन पर पहनने को वस्त्र तक न हों, वृद्ध कुम्हार की तल्लीनता, धैर्य, मेहनत, कारीगरी, लगन, जुझारूपन व परिवार के प्रति जिम्मेदारी की भावना हम सभी के लिए वंदनीय है, अनुकरणीय है और हमें हमारे कर्तव्यों का बोध कराती है। इससे सीखने वाली बात ये भी है कि हम कभी भी उम्र को अपने ऊपर हावी न होने दें, हिम्मत न हारें और अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारी का हर परिस्थिति में निर्वहन करें, काम चाहे जो भी हो।

एक कलाकार – कुम्हार

रंजू कुमारी
अधिकारी
कासा, बैक ऑफिस, कोलकाता, उत्तर

आदि यंत्र कला के प्रवर्तक –'कुम्हार'। 'कलाल', 'कुलाल' 'कुम्भकार' या 'प्रजापति' अनेक नाम हैं इन कलाकारों के जो अपनी कला से मिट्टी को अनेकों सुंदर रूप दे देते हैं। नवरात्रि के त्योहार में देवी माँ के कलश स्थापना से लेकर, गर्मी के मौसम में बड़े से ठंडे पानी पीने वाले घड़े तक, दीपावली में दीये जलाने से लेकर, व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसकी अंतिम यात्रा में आग लगाने के लिए भी कुम्हार के द्वारा बनाई गई सुंदर रचनाओं का ही इस्तेमाल होता है।

जो चाक को अपने हाथों से घुमाकर मिट्टी के सुंदर बर्तन बनाते हैं उन्हीं कलाकारों को कभी-कभी अपने जीवन यापन के लिए भोजन नसीब नहीं होता। एक कुम्हार अपनी कला के माध्यम से सांस्कृतिक चित्रकारी करके बर्तन को एक रूप दे देता है, वहीं कुम्हार अपने जीवन और अपने बच्चों को एक सार्थक रूप नहीं दे पाता। ग्रामीण क्षेत्रों में कुम्हार दो वक्त की रोटी के लिए मोहताज हैं। पीढ़ियों से पुरखों की विरासत को बढ़ाने वाले कुम्हार परिवार आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहें हैं। आधुनिकीकरण के इस दौर में अब न मिट्टी के बर्तन के खरीददार बचे हैं और न ही सदियों पुरानी इस कला को बचाने के लिए सरकार के पास कोई कारगर योजना है।

रोटी, कपड़ा, 'मिट्टी' के लिए संघर्ष करते हैं 'कुम्हार'। ऐसे ही चलता रहा तो कहानियों का हिस्सा बनकर रह जाएंगे कुम्हार। कुम्हार की आर्थिक स्थिति में हम आम नागरिकों को भी अपना कर्तव्य निभाना होगा, उनकी रचनाओं को प्रोत्साहित कर, उनके द्वारा बनाई गई वस्तु की सही कीमत देकर हम उनके अस्तित्व को बचाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

'बना रहा है दीये कुम्हार,
तुम झालरें न ले आना।
दीपक से घर रोशन करके
राष्ट्र हित तुम निभाना।।

हर तस्वीर कुछ कहती है

कहते हैं कि कैमरा और तस्वीर झूठ नहीं बोलते हैं और वाकई में हर तस्वीर कुछ कहती है जो हमारे दिलो-दिमाग और अंतरात्मा को छू जाती है और हमें सोचने और उस पर कुछ लिखने के लिए प्रेरित करती है। क्या यह तस्वीर आपको लिखने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है? तो उठाइए कलम और इस तस्वीर पर अपने मौलिक विचार (गद्य/पद्य) केवल 10 से 15 पंक्तियों में हिंदी यूनिकोड में टाइप कर हमें 28 फरवरी 2023 तक ईमेल पते pnbstaffjournal@pnb.co.in या राजभाषा विभाग की rajbhashavibhag@pnb.co.in पर भेज दीजिये। कृपया प्रविष्टि में फोटो सहित अपना पूर्ण विवरण अवश्य लिखें। हस्तलिखित/रोमन लिपि में टंकित प्रविष्टियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। केवल पीएनबी बैंक के स्टाफ सदस्य ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक स्टाफ सदस्य की केवल एक प्रविष्टि पर विचार किया जाएगा। चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रतिक्रियाओं को पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सीएसआर गतिविधियाँ

बेंगलुरु मंडल द्वारा सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बेंगलुरु को व्हील चेयर प्रदान करते हुए कार्यपालक निदेशक, श्री विजय दुबे। साथ में हैं मंडल प्रमुख, श्री ज्योतिष चंद्र प्रसाद, सहायक महाप्रबंधक-रैम, श्री के. सिंह और सहायक महाप्रबंधक-जीबीवी, श्री आर. के. सिन्हा।

कोलकाता अंचल में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत रामकृष्ण मिशन गर्ल्स कॉलेज की प्रधानाचार्या को बालिकाओं के लिए पाठ्य सामग्री भेंट करते हुए अंचल प्रबंधक, श्री सुमंत महान्ती। दृष्टव्य हैं महाप्रबंधक, श्री सुनील अग्रवाल एवं सहायक महाप्रबंधक, श्रीमती सुकन्या घोष दस्तीदार।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सीएसआर गतिविधियों के तहत मंडल कार्यालय, सूरत के दिव्यांग कर्मचारियों को सम्मानित करने के अवसर पर मंडल प्रमुख, श्री बॉबी तंवर।

दिव्यांग दिवस के अवसर पर मूक बधिर स्कूल, आश्रम रोड की मुख्याध्यापिका श्रीमती इना देसाई को मंडल कार्यालय, अहमदाबाद में सम्मानित करते हुए मंडल प्रमुख, श्री शैलेश जोशी, उप मंडल प्रमुख, श्री गुरप्रीत हीरा एवं श्रीमती लक्ष्मी गणपति, समप्र।

सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत निमापाड़ा क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों को राशन बांटते हुए अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री ए. उदय भास्कर रेड्डी।

सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत हुगली के पुइनान में रसूलपुर प्राथमिक विद्यालय में बैंक द्वारा लगाई गई पेयजल की टंकी के साथ मंडल प्रमुख हुगली श्री विराजमान केरकेट्टा, उपमंडल प्रमुख, श्री राकेश कुमार अग्रवाल एवं स्कूल के प्रधानाचार्य एवं अन्य अधिकारीगण।

सीएसआर गतिविधियाँ

दुर्गापुर अंचल के अंचल प्रबंधक, श्री प्रबीर कुमार ताह ने बैंक की नैगमिक सामाजिक दायित्व के अंतर्गत रांची कॉलोनी, दुर्गापुर स्थित तुलसीदास हिंदी एस.एस.के एवं मुंशी प्रेमचन्द हिंदी एस.एस.के विद्यालय के कुल 135 छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल के लिए वॉटर प्यूरीफायर विद्यालय प्रबंधन समिति को भेंट किए।

बैंक द्वारा 11 नवम्बर 2022 को सरदारपुरा विद्यालय, तालुका पेटलाद, जिला आणंद में 235 बच्चों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत स्टेशनरी पाउच बांटे गए। कार्यक्रम में श्री विजेंद्र सिंह, मंडल प्रमुख, मंडल कार्यालय वडोदरा एवं श्री धीरेन्द्र सुमन, शाखा प्रबंधक पेटलाद शामिल हुए।

सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत मरीजों की सहायता के लिए सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल, सोलन को व्हील चेयर प्रदान करते हुए मण्डल प्रमुख, सोलन, श्री संजीव कुमार, उप मण्डल प्रमुख, श्री सुरेश कपूर, मुख्य प्रबंधक, श्री राधा किशन एवं श्री सुरेन्द्र कुमार।

यादों की खिड़की

हर्षा पखाले
उप प्रबंधक
अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

आज यादों की खिड़की से देखा तो बहुत कुछ याद आया है,
जिंदगी के इस झरोखे ने बहुत कुछ सिखाया है।
कभी धूप तो कभी छाँव रही जिंदगी
लेकिन हम पर कुछ – कुछ मेहरबान रही जिंदगी।
जिंदगी के इस सफर ने हर मौसम से मिलवाया है,
कभी बसंत के फूलों सी थी और
कभी पतझड़ का एहसास करवाया है।
ये बीता वक्त कुछ खास रहा
क्योंकि कुछ खास लोगों का साथ रहा।
मुश्किलें कम नहीं थी रास्तों में पर हर
मुश्किल को अपनाया है,
अपनों के साथ ने इस सफर को और आसान बनाया है।
ऐ जिंदगी ये यादों की खिड़की फिर खोलेंगे,
कुछ गम और कुछ खुशियाँ फिर तोलेंगे।
फिर से तुमसे मुलाक़ात करेंगे
दिल की बातें बेशुमार करेंगे।
पर अब सफर में लौटने का वक्त आया है
आज यादों की खिड़की से देखा तो बहुत कुछ याद आया है,
जिंदगी के इस झरोखे ने बहुत कुछ सिखाया है।

क्षेत्रीय भाषा की रचना

सुमित्रा देवी
सहायक प्रबंधक-राजभाषा
मण्डल कार्यालय-फाजिल्का

ਰੰਗਲਾ ਪੰਜਾਬ

ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ ਆਪਣਾ ਰੰਗਲਾ ਪੰਜਾਬ।
ਗੁਰੂਆਂ, ਪੀਰਾਂ ਦੀ ਬਾਣੀ ਨੂੰ,
ਪੰਜਾਂ ਦਰਿਆਵਾਂ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ,
ਦੇਸ਼ ਭਗਤਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਨੂੰ,
ਗੱਭਰੂਆਂ ਦੀਆਂ ਜਵਾਨੀਆਂ ਨੂੰ,
ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ।
ਮਾਲਵਾ-ਮਾਝਾ-ਧਰਤ-ਦੁਆਬੀ ਨੂੰ,
ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ-ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ,
ਬੁੱਲਹੇਸ਼ਾਹ, ਬਟਾਲਵੀ ਜਿਹੇ ਸਾਹਿਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ,
ਚੰਗੇ ਉਭਰਦੇ ਹੋਏ ਫ਼ਨਕਾਰਾਂ ਨੂੰ,
ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ।

ਸ਼ੇਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਰਿਆਸਤ ਨੂੰ,
ਗੁਆਚ ਰਹੀ ਵਿਰਾਸਤ ਨੂੰ,
ਬੰਜਰ ਹੁੰਦੇ ਖੇਤਾਂ ਨੂੰ,
ਕਬੱਡੀ, ਹਾਕੀ ਜਹੀਆਂ ਖੇਡਾਂ ਨੂੰ,
ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ।
ਗੁਰੂ ਘਰ-ਮੰਦਰਾਂ-ਮਸੀਤਾਂ ਨੂੰ,
ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਮੇਲੇ-ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਤਿੱਥਾਂ ਨੂੰ,
ਆਪਣੇ ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਸਥਾਨਾਂ ਨੂੰ,
ਕਰਜੇ ਨਾਲ ਮਰ ਰਹੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ,
ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ।

ਕੰਮ ਲਈ ਬਾਹਰ ਜਾਂਦੇ ਧੀਆਂ-ਪੁੱਤਾਂ ਨੂੰ,
ਪੱਗਾਂ ਤੇ ਕੁੜੀਆਂ ਦੀਆਂ ਗੁੱਤਾਂ ਨੂੰ,
ਸ਼ਰਮ ਤੇ ਮੁੱਕ ਦੀਆਂ ਸੰਗਾਂ ਨੂੰ,
ਰੰਗਲੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰੰਗਾਂ ਨੂੰ,
ਆਓ ਪੰਜਾਬੀਓ ਸਾਂਭੀਏ ਆਪਣਾ ਰੰਗਲਾ ਪੰਜਾਬ।

रंग बिरंगा पंजाब

आओ पंजाबिओं अपने रंग बिरंगे पंजाब को संभालें।
गुरुओं, पीरों की बाणी को,
पाँच दरियाओं के पानी को,
देशभक्तों की कुर्बानी को,
जवानों की जवानी को,
आओ पंजाबिओं संभालें।
मालवा-माझा-दोआबा की धरती को,
अपनी मातृभाषा-पंजाबी को,
बुल्लेशाह, बटालवी, जैसे साहित्यकारों को,
अच्छे नवोदित कलाकारों को,
आओ पंजाबिओं संभालें।

शेर-ए-पंजाब, की रियासत को,
खो गई विरासत को,
बंजर हो रहे खेतों को,
कबड्डी, हॉकी जैसे खेलों को,
आओ पंजाबिओं संभालें।
गुरुघर-मंदिर-मस्जिदों को,
पंजाब के मेले-त्योहारों-तिथियों को,
अपने ऐतिहासिक स्थानों को,
कर्ज से मर रहे किसानों को,
आओ पंजाबिओं संभालें।

काम के लिए बाहर जाने वाले बेटे-बेटियों को,
पगड़ियों और लड़कियों की वेणियों (चोटियों) को,
शर्म और ख़त्म हो चुकी हया को,
रंग बिरंगे पंजाब के रंगों को,
आओ पंजाबिओं अपने रंग बिरंगे पंजाब को संभालें।

आखिर वो मान गए

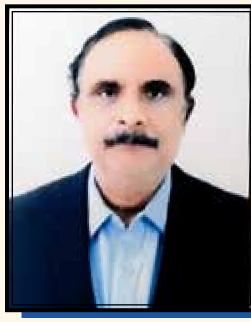

हरेन्द्र मोहन मिश्र
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, बेंगलुरु

जन्म से लेकर मृत्यु तक के अन्तराल को जीवन कहा जाता है। यह अन्तराल किसी का अधिक होता है तो किसी का कम लेकिन इस अवधि में बहुत सारी खट्टी-मीठी घटनाएं लगातार घटती रहती हैं। व्यक्ति को अपने इस जीवन के क्रम में विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। जब वह अपने परिवार में होता है तो परिवार के सदस्य की भूमिका निभाता है और समाज में होता है तो समाज के सदस्य की। जब वह किसी नौकरी-पेशे से जुड़ा होता है तो वहाँ वैसी ही भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। इन भूमिकाओं के मध्य वह अनेक लोगों से मिलता है, कभी-कभी यह मिलना सुखदायी होता है तो कभी दुःखदायी। लेकिन जो व्यक्ति दुःखदायी क्षणों को सुखदायी क्षणों में परिणत कर देता है तो समझिए कि उसने वास्तव में जीना सीख लिया।

प्रत्येक व्यक्ति के सेवाकाल में बहुत सारी घटनाएं ऐसी घटती हैं, जो उसके स्मृति पटल पर अंकित हो जाती हैं। ऐसी ही कुछ घटनाओं का स्मरण मुझे भी हो रहा है जिसे मैं आपके साथ बांटना चाह रहा हूँ। उस समय मैं बचरा शाखा में पदस्थापित था, सारा काम खाता बहियों और लेखा पुस्तकों में किया जाता था। उन दिनों गणना की सहायता हेतु केवल गणक यानि कैलकुलेटर के अलावा और किसी यंत्र की सुविधा नहीं होती थी। ग्राहकों को बैंक में आकर ही सारे कार्य करवाने पड़ते थे। किसी प्रकार की ऑनलाईन की सुविधा नहीं थी जैसी कि आज है। प्रथम पंक्ति में लिपिक वर्ग होते थे, जो ग्राहकों के खातों में कलम से प्रविष्टि करते थे। इसके बाद पीछे पारण अधिकारी का स्थान होता था। हाँ, एक सुविधा ग्राहकों के लिए अवश्य थी कि टेलर काउंटर थे, जहाँ से एक निश्चित रकम तक की राशि ग्राहक निकाल सकते थे। इसके लिए आहरण पर्ची एवं चेक की सुविधा भी उन्हें प्रदान की जाती थी। इस शाखा में चूँकि सी०सी०एल० का खाता था, अतः उन खातों में करोड़ों की राशि जमा रहती थी, जिसमें से कंपनी के ठेकेदारों का भुगतान किया जाता था। साथ ही कंपनी के कर्मचारियों के वेतन का भी भुगतान होता था। प्रायः दस से पन्द्रह तारीख तक वेतन का भुगतान चलता था। हजारों की संख्या में मजदूर वर्ग के लोग थे जो अपने वेतन के लिए अपनी नियत तिथि को बैंक में आकर अपने वेतन का आहरण करते थे। इसी क्रम में प्रत्येक दिन की यह स्थिति होती थी कि बैंक के खुलने से पहले ही डेढ़ से दो सौ लोगों की भीड़ जमा हो जाती थी। स्थिति ऐसी हो जाती थी कि बैंक कर्मचारियों को बैंक में प्रवेश करने के लिए वहाँ तैनात गार्डों की सहायता लेनी पड़ती थी। वहाँ होमगार्ड की तैनाती लगातार रहती थी और

अभी भी है। अब आप जरा सोचिए कि क्या स्थिति रहती होगी जब एक साथ बैंक के दरवाजे खुलने के साथ इतनी भीड़ एक साथ बैंक में प्रवेश कर जाए। काउंटर पर पासबुक जमा कर दी जाती थी और फिर उनका नाम पुकार कर उन्हें टोकन दिया जाता था। साथ ही कुछ लोग टेलर काउंटर पर लाईन में लग जाते थे। बैंक परिसर के हिसाब से भीड़ इतनी ज्यादा हो जाती थी कि लोग एक-दूसरे को धक्का-मुक्की भी करते रहते थे। कभी-कभी झगड़ भी पड़ते थे। स्थिति ऐसी हो गई थी कि सी०सी०एल० के यूनियन के अध्यक्ष को इसमें हस्तक्षेप करने के लिए आना पड़ा ताकि लोगों की समस्या का समाधान हो सके और उनका भुगतान जल्द करने के लिए बैंक प्रबंधन कोई समाधान निकाले। अध्यक्ष महोदय लम्बे चौड़े व्यक्ति थे, धोती कुर्ता पहनते थे, उनकी आवाज ऐसी थी कि लोग सुनते ही डर जाते थे। इसलिए उनका दबदबा सी०सी०एल० में काफी था। उनका नाम था भागवत सिंह। वे एक दिन आए और हमारे प्रबंधक महोदय के सामने टेबल ठोक-ठोक कर काफी ऊँची आवाज में बोलने लगे। हमारे प्रबंधक महोदय डर गए और उनसे अनुनय-विनय करने लगे कि ज्यादा भीड़ की वजह से ऐसा होता है, जब तक यह भीड़ एक सीमित मात्रा में नहीं आती तब तक यह संभव नहीं है कि काम जल्द किया जा सके। लेकिन सिंह साहब मानने के लिए तैयार ही नहीं थे। मैं बगल के कमरे में ऋण दस्तावेज भर रहा था। मैं उनके पास गया और महोदय से बात करने की इजाजत माँगी। मैं सिंह साहब को चाचा जी कहकर संबोधित करता था, वे भी मुझे अच्छी तरह जानते थे और बराबर का सम्मान देते थे। उन्होंने मुझे देखते ही मेरा हाल-चाल पूछा और आने का अभिप्राय बतलाया। मैंने उनसे कहा कि चाचा जी आप यदि बुरा न मानें तो क्या मेरे कमरे में चल कर बैठ सकते हैं? वे तैयार हो गए। मैं उन्हें अपने कमरे में ले गया और पहले पानी मंगवा कर पिलाया, फिर चाय के लिए भी बोल दिया।

इसी बीच मैंने उनसे कहा, चाचा जी जिस बात से आप परेशान हैं उसी बात से यहाँ बैंक के सारे लोग भी परेशान हैं। हम कर्मचारियों को भी इन लोगों की इस प्रकार की परेशानी को देखकर दुःख होता है लेकिन हम चाह कर भी कुछ नहीं कर पाते। उन्होंने कहा, तुम यह बताओ मिश्रा, बैंक एक भुगतान के लिए कितना समय लेता है। एक-एक आदमी को दो से तीन घंटे लगते हैं उन्हें अपना वेतन लेने में।

मैंने उनसे पूछा, आपके हिसाब से एक भुगतान में कितना समय लगना चाहिए? उन्होंने कहा, दो से तीन मिनट।

मैंने कहा, आप ठीक कह रहे हैं। यदि टेलर पेमेंट किया जाए तो दो से तीन मिनट ही लगने चाहिए।

वे मुस्कुराए, तुम भी मानते हो न कि दो से तीन मिनट लगना चाहिए तो फिर इतनी देर क्यों लगती हैं। बैंक कर्मचारी इसके लिए जिम्मेवार हैं या नहीं? मैंने कहा आप सही कह रहे हैं, लेकिन मैं यह कह रहा हूँ कि हम लोग इससे भी कम समय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अब तो वे चौंक गए। बोले, कैसे?

मैंने कहा, चाचा जी हम लोग वेतन वितरण के समय एक दिन में छः से सात सौ लोगों को भुगतान दे रहे हैं। हम लोग दस बजे से दो बजे तक चार घंटे में यानि 240 मिनट में कम से कम छः सौ लोगों को यदि भुगतान करते हैं तो इस हिसाब से एक मिनट में ढाई लोगों को भुगतान कर रहे हैं, क्या आप इसे देर होना कहते है। यदि एक बार में दो सौ लोग बैंक में प्रवेश कर जाते हैं तो किसी-न-किसी का नंबर तो अंतिम होगा ही और उसे दो घंटे तो लगेंगे ही। वे यह बात समझ गए और जाने लगे तो मैंने कहा कि हमारे प्रबंधक महोदय को उनके परिश्रम के लिए कम से कम धन्यवाद कहते जाइएगा ताकि उनका प्रोत्साहन बना रहे। इस प्रकार आखिर वे मान गए और संतुष्ट होकर गए, फिर उन्होंने इस प्रकार की कोई शिकायत नहीं की।

एक अन्य घटना उस समय घटी जब मैं परासी शाखा में उप प्रबंधक के रूप में पदस्थापित था। परासी शाखा झारखण्ड के उग्रवाद प्रभावित इलाके में है। आए दिन उस क्षेत्र में कोई न कोई घटना होती ही रहती थी। उस इलाके के बहुत से ऐसे लोगों के भी खाते थे जो या तो उग्रवादियों से प्रभावित थे या उनकी भाषा में ही बोलते थे। उन सबका बैंक में आना-जाना लगा रहता था। इस बैंक का जो अधीनस्थ कर्मचारी था वह लगभग सारे लोगों से परिचित था एवं उन सभी के स्वभाव को जानता था। उस दिन मेरे प्रबंधक महोदय अवकाश पर थे और मैं ही शाखा में था। काफी भीड़ थी। वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान चल रहा था। इसी बीच एक व्यक्ति की चीखने की आवाज शाखा के गेट पर से आ रही थी। वह बैंक प्रबंधक को अनाप-शनाप बोल रहा था। अचानक अधीनस्थ कर्मचारी मेरे पास आया और उसने कहा कि अमुक व्यक्ति आया है और वह बहुत बुरा व्यक्ति है। आपसे मिलना चाह रहा है, भेज दूँ, मैंने उसे भेजने को कहा। वह व्यक्ति मेरे

पास आया और उसी रौब-दाब से बात करने लगा। मैं कुछ वाउचर पास कर रहा था, आठ-दस वाउचर रहे होंगे। मैंने उसे बैठने के लिए इशारा किया। वह सामने रखी कुर्सी पर बैठ गया। मैंने पानी की बोतल उसके सामने रख दी। वह बोला, मैं पानी पीने नहीं आया हूँ। आप मेरी समस्या का समाधान कीजिए कहते हुए बैंक वालों को और भला-बुरा कहने लगा। मैंने उससे कहा कि मैं यह वाउचर पास कर रहा हूँ, पाँच मिनट में बात करता हूँ। वह बैठा रहा। काम समाप्त कर मैंने उससे काम जानना चाहा।

उसने कहा, अभी तो आपसे सारी बातें बताई है। मैंने कहा, आप वास्तव में काफी ऊँची आवाज में बात कर रहे थे तो बात मेरी समझ में नहीं आई।

उसने कहा, मेरी चाची की वृद्धावस्था पेंशन प्रखण्ड से आ गई है और आप लोग उसे खाते में नहीं चढ़ाए हैं। जिस वजह से वह दो बार बैंक से लौट कर चली गई है। मैंने कहा, हो सकता है उनकी पेंशन नहीं आयी हो, क्योंकि अब तक जितने लोगों की भी पेंशन आयी थी सब खाते में चढ़ चुकी है। फिर भी हो सकता है कि जो सूची प्रखण्ड कार्यालय से आई हो उसमें खाते की संख्या या नाम में कोई अन्तर हो तब भी उसे नहीं चढ़ाया जाता और प्रखण्ड के खाते में वापस कर दिया जाता है। वैसे आप भी उस सूची को देख लीजिए और बताइए कि कौन सा नाम छूट गया है। यह कहते हुए मैंने दराज में रखी संचिका में से इस माह की सूची जितनी थी उस व्यक्ति के सामने रख दी। वह व्यक्ति एक-एक कर सारे नाम पढ़ गया लेकिन उसकी चाची का नाम नहीं मिला, तो उसने कहा, लगता है कि उनकी पेंशन नहीं आयी है, लेकिन प्रखण्ड कार्यालय के लोग तो कह रहे थे कि भेज दी है, और कोई सूची नहीं है न। मैंने कहा, आप प्रखण्ड कार्यालय में पता कीजिए और भिजवाने का प्रयास कीजिए भुगतान उसी दिन हो जाएगा। दूसरे दिन वह व्यक्ति बिल्कुल विनम्र होकर हाथ जोड़े हुए अफसोस और क्षमा याचना की मुद्रा में हमारे सम्मुख प्रस्तुत हुआ, उस दिन हमारे प्रबंधक महोदय भी थे, जो उससे डरते भी थे। उसके इस व्यवहार से चकित भी थे।

उसने आते ही कहा क्षमा कीजिएगा मिश्रा जी, गलती हो गई। प्रखण्ड कार्यालय से उन्होंने अभी तक चाची जी की पेंशन नहीं भेजी थी, कल आ जाएगी। मैंने उससे कहा कि क्या आप अपनी गलती स्वीकार करते हैं? आपने जो व्यवहार बैंक कर्मचारियों के साथ किया क्या यह ठीक था? उसने कहा इसीलिए तो मैं हाथ जोड़ कर क्षमा माँग रहा हूँ। अब कभी भी मेरी कोई आवश्यकता बैंक को हो तो मैं सहर्ष आपकी सहायता के लिए तैयार रहूँगा। आखिर वह भी मान गए और मैं जब तक वहाँ रहा हमेशा सहायता के लिए तैयार रहता था।

यहाँ तक कि उसने बकाया ऋण खातों की वसूली में भी काफी योगदान दिया। इस प्रकार की अनेक घटनाएं हैं, लेकिन शब्दों की सीमा चूँकि सीमित है इसलिए अन्य घटनाओं का जिक्र नहीं कर पा रहा हूँ। कभी पुनः अवसर मिला तो अन्य घटनाओं को भी आप सारे लोगों के समक्ष रखने में मुझे प्रसन्नता होगी।

हँसी बांट लेने से अनंत हो जाती है, दुःख बंटता है तो हल्का हो जाता है और सुख बंटता है तो दुगुना हो जाता है।

– दादा धर्माधिकारी

विपरीत का सौन्दर्य : जीवन दर्शन

शालिनी कृष्णम
मुख्य प्रबंधक
स्टाफ प्रशिक्षण केंद्र, कोलकाता

विपरीत का शाब्दिक अर्थ कभी भी सौंदर्य का आभास नहीं देता है। इससे भी आगे अगर सोचें तो विपरीत जीवन का सदभाव नहीं देता बल्कि यह कहीं न कहीं विध्वंश या नाश का सूचक मालूम पड़ता है। जाने क्यूँ ये शब्द हर समय दुर्गम और कठिन जान पड़ता है।

विपरीत प्राकृतिक न होकर प्रकृति का विरोधी जान पड़ता है लेकिन प्रकृति को ध्यान से देखने पर यह प्रकृति का मूल तत्त्व प्रतीक होता है। अगर हम देखें तो लगता है कि जीवन के साथ मृत्यु, दिन के साथ रात, प्रकाश के साथ अंधकार, धूप के साथ छाया ये सब ऐसी चीजें हैं जो विपरीतार्थक होने के बावजूद एक-दूसरे के बाद आने के लिए बाध्य हैं और यदि ये दूसरे के बाद न आयें तो जीवन जैसा है वैसा नहीं होकर कुछ अलग ही होगा। कुछ क्षण के लिए अगर हम सोचें कि प्रकृति के इस क्रम को बदल दिया जाये तो प्रकृति इतनी सुरुचिपूर्ण हो सकती है क्या? बदलने के बहुतरे प्रयास मानव जाति के द्वारा किये भी जाते रहें हैं लेकिन कहीं न कहीं प्रकृति अपने इस क्रम को कायम रखने को दृढ़ प्रतिज्ञ है।

प्रकृति का ये हठ सिर्फ कौतुक के लिए नहीं है बल्कि इसकी गहराई में जीवन दर्शन छिपा हुआ है। सच कहें तो जीवन विपरीत को साधने का सौंदर्य है, और भी विपरीत को एक साथ साधने का सौंदर्य। जो विपरीत को साधने में सफल हैं वही वस्तुतः जीवन को साधने में भी समर्थ हैं। विपरीत को साधने का उदाहरण हम पंकज से ले सकते हैं। पंक किसे अच्छा लगता है, शायद किसी को नहीं। लेकिन उसी पंक को जब कोई बीज से लगा लेता है तब पंकज बनता है। पंक से जन्म लेने वाला पंकज श्री का पर्यायवाची बन जाता है।

विपरीत हमें जीवन में आशावादी बनना सिखाता है, उदाहरण के तौर पर यदि अंधकार है तो प्रकाश का आना तय है, सूरज अगर धूप की गर्मी के साथ चढ़ा है तो ठंडी बयार के साथ डूबेगा भी और अगर अँधेरे में डूबा है तो प्रकाश के साथ उगेगा भी। यही आशा इस मृत्युलोक में मानव जीवन की आधारशिला है, जो किसी अपने की मृत्यु के पल में भी फिर से जीवन के जन्म की आस में पत्थर की तरह टिकी रहती है। यही आस तो पतझड़ के बाद फिर से सावन की उम्मीद देती है। इसी आस के सहारे मनुष्य अनेक असफलताओं के बाद भी सफलता की उम्मीद लगाकर आगे बढ़ता चला जाता है।

वहीं दूसरी तरफ विपरीत हमें संतुलित जीवन जीने की राह भी दिखता है। यदि आज जीवन है तो कल मृत्यु है, आज सुख है तो कल दुःख भी, यदि आज हम जीते हैं तो हम हारेंगे भी इत्यादि। ये विपरीत आने की बाध्यता कहीं न कहीं हमें इंसान बनाये रखने में भी मदद करती है और हमें स्थिरप्रज्ञ होने का पाठ भी पढ़ाती है। कठिन परिस्थिति आने से विपरीत कहीं भी हमें हतोत्साहित नहीं करता है बल्कि जीवन के पथ प्रदर्शक के तौर पर मार्गदर्शन करता है।

कुल मिलाकर कहें तो विपरीत के साथ सामंजस्य बनाना जीवन और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना है। विपरीत को समझ लेना जीवन दर्शन को समझ लेना है।

जिंदगी में हम कुछ नया इसलिए भी नहीं कर पाते, क्योंकि हमें लगता हैं कि दूसरे नहीं कर रहे, तो हम कैसे कर सकते हैं।

पीएनबी ने किया “नए पीएनबी वन” का शुभारंभ

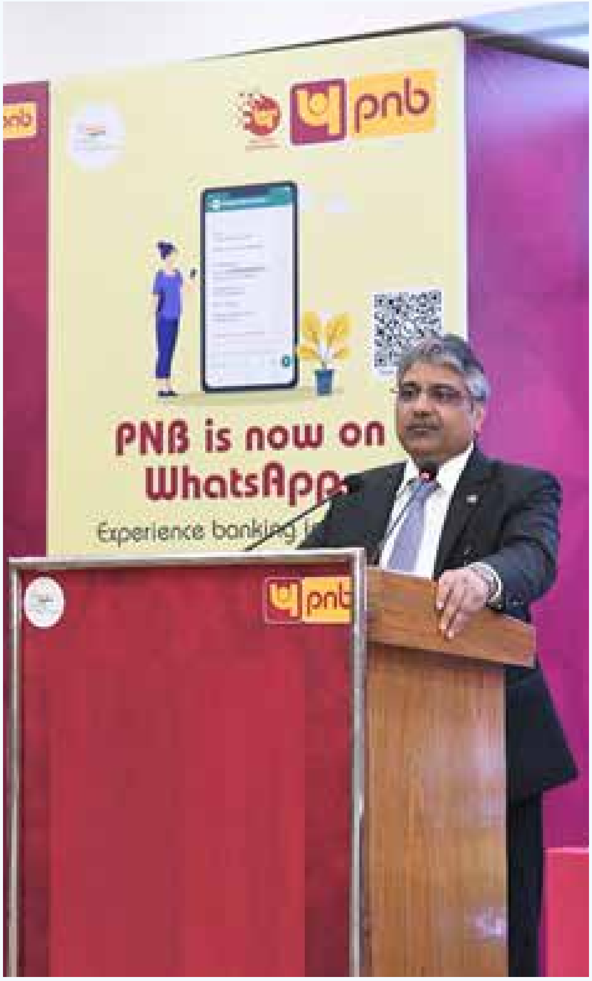

बैंक के एमडी एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल द्वारा कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे और श्री कल्याण कुमार, बैंक के मुख्य महाप्रबंधकों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कार्डरहित नकद निकासी, पूर्व अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण, प्री क्वालीफाईड क्रेडिट कार्ड आदि सुविधाओं से लैस अधिक उन्नत नए (Revamped) “पीएनबी वन” का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा पीएनबी वन के नए ऐप के माध्यम से किसानों को उन्नत इंटरफेस, डिजिटल माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड(केसीसी) के नवीकरण की सुविधा का विकल्प प्रदान करते हुए बैंक ने पात्र ग्राहकों को एसएमएस, मिस्ड कॉल, ओवीआर, पीएनबी वन ऐप, पीएनबी इंटरनेट बैंकिंग और पीएनबी कॉरपोरेट वेबसाईट जैसे डिजिटल मोड के माध्यम से 1.6 लाख रुपये तक की राशि हेतु केसीसी खाता नवीकृत करने की सुविधा भी प्रदान की है।

बैंक इस पीएनबी वन ऐप के माध्यम से गैर-वेतनभोगी ग्राहकों को सिर्फ चार क्लिक में 6 लाख रूपये तक की राशि के लिए तत्काल पूर्व-अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण (पीएपीएल) भी प्रदान करेगा। अन्य सुविधाओं के अंतर्गत अपने कॉरपोरेट ग्राहकों के लिए एक विशेष डिजिटल उत्पाद iPaCSPro (Integrated Payment & Collective Services) की शुरुआत की ताकि उनके प्राप्य और देय राशि का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए उनकी सभी बैंकिंग आवश्यकताओं को एकल मंच प्रदान किया जा सके।

पीएनबी वन पर आधार ओटीपी के जरिए ऑनबोर्डिंग की शुरुआत करने वाला पहला भारतीय बैंक - हमारा अपना बैंक

पंजाब नैशनल बैंक अपने ग्राहकों को अपने आधार विवरण और ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग कर अपने प्रमुख ऐप, पीएनबी वन पर पंजीकरण करने की सुविधा प्रदान कर, ऑनबोर्डिंग की इस श्रेणी को पेश करने वाला भारत का पहला सरकारी बैंक बन गया है। ग्राहक अब आधार कार्ड विवरण का उपयोग करके पीएनबी वन में लॉग इन कर सकते हैं और पीएनबी वन ऐप की विभिन्न सुविधाओं अर्थात् स्कैन एंड पे, खाता विवरण, निधि अंतरण और शेष राशि की पूछताछ से लेकर कार्ड रहित नकद निकासी, पूर्व-अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण, प्री-क्वालिफाइड क्रेडिट कार्ड, आईपीओ सर्विसेज और अन्य का लाभ उठा सकते हैं।

मेरी पहली मुन्नार यात्रा

प्रियदर्शनी सहाय
लिपिक
शाखा इंदिरा नगर, बेंगलुरु

वैसे तो मुझे हिल्स स्टेशन पर जाने के बहुत मौके मिले लेकिन मुन्नार एवं एलप्पी जो केरल जिले में स्थित है वहाँ की यात्रा मेरे स्मृति पटल पर अपनी अमिट छाप अभी तक छोड़े हुए है। मेरी पोस्टिंग दक्षिण भारत में होने के बावजूद भी मैं मुन्नार नहीं जा पा रहीं थी । वहाँ की यात्रा करके लौटे स्टाफ से मैं जरूर मिलती थी और उनसे वहाँ की बातें करती, पूरी यात्रा का ब्यौरा लेती, प्रकृति प्रेमी होने के नाते जब भी मैं वहाँ का वृतांत सुनती तुरंत वहाँ जाने की प्लानिंग कर बैठती, लेकिन कहा जाता है न जब तक लिखा न हो तब तक आप वहाँ नहीं जा सकते, वहीं मेरे साथ भी होता रहा, ट्रिप योजना बनती रही और कैंसिल होती रही। जब मुझे वहाँ के सौंदर्य को निहारने का मौका मिला तो मैं मंत्रमुग्ध होकर वहाँ की वादियों में कहीं खो सी गई थी।

इस हिल्स स्टेशन पर पहुँचकर ऐसा महसूस होता है जैसे आप बादलों को अपने हाथों से छू लेंगे और हरे-भरे पत्ते नजारे को और भी खूबसूरत बना देते हैं। इस हिल्स स्टेशन को चाय की डिलीवरी के लिए एक ट्रांसशिपमेंट पॉइंट के रूप में जाना जाता है। मानसून का सीजन शुरू होते ही वहाँ की खूबसूरती में चार चाँद लग जाते है, वहाँ की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। पर्यटकों की संख्या भी बढ़ने लगती है।

"हरे भरे पेड़, चहचहाते पक्षी
झरनों की कलकल, ये सुकून भरे पल
मनमोहक प्रकृति का संगम
आकृष्ट करता है मानव मन"

मेरे ऑफिस से घर का सफर लंबा है और बस में बैठते ही दिमाग में कुछ न कुछ दौड़ने लगता है। आज किससे बात करें, घर में खाना क्या बनवाना हैं या छुट्टी है तो क्या करना है। वैसे ही एक दिन जब मैं बस में बैठी अचानक ही मुझे याद आया कि एक दिन की छुट्टी लेने से चार दिन की छुट्टी मिल सकती है। इसमें क्यों न मैं मुन्नार एवं एलप्पी यात्रा कर लूँ। मैंने तुरंत अपने पति को फोन लगाया और अपनी प्लानिंग उन्हें समझा दी और वे भी राजी हो गए। उन्होने एयर टिकट देखा और ऑफिस से ही बुक कर लिया। हमने शाम में घर पहुँचकर तैयारी शुरू कर दी।

मैंने बैग में कुछ कपड़े रखे और मेरे पति मार्केट से कुछ जरूरी समान ले आए और हमारी यात्रा शुरू हो गई। हमने कोच्चि पहुँचकर थोड़ा आराम किया और आगे के लिए निकल पड़े। मुन्नार जाने के रास्ते में हमारी बस चाय बागानों से होकर गुजर रही थी चाय के हरे-हरे पत्ते आँखों को बेहद सुकून दे रहे थे और अन्यास ही याद आया कि हमने अभी तक होटल बुक नहीं किया है । हमने ऑनलाइन ही होटल बुक कर लिया, आज इन्टरनेट की दुनिया ने इतनी सुविधाएं प्रदान कर दी हैं कि हम अब कोई भी काम कहीं से भी कर लेते हैं, इसी का लाभ हमने भी लिया। होटल बुक हो जाने से हमें आगे कोई टेंशन नहीं थी और हम सुंदर और मोहक दृश्य का आनन्द लेते और कुछ दृश्य कैमरे में कैद करते हुए शाम 6 बजे तक मुन्नार पहुँच गए । होटल पहुँचकर अपना सामान रखा और थोड़ा फ्रेश होकर लोकल विजिट करने निकल गए और फिर बेहतरीन खाने का आनंद लिया।

अगली सुबह होटल में नाश्ता कर घूमने के लिए निकल पड़े मुन्नार से 15 किलोमीटर की दूरी पर समुद्र तल से 600 फीट की ऊँचाई पर प्रसिद्ध इको प्वॉइंट है जिसमें प्राकृतिक प्रतिध्वनि के रूप में इस पॉइंट पर आप चिल्लाते समय अपनी आवाज़ को एक इको में सुन सकते हैं वहाँ हमने भी अपनी प्रतिध्वनि को सुना और फिर हम इको पॉइंट पर धुंध भरे बादलों, पहाड़ियों, हरे-भरे घास के मैदानों और

जंगलों का दर्शनीय आनंद लेने लगे। इको पॉइंट एडवेंचर के दीवाने लोगों के लिए यह अदभुत अवसर है चाहे वहाँ पहाड़ी ढलानों के आसपास घूमना हो या पहाड़ी की चोटी पर ट्रैक करना हो सबका अपना अलग ही आनंद है। यहाँ हमने झील में बोटिंग की।

मुन्नार जहाँ आपको पश्चिमी घाट पर्वत में कुछ सबसे खूबसूरत झरने देखने को भी मिलेंगे जिसकी आवाज में एक जादू है जिसे शांत होकर सिर्फ सुनने मात्र से सुकून की अनुभूति होती है।

अगले दिन हम अट्टुकड जलप्रपात गए यह पहाड़ी इडुक्की जिले में मुन्नार से पल्लीवासल के रास्ते में स्थित है, जहाँ अट्टुकड जलप्रपात तेज धारा से गिरता है जो दृश्य को रोमांचकारी बनाता है, वहाँ जाकर हमने पूरा दिन बिताया, वहाँ हरियाली ही हरियाली देखने को मिलती है। वहाँ लोग पिकनिक मनाने के लिए भी आते हैं। यह खूबसूरत जगह है जो विभिन्न प्रकार के पौधों से भरी हुई है, जिसमें मसाले, इलायची और वेनिला जैसी फसलें और कई अन्य फलों के पेड़ शामिल हैं। दिल को छू लेने वाले फूल और रंग-बिरंगे फूल इस जगह को धरती पर एक छोटा-सा स्वर्ग बना देते हैं।

अगले दिन हम एलप्पी गए वहाँ लोग बैक वॉटर हाउस या बोट हाउस का आनंद उठाने जाते हैं। बोट हाउस में लिविंग एरिया, पुस्तक, टीवी आदि के साथ किचन, बेडरूम आदि की व्यवस्था भी होती है जिसमें आप पूरे दिन-रात के लिए बुक कर सकते हैं। हमने भी बोट हाउस का आनंद उठाया जो अविस्मरणीय है, चारों तरफ समुंद्र और हमारी बोट हाउस बीच में, काफी अच्छा महसूस हो रहा था। वहाँ हमने सी फूड का लुफ्त उठाया। अगली सुबह हम वापस घर लौटने के लिए निकल गए।

कुल मिलाकर यह ट्रिप एडवेंचर, रोमांच, सुकून से भरी हुई रही जो अब भी पल-पल याद आती है तो फिर से उन वादियों में विचरण करने की इच्छा जाग उठती है।

नारी

श्रीमती नीति मल्होत्रा
पत्नी विद्याभूषण मल्होत्रा
अधिकारी (सेवानिवृत्त), जयपुर

नारी होती है पृथ्वी
अपने चंद्रमा को ले गोद में
करती है परिक्रमा निरंतर अपने सूरज की,
आकर्षण से खिची
घूमती है एक टांग पर जीवन पर्यंत
पर क्या पाती है मात्र ग्रहण,
उससे भी जिसको लिए है गोद में
और उससे भी जिसके घूमती है चारों ओर।

आयातक / निर्यातक मीट

अंचल कार्यालय, देहरादून में आयातकों और निर्यातकों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के अवसर पर अंचल कार्यालय देहरादून के निर्यातकों/आयातकों से विचार-विमर्श करते हुए महाप्रबंधक, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, श्रीमती विभा एरन। दृष्टव्य हैं अंचल प्रबंधक, देहरादून, श्री संजय कांडपाल एवं मंडल प्रमुख, देहरादून, श्रीमती सरिता सिंह।

वाराणसी में आयोजित एक्सपोर्टर मीट (निर्यातक सम्मेलन) में श्रीमती विभा एरन, महाप्रबंधक, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग एवं प्रमुख उद्योगपति, श्री आर. के. चौधरी का स्वागत करते हुए अंचल प्रबंधक, वाराणसी, श्री अजय कुमार सिंह।

मंडल कार्यालय, इंदौर में आयोजित एक्सपोर्टर/इम्पोर्टर के साथ विचार-विमर्श के अवसर पर मंचासीन श्रीमती विभा एरन, महाप्रबंधक, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग, मंडल प्रमुख, इंदौर, श्री मृत्युंजय, मंडल प्रमुख, ग्वालियर, श्री अनंत कुमार।

विविध

सुश्री हर्षल कोहाड़, शाखा प्रमुख, फेटरी शाखा को अखिल भारतीय अंतर बैंक यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता वर्ष 2022 में प्रथम पुरस्कार प्राप्ति हेतु मण्डल प्रमुख, नागपुर, श्री आशीष चतुर्वेदी प्रतीक चिह्न प्रदान करते हुए।

दिनांक 26.11.2022 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते उप-मण्डल प्रमुख, सोलन श्री सुरेश कपूर एवं मण्डल कार्यालय /रैम, सोलन के स्टाफ सदस्यगण।

बैंक-एक नजर में /BANK-AT A GLANCE

रु. करोड़ में /Rs. in crore

क्र.सं./ S.No.	पैरामीटर /PARAMETERS	वित्तीय वर्ष - 22 FY'22	सित - 22 (अर्धवार्षिक) Sep'22 (HY)	दिस - 22 (9 माह) Dec'22 (9M)
1	शेयर पूंजी /Share Capital	2202	2202	2202
2	आरक्षित निधियाँ/Reserves & Surplus	93285	96554	97213
3	कुल कारोबार /Total Business	1931322	2023713	2067116
4	जमा राशियाँ /Deposits	1146219	1193501	1210359
5	सकल अग्रिम /Gross Advances	785104	830212	856757
6	निवल अग्रिम /Net Advances	728186	773403	800412
7	निवेश /Investment	372168	393925	390035
8	कुल आस्तियाँ/Total Assets	1314805	1376258	1401797
9	शाखाएं (सं.)(घरेलू) Branches (No.)(Domestic)	10098	10038	10049
10	एटीएम नेटवर्क (संख्या)/ATM Network (No.)	13350	12966	12957
11	कारोबार प्रतिनिधि (संख्या)/Business Correspondents (No)	15719	20447	22607
12	परिचालन लाभ /Operating Profit	20762	10946	16662
13	कुल प्रावधान /Total Provisions	17305	10227	15314
14	निवल लाभ /Net Profit	3457	720	1349
15	व्यवसाय प्रति कर्मचारी /Business per Employee	19.41	20.01	20.55
16	वैश्विक जमा लागत (%)/Global Cost of Deposit (%)	3.99	3.85	3.95
17	वैश्विक अग्रिम-प्रतिफल (%)/Global Yield on Advances (%)	6.79	6.70	6.89
18	वैश्विक निवेश-प्रतिफल (%)/Global Yield on Investment (%)	6.29	6.44	6.48
19	वैश्विक निवल ब्याज मार्जिन (%)/Global Net Interest Margin (%)	2.71	2.91	3.00
20	आस्तियों पर प्रतिफल (%)Return on Assets (%)	0.26	0.11	0.13
21	इक्विटी पर प्रतिलाभ (%)/Return on Equity (%)	5.96	2.30	2.85
22	आय लागत अनुपात (%)/Cost to Income Ratio (%)	49.38	48.36	50.58
23	सकल एनपीए (%)/Gross NPAs (%)	11.78	10.48	9.76
24	निवल एनपीए (%)/Net NPAs (%)	4.80	3.80	3.30
25	पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)/Capital Adequacy Ratio (%)	14.50	14.74	15.15
26	टीयर 1 अनुपात (%)/Tier 1 Ratio (%)	11.73	12.20	12.21

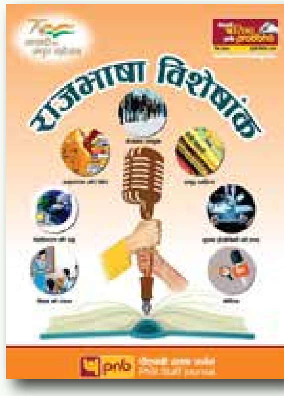

आपके पत्र

आपके बैंक की तिमाही गृह पत्रिका "पीएनबी प्रतिभा" का जुलाई-सितंबर 2022 का नवीन अंक 'राजभाषा विशेषांक' प्राप्त हुआ, धन्यवाद, सर्वप्रथम सूरत में आयोजित राजभाषा समारोह में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल जी को माननीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह द्वारा 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार प्राप्त करने के लिए हार्दिक बधाई। पत्रिका का कलेवर, विषय-वस्तु, साज-सज्जा और प्रस्तुति अत्यंत ही आकर्षक, ज्ञानवर्धक, रमणीय तथा उच्च कोटि के हैं। पत्रिका में शामिल समस्त लेख, कविताएं, कहानियाँ अत्यंत ही रोचक और पठनीय है। इस पत्रिका की विषय-वस्तु मूलत: बैंकिंग तथा अन्य सभी प्रशासनिक, कार्यालयीन, व्यावसायिक कार्यों एवं अन्य सभी क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग और कार्यान्वयन पर केंद्रित है। इस दृष्टि से पत्रिका में शामिल 'बैंक में राजभाषा की प्रासंगिकता', भारतवर्ष को आत्मनिर्भर बनाने में हिंदी की भूमिका', 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष और राजभाषा हिंदी' जैसे लेख उल्लेखनीय हैं। लेखों के अतिरिक्त अंक में शामिल 'जिजीविषा', 'देश का सम्मान – हिंदी', 'उम्मीद' कविताएं भी काफी बोधगम्य, प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक हैं। 'राजभाषा विशेषांक' के इस संग्रहणीय अंक के लिए पूरी संपादकीय टीम बधाई की पात्र है। आशा है कि आगे भी हमें ऐसे ही उत्कृष्ट और पठनीय अंकों का रसास्वादन करने का अवसर मिलता रहेगा। पत्रिका की उत्तरोतर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,
(डॉ. गुलाबचंद यादव)
महाप्रबंधक (राजभाषा)
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

IDBI BANK
Bank Aisa Dost Jaisa

विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को आवरण पृष्ठ पर सुस्पष्ट चित्रित किया गया है। किसी विषय को मद्देनजर रखते हुए पीएनबी प्रतिभा की प्रत्येक त्रैमासिक पत्रिका विशेष एवं संग्रहणीय होती है। 'राजभाषा विशेषांक' राजभाषा, बैंकिंग संबंधित लेखों के साथ-साथ सूरत में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं उच्चाधिकारियों द्वारा किये गए दौरों की जानकारी एवं चित्र से सजी हुई है। स्टाफ सदस्यों की सुंदर कहानियां तथा कविताएं उनकी रचनात्मकता को मंच प्रदान कर रही है। पत्रिका में प्रादेशिक भाषा की रचनाओं की प्रस्तुति सभी भाषाओं का सम्मान प्रदर्शित करती हैं। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएं अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक हैं। पत्रिका के सफल संपादन हेतु संपादक मंडल का अभिनंदन।

pnb पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !

(कृष्ण कुमार)
उप अंचल प्रबंधक
पंजाब नैशनल बैंक
अंचल कार्यालय, अहमदाबाद

हमें आपकी गृह पत्रिका "पीएनबी प्रतिभा" के 2022 के द्वितीय अंक (63-02) (राजभाषा विशेषांक) की प्रति प्राप्त हुई, धन्यवाद। पत्रिका को बैंकिंग तथा ग्राहक संबंध विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है। सर्वप्रथम पंजाब नैशनल बैंक को प्राप्त "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" हेतु हार्दिक शुभकामनाएं। पत्रिका में राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न गुणवत्तापूर्ण लेख प्रकाशित किये गए हैं। पत्रिका में प्रकाशित लेखों 'बैंक में राजभाषा की प्रासंगिकता', 'समृद्धि और विकास का प्रतीक राजभाषा हिंदी', 'भारतवर्ष को आत्मनिर्भर बनाने में हिंदी की भूमिका' आदि लेख राजभाषा हिंदी के महत्व को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त 'इमोशनल इंटेलिजेंस से प्रभावी प्रबंधन', 'देशभक्ति के नवीन आयाम', 'पुस्तक समीक्षा – जब आदिवासी गाता है' आदि भी रोचक जानकारियों के साथ प्रकाशित किये गए हैं। इसके साथ आपके बैंक द्वारा आयोजित विभिन्न आयोजन प्रेरणादायक हैं। पत्रिका के प्रकाशन के लिए इस महत्वपूर्ण विषय को चुनने के लिए संपादक मंडल का धन्यवाद। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी आपकी पत्रिका में इसी प्रकार के अन्य रोचक आलेख एवं तकनीकी जानकारियाँ पढ़ने को मिलेंगी।

राष्ट्रीय आवास बैंक
NATIONAL HOUSING BANK

भवदीय,
(रंजन कुमार बरुन)
उप महाप्रबंधक
राष्ट्रीय आवास बैंक

आपके बैंक की तिमाही हिंदी गृह पत्रिका पीएनबी "राजभाषा विशेषांक" का (जुलाई-सितंबर, 2022) अंक प्राप्त हुआ। पत्रिका के कुशल संपादन हेतु शुभकामनाएं स्वीकार करें। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए "राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार" हेतु बहुत-बहुत बधाई। पत्रिका बहुत ही सुव्यवस्थित एवं सुरुचिपूर्ण है। इसमें संकलित लेख जैसे राजभाषा हिंदी – दशा एवं दिशा, पी.एन.बी. वन ऐप, बनारस – एक बेमिसाल व जीवंत शहर, भारतवर्ष को आत्मनिर्भर बनाने में हिंदी की भूमिका तथा देशभक्ति के नवीन आयाम आदि बेहद ज्ञानवर्धक विषय हैं। कविताओं में – एक सुबह ऐसी भी हो, बड़ा कौन?, एक कोशिश अभी बाकी है, अच्छा ! हम चलते हैं, बचपन के दिन, मेरा बचपन, आज मेरी नन्ही बिटिया बड़ी हो गई, देश का सम्मान – हिंदी आदि कवितायें हृदय को स्पर्श करती हैं। स्टाफ सदस्यों द्वारा राजभाषा विषयों पर हिंदी में मौलिक लेखन को प्रोत्साहित करने का आपका यह प्रयास अभिनंदनीय है। इस पत्रिका में चित्रांकन आकर्षक है एवं भाषा भी सरल, सटीक तथा सहज है। इसके लिए समस्त संपादक मंडल बधाई का पात्र है। आशा करते हैं कि भविष्य में भी पत्रिका प्राप्त होती रहेगी।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
Punjab & Sind Bank

भवदीय,
(गजराज देवी सिंह ठाकुर)
महाप्रबंधक सह मुख्य राजभाषा अधिकारी
पंजाब एंड सिंध बैंक, नई दिल्ली

भावभीनी विदाई

श्री गौरी प्रसाद शर्मा, महाप्रबंधक की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई देते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम।

श्री अरुण कुमार शर्मा, महाप्रबंधक की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई देते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, श्री एम. परमशिवम। साथ में हैं श्री अरुण कुमार शर्मा के परिजन।

श्री राजेश कुमार गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद की सेवानिवृत्ति के अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए श्री दिपंकर महापात्र, अंचल प्रबंधक, अहमदाबाद एवं श्री कृष्ण कुमार, उप अंचल प्रबंधक।

मंडल कार्यालय, बिहार शरीफ में कार्यरत मुख्य प्रबंधक, श्री अंजन मुखर्जी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई देते हुए मंडल प्रमुख, श्री सत्यप्रिय दास एवं अन्य स्टाफ सदस्य।

मंडल कार्यालय, नदिया में पदस्थ वरिष्ठ प्रबंधक, श्री बिकाश राय की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर भावभीनी विदाई देते हुए मंडल प्रमुख, नदिया, श्री तापस कांति झा एवं स्टाफ सदस्य।

मंडल कार्यालय, बिहार शरीफ में अधिकारी, श्री रंजीत कुमार शर्मा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई देते हुए मंडल प्रमुख, श्री सत्यप्रिय दास, मुख्य प्रबंधकगण, श्री अतुल्य कुमार, रविन्द्र कुमार राय एवं अन्य स्टाफ सदस्य।

भावभीनी विदाई

कार्यपालक निदेशक, श्री संजय कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर स्मृति चिन्ह प्रदान कर भावभीनी विदाई देते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी एवं मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुनील सोनी। इस अवसर पर श्री संजय कुमार के परिजन भी उपस्थित रहे।

मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुनील सोनी को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर स्मृति चिन्ह प्रदान कर भावभीनी विदाई देते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अतुल कुमार गोयल, कार्यपालक निदेशकगण, श्री संजय कुमार, श्री विजय दुबे, श्री कल्याण कुमार, श्री बिनोद कुमार एवं मुख्य सतकर्ता अधिकारी, श्री विजय कुमार त्यागी। इस अवसर पर श्री सुनील सोनी के परिजन भी उपस्थित रहे।

बैंकिंग की रीत सदा चली आए,
अपनी भाषा में होए तो हर चीज समझ आए!!

अब व्हाट्सएप बैंकिंग हिंदी भाषा में भी उपलब्ध

'Hi' भेजें इस नंबर पर **+919264092640** और व्हाट्सएप बैंकिंग का आनंद लें